सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 324, नई दिल्ली । शुक्रवार, 31 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 आम आदमी पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है.....

06 भारत में 76वें गणतंत्र दिवस (2025) के अवसर पर शिक्षा की स्थिति

08 300 यूनिट मुफ्त बिजली के बदले उपभोक्ताओं को मिल रहे हैं 'स्मार्ट मीटर'

क्या आप जानते हैं भारत देश के किसी भी वाहन मालिक का डाटा जो वाहन विभाग में हैं सुरक्षित नहीं हैं?

संजय बाटला

विषय: तात्कालिक मुद्दा – वाहन एवं चालान डेटा लीक

नई दिल्ली। यह तो साफ और स्पष्ट सिद्ध हो रहा है की वाहन मालिकों का जो भी डाटा परिवहन विभाग में उपस्थित है वह सुरक्षित नहीं हैं फिर आखिर क्यों दिल्ली परिवहन आयुक्त जानबूझ कर सभी वाहन मालिकों को वाहन संबंधी किसी भी गतिविधि को करने के लिए आनलाइन आवेदन करने के लिए बाध्य कर रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया भी यह दिशा निर्देश जारी कर चुका हैं की आधार कार्ड ओटीपी के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता पर दिल्ली परिवहन आयुक्त को तो अपने सिवाय किसी और का दिशा निर्देश मानना मान्य ही नहीं है यह हम आपके सामने कई बार सिद्ध कर चुके है।

आपको बता दें हमने इस मुद्दे पर काफी जांच की जिसमें हमने अपनी टीम के साथ आईटी जानकारी रखने वालों को भी जोड़ा और इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं की परिवहन विभाग में जमा कोई भी डाटा सुरक्षित नहीं हैं। यहां हम आपकी जानकारी हेतु बता देना चाहते है की डाटा आला अधिकारियों के संरक्षण और दिशा निर्देश के बिना चोरी नहीं हो रहा है। इस डाटा को बाहर करने में जो टीम कार्य कर सकती हैं वह है आला अधिकारी, एनआईसी का पदाधिकारी और आईटी शाखा परिवहन विभाग का अधिकारी।

विषय: तात्कालिक मुद्दा - वाहन एवं चालान डेटा लीक

मैं परिवहन विभाग से वाहन और चालान डेटा के संभावित लीक से संबंधित एक चिंताजनक मुद्दे की ओर आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए लिख रहा हूँ। मेरे संज्ञान में आया है कि यह संवेदनशील डेटा टेलीग्राम और विभिन्न मोबाइल

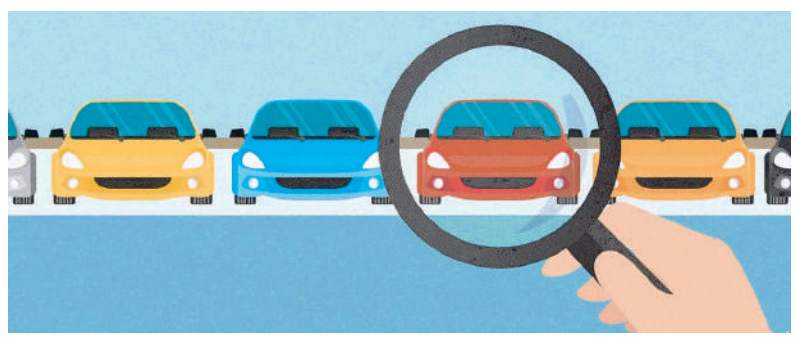

ऐप पर उपलब्ध करा दिया गया है। आगे जांच करने पर पता चला की सरकार का अधिकारिक मोबाइल ऐप mparivahan वाहन से संबंधित प्रश्नों के लिए ओटीपी भेज रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट है की एक ही ओटीपी कई थर्ड पार्टी ऐप से भेजे जा रहे हैं, जो आश्चर्यजनक है और सिद्ध करता है की यह ऐप डेटा लीक में शामिल हैं। नीचे इन ऐप्स के नाम और प्ले स्टोर लिंक दिए गए हैं:

आरटीओ वाहन जानकारी
https://play.google.com/स्टोर/ऐप्स/डिटेल्स?id=com.rto.vehicle.information.vahan.owner.details.dmgapps

कार इन्फॉर्मेशन-
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.cuvora.carinfo

इसके अलावा, टेलीग्राम पर ऐसे कई उदाहरण हैं जहां डेटा को थोक में और वाहन बॉट समर्थन चैटबॉट के माध्यम से प्रति रिकॉर्ड आधार पर बेचा जा रहा है। यह गतिविधि केवल तभी संभव हो सकती है जब परिवहन डेटा पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर कोई व्यक्ति जानकारी लीक कर रहा हो। इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए आपके संदर्भ के लिए टेलीग्राम चैट के स्क्रीनशॉट संलग्न किए हैं जहाँ यह डेटा बेचा जा रहा है। इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, मैं आपसे इस डेटा लीक के स्रोत की जांच करने का आग्रह करता हूं, क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण साइबर सुरक्षा को बड़ा खतरा पैदा कर सकता है और आम नागरिकों को संभावित रूप से नुकसान पहुंचा सकता है।

हमारी जांच में इसके पुख्ता सबूत उपलब्ध हुए है जहां पैसा लेकर वाहन और वाहन मालिकों का सुरक्षित डाटा बाहर दिया जा रहा है जिसे हम कुछ दिनों में ही प्रकाशित कर देंगे।

क्या अमेरिका की बात मानेगा भारत, एक समझौता और बड़ा बाजार; ट्रंप-मोदी की मुलाकात में कैसे निकलेगा हल?

परिवहन विशेष न्यूज

ट्रंप चुनाव जीतने के बाद से ही भारत पर जयादा आयात शुल्क लगाने का आरोप लगाते हुए टैरिफ बढ़ाने की धमकी दे रहे हैं। PM मोदी की आगामी अमेरिकी यात्रा में टैरिफ समेत कई मुद्दों पर चर्चा होगी। भारत और अमेरिका के बीच कितना व्यापार होता है ट्रंप भारत से क्या चाहते हैं और क्या भारत ट्रंप की मांग मानेंगे? ऐसे ही सभी सवालों के जवाब यहां पढ़ें..

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप निर्वाचित होने के बाद से लगातार टैरिफ बढ़ाने की धमकियां दे रहे हैं। इतना ही नहीं, ट्रंप ने भारत, चीन और ब्राजील को सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाले देश करार दे दिया है। ट्रंप का कहना है कि उनका प्रशासन 'अमेरिका फर्स्ट' यानी अमेरिका पहले की नीति पर काम करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फरवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने अमेरिका जा रहे हैं। इस दौरान टैरिफ समेत कई मुद्दों पर बात होगी। लोगों को उम्मीद है कि पीएम मोदी अमेरिकी यात्रा और ट्रंप से मुलाकात के दौरान इस समस्या का समाधान निकाल लेंगे।

भारत और अमेरिका के बीच कितना व्यापार होता है, ट्रंप भारत से क्या चाहते हैं और क्या भारत ट्रंप की मांग मानने को तैयार है? ऐसे ही सभी सवालों के जवाब यहां पढ़ें..

भारत अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2023-2024 में दोनों देशों के बीच व्यापार 118 अरब डॉलर से ज्यादा रहा। इस अवधि में भारत ट्रेड सरप्लस 41 अरब डॉलर का रहा। कंपनियों व उद्योगपतियों को

आशंका है कि अमेरिका कपड़ा और फार्मास्यूटिकल्स जैसे भारतीय निर्यात पर अधिक टैरिफ लगा सकता है। टैरिफ में किसी भी बढ़ोतरी से अमेरिकी बाजार में भारत के निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो सकती है।

ट्रंप के कदम से निर्यात पर पड़ेगा असर?

ट्रंप प्रशासन की ओर से भारतीय निर्यात जैसे- टेक्सटाइल और फार्मास्यूटिकल्स पर अधिक टैरिफ लगाने की आशंका जताई जा रही है। इसकी पीछे का डर यह भी है कि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान एल्यूमीनियम और स्टील भंयकर टैरिफ लगा दिया था।

नतीजन, भारत समेत अन्य देशों ने प्रतिशोधात्मक कार्रवाई करते हुए टैरिफ बढ़ाया, जिसका असर कंपनियों और उद्योगपतियों पर पड़ा था। साल 2018 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान, ट्रंप प्रशासन ने एल्यूमीनियम और स्टील पर उच्च टैरिफ लगाया, जिसके कारण भारत सहित प्रभावित देशों ने जवाबी कार्रवाई की।

अमेरिका संग कितना व्यापार करता है भारत है?

अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो भारत के लिए अमेरिका बहुत बड़ा बाजार है। भारत के कुल निर्यात का करीब 17 प्रतिशत अमेरिका में हो रहा है।

2023-24 में भारत ने सिर्फ अमेरिका में 77.5 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुएं निर्यात कीं, जो अगले तीन बड़े देशों को निर्यात किए गए सामान की कीमत के बराबर है। यह व्यापार 2024-25 में भी जारी है।

भारत के निर्यात की तुलना में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था यानी अमेरिका से आयात बहुत कम होता है, यह 6 प्रतिशत के करीब है। अमेरिका से आयात में पिछले साल की तुलना में 17 फीसदी की गिरावट

दर्ज की है। यानी कि 42.2 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था।

आयात और निर्यात के बीच इस असंतुलन के चलते भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार में अमेरिका का व्यापार घाटा बढ़ गया है, जिससे ट्रंप के टैरिफ खतरों को बढ़ावा मिला है।

भारत और अमेरिका के बीच किसका व्यापार होता है?

अमेरिका से आयात होता है ये सामन
पेट्रोलियम क्रूड और उत्पाद
मोती और कीमती पत्थर
आर्टिफिशियल गहने
पावर प्लांट उपकरण - परमाणु रिएक्टर और बॉयलर
इलेक्ट्रिकल मशीनरी
विमान
चिकित्सा उपकरण
सैन्य उपकरण

अमेरिका को निर्यात किया जाता है ये सामान

पेट्रोलियम उत्पाद
दवाइयों के फॉर्मूलेशन
मोती/कीमती पत्थर
टेलीकॉम उपकरण
इलेक्ट्रिकल मशीनरी
परिधान और कपड़े।

ट्रंप भारत से क्या चाहते हैं?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि भारत अमेरिकी सामानों पर लगाए जा रहे टैरिफ को कम करे। साथ ही अमेरिका से ज्यादा सामान खरीदे। हाल में राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत के बारे में व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से अमेरिका निर्मित रक्षा उपकरणों की खरीद बढ़ाने और निष्पक्ष द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया है।

आपको बता दें कि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में टैरिफ कम करने की मांग करते हुए बार-बार भारत द्वारा हार्ले-डेविडसन मोटरसाइकिलों पर लगाए जा रहे ज्यादा शुल्क का हवाला दिया था। फिर 2019 में भारत ने शुल्क में कटौती करने के साथ ही इस मोटरसाइकिल का निर्माण देश में कराना भी शुरू कर दिया था।

ट्रंप के पहले कार्यकाल पर नजर डाली जाए तो वे टैरिफ करने की मांग करने के दौरान ज्यादा टैरिफ कहां और किस सामान पर लगाया जा रहा है, इसका जिक्र भी करते हैं।

क्या है ट्रंप का विरोध?

अमेरिका में औसत आयात शुल्क 3.3% लगता है। जबकि भारत में यह 18% है। भारत में व्हिस्की और वाइन जैसी कुछ वस्तुओं पर 150% और कारों पर 125% तक आयात शुल्क लगता है। इसके बावजूद भारत विश्व व्यापार संगठन (WTO) के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं का अनुपालन करता है।

क्या भारत टैरिफ कम करेगा?

भारत अमेरिका से आयात होने वाली वस्तुओं पर उतना ही टैरिफ लगाता है, जितना किसी भी अन्य देश से आयात होने वाली वस्तुओं पर लागू होता है। सिर्फ उन देशों को छोड़कर जिनके साथ मुक्त व्यापार समझौता (FTA) हो रखा है। हां अगर अमेरिका और भारत दोनों देशों के बीच एफटीए हुआ होता तो भारत अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ कम करने पर सहमत हो सकता था।

इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रोस्पेरिटी (आईपीईएफ) हस्ताक्षरकर्ता देशों के सामानों पर कर व अन्य मुद्दों पर बातचीत की जा सकती है, लेकिन आईपीईएफ में टैरिफ कटौती शामिल नहीं है।

क्या भारत अमेरिका से ज्यादा सामान खरीद सकता है?

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार ज्यादातर निजी कंपनियों के बीच होता है और इसका निर्धारण व्यावसायिक शर्तों के आधार पर होता है। अमेरिका चाहता है कि भारत उससे अधिक हथियार खरीदे और पेट्रोलियम क्रूड। हालांकि, भारत अमेरिकी तेल कंपनियों से पेट्रोलियम क्रूड तभी अधिक खरीदेगा, जब वे UAE और रूस जैसे देशों से बेहतर सौदे प्रदान करें।

व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति को केवल व्यापार घाटे पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय समग्र आर्थिक संबंधों पर विचार करना चाहिए। ट्रंप को यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिकी टेक कंपनियों, वित्तीय सेवाओं और ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए भारत एक महत्वपूर्ण बाजार है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दो फरवरी को आयोजित होगी हाफ मैराथन, कई मार्गों पर यातायात रहेगा प्रभावित; पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय नौसेना हाफ मैराथन 2023 का आयोजन 2 फरवरी को दिल्ली में होगा। इस आयोजन में लगभग 15 हजार प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है। हाफ मैराथन सुबह 5 बजे जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होगी। इस कारण दिल्ली के कई मार्गों पर यातायात प्रभावित हो सकता है। ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है।

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना स्वस्थ जीवन शैली और फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2 फरवरी को हाफ मैराथन का आयोजन कर रही है। इस हाफ मैराथन में लगभग 15 हजार प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है। यह हाफ मैराथन दो फरवरी की सुबह पांच बजे जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होगी।

इस कारण उस दिन दिल्ली की कई मार्गों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। ऐसे में यातायात पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है और लोगों से अनुरोध किया है कि लोग हाफ मैराथन के आसपास के मार्गों और जंक्शनों से बचें और सुझाए गए मार्गों का इस्तेमाल करें।

इन मार्गों पर आयोजित होगी हाफ मैराथन

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर से शुरू होकर भीष्म पितामह मार्ग, लोधी रोड, अरबिंदो मार्ग से लोधी रोड पर यू टर्न, लोधी रोड से सीधे मथुरा रोड की ओर, मथुरा रोड, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, डा. जाकिर हुसैन मार्ग, सी-हेक्सागन, कर्तव्य पथ, रफी मार्ग, रेल भवन, रफी मार्ग, संसद मार्ग।

संसद मार्ग पर यू टर्न, रफी मार्ग, रेल भवन, रफी मार्ग, कर्तव्य पथ, जनपथ, होटल ली-मेरिडियन के पास जनपथ पर यू टर्न और फिर कर्तव्य पथ की ओर सीधे होते हुए कर्तव्य पथ, इंडिया गेट कैनोपी, सी-हेक्सागन पर वापस, सी-हेक्सागन (रांग साइड), डा. जाकिर हुसैन मार्ग, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, मथुरा रोड, लोधी रोड, भीष्म पितामह मार्ग, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर, स्टेडियम परिसर के बाहर समाप्त हो जाएगी।

10 किमी दौड़ (सुबह 06:30 बजे से)

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर से शुरू होकर, भीष्म पितामह मार्ग, लोधी रोड, अरबिंदो मार्ग से लोधी रोड पर यू टर्न, लोधी रोड से सीधे मथुरा रोड की ओर, मथुरा रोड, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, डा. जाकिर हुसैन मार्ग, सी-हेक्सागन, इंडिया गेट व्यू प्वाइंट से, अमर जवान ज्योति रोड।

सुभाष चंद्र कैनोपी, अमर जवान ज्योति रोड पर वापस, सी-हेक्सागन, डा. जाकिर हुसैन मार्ग, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, मथुरा रोड, लोधी रोड, भीष्म पितामह मार्ग, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम ग्राउंड, स्टेडियम परिसर के बाहर खत्म होगी।

सुबह 4:45 बजे से लेकर 9:00 बजे तक यातायात रहेगा बाधित

हाफ मैराथन के मार्ग पर सुबह 4:45 बजे से लेकर 9:00 बजे तक यातायात बाधित रहेगा। हालांकि, आपातकालीन गाड़ियों के लिए बिना किसी रुकावट के आने जाने की अनुमति रहेगी। मार्ग पर स्थित जंक्शनों पर ट्रैफिक की स्थिति और प्रतिभागियों की संख्या के आधार पर क्रास ट्रैफिक की अनुमति दी जाएगी।

इन मार्गों पर ट्रैफिक रहेगा डायवर्ट

फोर्थ एवेन्यू-भीष्म पितामह मार्ग जंक्शन (सेवा नगर फ्लाईओवर के नीचे)
कोटला रेड लाइट
सेवा नगर रेड लाइट (फोर्थ एवेन्यू पर)
मेहरचंद मार्केट रेड लाइट (फिफ्थ एवेन्यू पर)
सेकंड एवेन्यू
जोर बाग कॉलोनी रोड
अरबिंदो मार्ग-लोधी रोड जंक्शन
राजेश पायलट मार्ग-अमृता शेरगिल मार्ग

जंक्शन
सुब्रमण्यम भारती मार्ग-मॉक्स म्यूलर मार्ग जंक्शन
सुब्रमण्यम भारती मार्ग-महर्षी रमन मार्ग जंक्शन समेत 33 जगहों पर

इन मार्ग का करें इस्तेमाल

उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर

रिंग रोड, आश्रम चौक, सराय काले खां, रिंग रोड, आइ.पी. फ्लाईओवर, रिंग रोड, आइएसबीटी कश्मीरी गेट

पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर

डीएनडी फ्लाईओवर, सन डायल रोड, बाबा बंता सिंह बहादुर मार्ग, एआइआइएमएस चौक, रिंग रोड, धौला कुआं, रिंग रोड, नारायणा फ्लाईओवर

बहेड़ा या बिभीतकी

(Terminalia bellirica) के पेड़ बहुत ऊंचे, फैले हुए और लंबे होते हैं। इसके पेड़ 18 से 30 मीटर तक ऊंचे होते हैं जिसकी छाल लगभग 2 सेंटीमीटर मोटी होती है। इसके पेड़ पहाडों और ऊंची भूमि में अधिक मात्रा में पाये जाते हैं। इसकी छाया स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होती है। इसके पत्ते बरगद के पत्तों के समान होते हैं तथा पेड़ लगभग सभी प्रदेशों में पाये जाते हैं। इसके पत्ते लगभग 10 सेंटीमीटर से लेकर 20 सेंटीमीटर तक लम्बे तथा और 6 सेंटीमीटर से लेकर 9 सेंटीमीटर तक चौडे.होते हैं। इसका फल अण्डे के आकार का गोल और लम्बाई में 3 सेमी तक होता है, जिसे बहेड़ा के नाम से जाना जाता है। इसके अंदर एक मींगी निकलती है, जो मीठी होती है। औषधि के रूप में अधिकतर इसके फल के छिलके का उपयोग किया जाता है।

विभिन्न भाषाओं में नाम

हिन्दी बहेड़ा
संस्कृत विभीतक
अंग्रेजी बेलेरिक मिरोबोलम
मराठी बहेड़ा
गुजराती बहेड़ां
बंगाली बहेड़े
कर्नाटकी तारीकायी
मलयालम तान्नि
तमिल अक्कनडं
तेलगू बल्ला
फारसी वलैले
लैटिन टर्मिनेलिया बेलेरिका
रंग = इसका रंग भूरा पीलापन लिए होता है।
स्वाद =इसका स्वाद मीठा होता है।

स्वरूप =बहेड़े का पेड़ जंगलों और पहाड़ों पर होता है। इसके पत्ते बरगद के पत्तों के समान होते हैं। इसके फूल बहुत ही छोटे-छोटे होते हैं। इसके फल वरना के गुच्छों के फल के समान गुच्छों में लगते हैं। बहेड़े की छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।

स्वभाव = बहेड़ा शीतल होता है।

हानिकारक = बहेड़े फल की मींगी का अधिक मात्रा में उपयोग करने से शरीर में विषैला प्रभाव होता है, जिससे गुदा प्रभावित होता है। इसके अधिक सेवन से नशा भी पैदा होता है। दोषों को दूर करने वाला शहद, बहेड़ा के दोषों को दूर करता है।

तुलना आंवला और काली हरड़ से बहेड़ा की तुलना की जा सकती है।

मात्रा बहेड़ा के सेवन की मात्रा 3 ग्राम से 6 ग्राम तक होनी चाहिए।

गुण बहेड़ा कब्ज को दूर करने वाला होता है। यह मेदा (आमाशय) को शक्तिशाली बनाता है, भूख को बढ़ाता है, वायु रोगों को दस्तों की सहायता से दूर करता है, पित्त के दोषों को भी दूर करता है, सिर दर्द को दूर करता है, बवासीर को खत्म करता है, आंखों व दिमाग को स्वस्थ व शक्तिशाली बनाता है, यह कफ को खत्म करता है तथा बालों की सफेदी को मिटता है। बहेड़ा-कफ तथा पित्त को नाश करता है तथा बालों को सुन्दर बनाता है। यह स्वर भंग (गला बैठना) को ठीक करता है। यह नशा, खून की खराबी और पेट के कीड़ों को नष्ट करता है तथा क्षय रोग (टी.बी) तथा कुष्ठ (कोढ़, सफेद दाग) में भी बहुत लाभदायक होता है।

बहेड़े की मींगी बहेड़े की मींगी प्यास को मिटाती है। यह उल्टी को रोकती है, कफ को शांत करती है तथा वायु दोषों को दूर करती है। यह हल्की, कषैली और नशीली होती है। आंवला की मींगी के गुण भी इसी के समान होता है। इसका सुरमा आंखों के फूले को दूर करता है।

आयुर्वेदिक मतानुसार बहेड़ा रस में मधुर, कषैला, गुण में हल्का, खुश्क, प्रकृति में गर्म, विपाक में मधुर, त्रिदोषनाशक, उत्तेजक, धातुवर्द्धक, पोषक, रक्तस्तम्भक, दर्द को नष्ट करने वाला तथा आंखों के लिए गुणकारी होता है। यह कब्ज, पेट के कीड़े, सांस, खांसी, बवासीर, अपच, गले के रोग, कुष्ठ, स्वर भेद, आमवात, त्वचा के रोग, कामशक्ति की कमी, बालों के रोग, जुकाम तथा हाथ-पैरों की जलन में लाभकारी होती है।

वैज्ञानिक मतानुसार बहेड़ा की रासायनिक संरचना का विश्लेषण करने पर ज्ञात होता कि इसके फल में 17 प्रतिशत टैनिन, 25 प्रतिशत मींगी में हलके पीले रंग का तेल, सैपोनिन और राल पाए जाते हैं।

विभिन्न रोंगों का बहेड़ा से उपचार

1 हाथ-पैर की जलन में बहेड़े की मींगी (बीज) पानी के साथ पीसकर हाथों और पैरों में लगाने से जलन में आराम मिलता है।

2 जलन बहेडे.के गूदे को बारीक पीसकर शरीर पर लेप करने से सभी भी प्रकार की जलन दूर हो जाती है।

3 कफ बहेड़े के पत्ते और उससे दुगुनी चीनी का काढ़ा बनाकर पीने से कफरोग दूर हो जाता है। बहेड़ा की छाल का टुकड़ा मुंह में रखकर चूसते रहने से खांसी मिट जाती है और बलगम आसानी से निकल जाता है। खांसी की गुदगुदी बंद हो जाती है।

4 कामशक्ति बढ़ाने हेतु रोजाना एक बहेड़े का छिलका खाने से कामशक्ति तेज हो जाती है।

5 आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए बहेड़े का छिलका और मिश्री बराबर मात्रा में मिलाकर एक चम्मच सुबह-शाम गर्म पानी से लेने से दो-तीन सप्ताह में आंखों की रोशनी बढ़ जाती है।

6 कब्ज बहेड़े के आधे पके हुए फल को पीस लेते हैं। इसे रोजाना एक-एक चम्मच की मात्रा में थोड़े से पानी से लेने से पेट की कब्ज समाप्त हो जाती है और पेट साफ हो जाता है।

7 श्वास या दमा बहेड़े और धतूरे के पत्ते बराबर मात्रा में लेकर पीस लेते हैं इसे चिलम या हुक्के में भरकर पीने से सांस और दमा के रोग में आराम मिलता है।

१. बहेड़े को थोड़े से घी से चुपड़कर पुटपाक विधि से पकाते हैं। जब वह पक जाए तब मिट्टी आदि हटाकर बहेड़ा को निकाल लें और इसका वक्कल मुंह में रखकर चूसने से खांसी, जुकाम, स्वरभंग (गला बैठना) आदि रोगों में बहुत जल्द आराम मिलता है।

२. केवल बहेड़े का छिलका मुंह में रखने से भी सांस की खांसी दूर हो जाती है।

. 40 ग्राम बहेड़े का छिलका, 2 ग्राम फुलाया हुआ नौसादर और 1 ग्राम सोनागेरू लें। अब बहेड़े के छिलकों को बहुत बारीक पीसकर छान लें और उसमें नौसादर व गेरू भी बहुत बारीक करके मिला देते हैं। इसे सेवन करने से सांस के रोग में बहुत लाभ मिलता है। मात्रा : उपयुर्क्त दवा को 2-3 ग्राम तक शहद के साथ सुबह-शाम सेवन करना चाहिए। इससे दमा रोग ठीक हो जाता है।

४. 250 ग्राम बहेड़े के फल का गूदा लेकर पीसकर छान लें और फिर इसमें 10 ग्राम फूलाया हुआ नौसादर और 5 ग्राम असली सोनागेरू लेकर पीसकर मिला दें। अब इस तैयार सामग्री को 3 ग्राम रोजाना सुबह व शाम को शहद में मिलाकर चाटने से सांस लेने में फायदा मिलता है तथा इससे धीरे-धीरे दमा भी खत्म हो जाता है।

५. बहेड़े के छिलकों का चूर्ण बनाकर बकरी के दूध में पकायें और ठण्डा होने पर शहद के साथ मिलाकर दिन में दो बार रोगी को चटाने से सांस की बीमारी दूर हो जाती है।

8 बालों के रोग 2 चम्मच बहेड़े के फल का चूर्ण लेकर एक कप पानी में रात भर भिगोकर रख देते हैं और सुबह इसे बालों की जड़ पर लगाते हैं। इसके एक घंटे के बाद बालों को धो डालते हैं। इससे बालों का गिरना बंद हो जाता है।

9 अतिसार (दस्त) बहेड़ा के फलों को जलाकर उसकी राख को इकट्ठा कर लेते हैं। इसमें एक चौथाई मात्रा में कालानमक मिलाकर एक चम्मच दिन में दो-तीन बार लेने से अतिसार के रोग में लाभ मिलता है।

१. 2 से 5 ग्राम बहेड़े के पेड़ की छाल और 1-2 लौंग को 1 चम्मच शहद में पीसकर दिन में 3-4 बार रोगी को चटाने से दस्त बंद हो जाते हैं।

२. बहेड़े को भूनकर खाने से पुराने दस्त बंद हो जाते हैं।

10 पेचिश बहेड़ा के छिलके का चूर्ण एक चम्मच शहद के साथ सुबह-शाम नियमित रूप से लेने से पीलिया का रोग दूर हो जाता है।

11 मुंहासे बीजों की गिरी का तेल रोजाना सोते समय मुंहासों पर लगाने से मुंहासे साफ हो जाते हैं और चेहरा साफ हो जाता है।

12 शक्ति बढ़ाने के लिए आंवले के मुरब्बे को रोजाना सुबह-शाम सेवन करने से शरीर मजबूत और शक्तिशाली हो जाता है।

13 बच्चों का मलावरोध (लैट्रिन रुकने) पर बहेडे.का फल पत्थर से पीसकर आधा चम्मच की मात्रा में एक चम्मच दूध के साथ बच्चे को सेवन कराने से पेट साफ हो जाता है।

14 स्वित्र कोढ़ (कुष्ठ रोग) और पेचिश बहेड़े के पेड़ की छाल का काढ़ा स्वित्र कोढ़ और पेचिश को नष्ट करता है।

15 सांस की खांसी एक बहेड़ा लेकर उसके ऊपर घी चुपड़ दें और आटे में बंदकर आग पर रखकर पका लेते हैं। इसके बाद बहेड़ा को निकालकर उसकी छाल को निकाल लेते हैं। यह छाल अकेले ही बहुत ही तेज सांस और खांसी को दूर करती है। थोड़ी-थोड़ी छाल मुंह में डालकर चूसना चाहिए। इसका प्रयोग करते समय खटाई, मिर्च और तेल का परहेज करना चाहिए और मैथुन क्रिया भी नहीं करनी चाहिए।

16 कंठसर्प पर बहेड़े की वृक्ष की छाल को पानी में पीसकर पिलाना चाहिए। पालतू पशुओं को कंठ सर्प होने पर भी यही औषधि देनी चाहिए।

17 पालतू पशुओं के घाव में कीड़े पर जाने पर पशुओं के घाव में कीड़े हो जाने पर बहेड़े की छाल को मोटी रोटी के साथ खिलाना चाहिए।

18 भिलावां के कांटे से उत्पन्न छालेः - बहेड़े के गूदे को घिसकर लगाना चाहिए अथवा बहेडे.के गूदे, मधुयष्टि, नागरमोथा और चंदन का लेप करना चाहिए।

19 बहेड़े का मुरब्बा बहेड़े को बर्तन में डालकर उबाल लें और उसके पानी में शक्कर डालकर गाढ़े मुरब्बे के अनुसार- चाशनी को तैयार कर ले फिर उसमें उबाले हुए बहेड़े तथा छोटी पीपल का चूर्ण डालकर किसी बर्तन में रख देते हैं। ज्यों-ज्यों वह मुरब्बा पुराना होता जाएगा, त्यों-त्यों विशेष गुण दिखलाएगा। इस मुरब्बे से खांसी तुरन्त दूर हो जाती है।

20 मूत्रकृच्छ बहेड़ा की फल की मींगी का चूर्ण 3-4 ग्राम की मात्रा में शहद मिलाकर सुबह-शाम चाटने से मूत्रकृच्छ (पेशाब में जलन) और पथरी में लाभ मिलता है।

सभी सुखी और निरोगी रहे

30 जनवरी: बलिदान दिवस राणा सांगा

(80 घाव लगे थे तन पर, फिर भी व्यथा नही थी मन पर)

महाराणा संग्रामसिंह ऊर्फ राणा सांगा का जन्म 12 अप्रैल 1482 को मेवाड़ के चित्तौड़ में हुआ था। राणा सांगा सिसोदिया राजवंश के सूर्यवंशी शासक थे। यह पहली बार ऐसा था जबकि उन्होंने विदेशी आक्रमणकारियों के खिलाफ सभी राजपूतों को एकजुट कर लिया था। उन्होंने दिल्ली, गुजरात, मालवा के मुगल बादशाहों के आक्रमणों से अपने राज्य कि बहादुरी से रक्षा की थी। महाराणा सांगा ने सिकंदर लोदी के समय ही दिल्ली के कई इलाकों पर अपना अधिकार करना शुरू कर दिया था। सिकंदर लोदी के उत्तराधिकारी इब्राहिम लोदी ने 1517 में मेवाड़ पर आक्रमण कर दिया था। खातोली (कोटा) नामक स्थान पर दोनों पक्षों के बीच युद्ध हुआ जिसमें महाराणा सांगा की विजय हुई। कहते हैं कि इस युद्ध में सांगा का बायां हाथ कट गया था और घुटने पर तीर लगने से वह हमेशा के लिए लंगड़े हो गए थे। खातोली की पराजय का बदला लेने के लिए 1518 में इब्राहिम लोदी ने मियां माखन की अध्यक्षता में महाराणा सांगा के विरुद्ध एक बड़ी सेना भेजी जिसे भी पराजय का सामना करना पड़ा था। इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि राणा सांगा ने बाबर के साथ कोई समझौता किया था। ऐसा कहा जाता है कि बाबर चाहता था कि राणा सांगा इब्राहिम लोदी के खिलाफ युद्ध में मेरा साथ दे, लेकिन राणा सांगा ने दिल्ली और आगरा के अभियान के दौरान बाबर का साथ नहीं दिया था और न ही उन्होंने बाबर को कोई न्योता दिया था। राणा को लगता था कि बाबर भी तैमूर की भांति दिल्ली में लूटपाट करके लौट जाएगा। किंतु 1526 ईस्वी में राणा सांगा ने देखा कि इब्राहीम लोदी को 'पानीपत के युद्ध' में परास्त करने के बाद बाबर दिल्ली में शासन करने लगा है तब राणा ने बाबर से युद्ध करने का निर्णय कर लिया। 1527 में राणा सांगा और मुगल बादशाह बाबर के भयानक युद्ध हुआ। खानवा के मैदान में दोनों सेनाओं के बीच जबरदस्त खूनी मुठभेड़ हुई। बाबर 2 लाख मुगल सैनिक थे और ऐसा कहा जाता है कि राणा सांगा के पास भी बाबर जितनी सेना थी। बस फर्क यह था कि बाबार के पास गोला-बारूद का बड़ा जखीरा था और राणा के पास साहस एवं वीरता। युद्ध में बाबर ने राणा के साथ लड़ रहे लोदी सेनापति को लालच दिया जिसके चलते सांगा को धोखा देकर लोदी और उसकी सेना बाबर से जा मिली। लड़ते हुए राणा सांगा की एक आंख में तीर भी लगा, लेकिन उन्होंने इसकी परवाह नहीं की और युद्ध में डटे रहे। इस युद्ध में उन्हें कुल 80 घाव आए थे। उनकी लड़ाई में दिखी वीरता से बाबर के होश उड़ गए थे। लोदी के गद्दारी करने की वजह से राणा सांगा की सेना शाम होते-होते लड़ाई हार गई थी। कहते हैं कि खानवा के युद्ध में सांगा बेहोश हो गए थे जहां से उनकी सेना उन्हें किसी सुरक्षित जगह ले गई थी। वहां होश में आने के बाद उन्होंने फिर से लड़ने की ठानी और चित्तौड़ नहीं लौटने की कसम खाई। कहते हैं कि यह सुनकर जो सामंत लड़ाई नहीं चाहते थे उन्होंने राणा को जहर दे दिया था जिसके चलते 30 जनवरी 1528 में कालपी में उनकी मृत्यु हो गई।

30जनवरी-जन्मदिवस जयशंकर प्रसाद

जिस समय खड़ी बोली और आधुनिक हिन्दी साहित्य किशोरावस्था में पदार्पण कर रहे थे उस समय जयशंकर प्रसाद का जन्म सन् 1889 ई. (माघ शुक्ल दशमी, संवत् 1946 वि.) वाराणसी, उत्तर प्रदेश में हुआ था। कवि के पितामह शिव रत्न साहु वाराणसी के अत्यन्त प्रतिष्ठित नागरिक थे और एक विशेष प्रकार की सुरती (तम्बाकू) बनाने के कारण 'सुँघनी साहु' के नाम से विख्यात थे। उनकी दानशीलता सर्वविदित थी और उनके यहाँ विद्वानों कलाकारों का समादर होता था। जयशंकर प्रसाद के पिता देवीप्रसाद साहु ने भी अपने पूर्वजों की परम्परा का पालन किया। इस परिवार की गणना वाराणसी के अतिशय समृद्ध घरानों में थी और धन-वैभव का कोई अभाव न था। प्रसाद का कुटुम्ब शिव का उपासक था। माता-पिता ने उनके जन्म के लिए अपने इष्टदेव से बड़ी प्रार्थना की थी। वैद्यनाथ धाम के झारखण्ड से लेकर उज्जयिनी के महाकाल की आराधना के फलस्वरूप पुत्र जन्म स्वीकार कर लेने के कारण शैशव में जयशंकर प्रसाद को 'झारखण्डी' कहकर पुकारा जाता था। वैद्यनाथधाम में ही जयशंकर प्रसाद का नामकरण संस्कार हुआ। जयशंकर प्रसाद की शिक्षा घर पर ही आरम्भ हुई। संस्कृत, हिन्दी, फ़ारसी, उर्दू के लिए शिक्षक नियुक्त थे। इनमें रसमय सिद्ध प्रमुख थे। प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों के लिए दीनबन्धु ब्रह्मचारी शिक्षक थे। कुछ समय के बाद स्थानीय क्वीन्स कॉलेज में प्रसाद का नाम लिख दिया गया, पर यहाँ पर वे आठवीं कक्षा तक ही पढ़ सके। प्रसाद एक अध्यवसायी व्यक्ति थे और नियमित रूप से अध्ययन करते थे। इनके बाल्यकाल में ही इनके पिता जी का देहांत हो गया। किशोरावस्था से पूर्व इनकी माता और बड़े भाई का देहांत हो गया। जिसके कारण 17 वर्ष की उम्र में ही जयशंकर प्रसाद पर अनेक जिम्मेदारियां आ गयी। घर में सहारे के रूप में केवल विधवा भाभी और परिवार से सम्बद्ध अन्य लोगों ने इनकी सम्पत्ति हड़पने का षड्यंत्र रचा, परिणाम स्वरुप इन्होंने विद्यालय की शिक्षा छोड़ दी और घर में ही अंग्रेजी, हिन्दी, बंगला, उर्दू, फारसी, संस्कृत आदि भाषाओं का गहन अध्यन किया। ये साहित्यिक प्रवृति के व्यक्ति थे, शिव के उपासक थे और मांस मदिरा से दूर रहते थे। इन्होंने अपने साहित्य साधना से हिन्दी को अनेक उच्चकोटि के ग्रन्थ-रत्न प्रदान किए। इनके गुरुओं में रसमय सिद्ध की भी चर्चा की जाती है। इन्होंने वेद, इतिहास, पुराण व साहित्य का गहन अध्ययन किया था। सत्रह वर्ष की अवस्था तक इनके माता-पिता एवं ज्येष्ठ भ्राता के देहावसान के कारण गृहस्थी का बोझ आन पड़ा। गृह कलह में साडी समृद्धि जाती रही। इन्ही परिस्थितियों ने प्रसाद के कवि व्यक्तित्व को उभारा। 'कामायनी' जैसे महाकाव्य के रचयिता जयशंकर प्रसाद की रचनाओं में अंतर्द्वंद्व का जो रूप दिखाई पड़ता है वह इनकी लेखनी का मौलिक गुण है। इनके नाटकों तथा कहानियो में भी यह अंतर्द्वंद्व गहन संवेदना के स्तर पर उपस्थित है। इनकी अधिकांश रचनाएँ इतिहास तथा कल्पना के समन्वय पर आधारित हैं तथा प्रत्येक काल के यथार्थ को गहरे स्तर पर संवेदना की भावभूमि पर प्रस्तुत करती हैं। जयशंकर प्रसाद की रचनाओं में शिल्प के स्तर पर भी मौलिकता के दर्शन होते हैं। उनकी रचनाओं में भाषा की संस्कृतनिष्ठता तथा प्रांजलता विशिष्ट गुण हैं। चित्रात्मक वस्तु-विवरण से संपृक्त उनकी रचनाएँ प्रसाद की अनुभूति और चिंतन के दर्शन कराती हैं।

एक महान लेखक के रूप में प्रख्यात जयशंकर प्रसाद के तितली, कंकाल और इरावती जैसे उपन्यास और आकाशदीप, मधुआ और पुरस्कार जैसी कहानियाँ उनके गद्य लेखन की अपूर्व ऊँचाइयाँ हैं। उनकी कहानियां कविता समान रहती है। काव्य साहित्य में कामायनी बेजोड कृति है । । विविध रचनाओं के माध्यम से मानवीय करूणा और भारतीय मनीषा के अनेकानेक गौरवपूर्ण पक्षों का उद्घाटन करने वाले इस महामानव ने ४८ वर्षो के छोटे से जीवन में कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास और आलोचनात्मक निबंध आदि विभिन्न विधाओं में रचनाएं लिख कर हिंदी साहित्य जगत को सवांर सजाया । १४ जनवरी १९ ७ को वाराणसी में निधन, हिंदी साहित्याकास में एक अपूर्णीय क्षति । प्रसाद जी ने अपने नाटकों के माध्यम से भारतीय इतिहास के गौरवपूर्ण चरित्रों को सामने लाते रहे। 'चन्द्रगुप्त' इनका ऐसा ही एक नाटक है। इस नाटक में भी इन्होंने अपने स्वाभावानुसार सुंदर गीतों का समावेश किया है। इन्हीं में से एक गीत 'हिमाद्रि तुंग श्रृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती' में वे बड़े सुंदर और ओजस्वी ढंग से भारत के वीरों का आह्वान करते हैं।

जन्मदिवस सी. सुब्रह्मण्यम

पूरा नाम चिदम्बरम सुब्रह्मण्यम

जन्म 30 जनवरी 1910, जन्म भूमि कोयम्बटूर, मृत्यु 7 नवम्बर, 2000, नागरिकता भारतीय

प्रसिद्धि 'हरित क्रांति' के पिता

विद्यालय प्रेसीडेंसी कॉलेज, मद्रास और मद्रास विश्वविद्यालय

शिक्षा बी.एस.सी और क़ानून की डिग्री (1932), पुरस्कार-उपाधि 'ऊ थांट' शांति पुरस्कार, 'वाइ.एस. चौहान पुरस्कार,' 'भारत रत्न' (1988), विशेष योगदान इनकी बेहतर कृषि नीतियों के कारण ही भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्म-निर्भर बन पाया है। अन्य जानकारी 1946 में सी. सुब्रह्मण्यम संविधान सभा के सदस्य चुने गए और 1952 तक सदस्य रहे। 1952 से 1962 तक अर्थात्दस वर्ष तक वे निरन्तर राज्य सरकार में महत्त्वपूर्ण पदों पर रहे। वे राज्य के वित्तमंत्री, शिक्षामंत्री और विधिमंत्री रहे। चिदम्बरम सुब्रह्मण्यम भारत में ₹हरित क्रांति के पिता₹ कहे जाते हैं। जब भारत को आज़ादी प्राप्त हुई, उस समय देश में खाद्यान्न उत्पादन की स्थिति बड़ी शोचनीय थी। कई स्थानों पर अकाल पड़े। बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा में अनेक लोग भुखमरी के शिकार हुए और काल का ग्रास बन गये। जब सी. सुब्रह्मण्यम को केन्द्र में कृषि मंत्री बनाया गया, तब उन्होंने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएँ क्रियान्वित कीं। उनकी बेहतर कृषि नीतियों के कारण ही 1972 में देश में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन हुआ। सी. सुब्रह्मण्यम की नीतियों और कुशल प्रयासों से ही आज देश खाद्यान्न उत्पादन में पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर हो चुका है।

पुण्यतिथि माखन लाल चतुर्वेदी पूरा नाम माखन लाल चतुर्वेदी, जन्म 4 अप्रैल, 1889 ई. जन्म भूमि बावई, मध्य प्रदेश

मृत्यु 30 जनवरी 1968 ई.

कर्म भूमि भारत, कर्म-क्षेत्र कवि, लेखक, पत्रकार, अध्यापक मुख्य रचनाएँ 'कृष्णार्जुन युद्ध', 'हिमकिरीटिनी', 'साहित्य देवता', 'हिमतरंगिनी', 'माता', 'युगचरण', 'समर्पण', 'वेणु लो गूँजे धरा', 'अमीर इरादे', 'गरीब इरादे' आदि। विषय कविता, नाटक, ग्रंथ, कहानी, भाषा हिन्दी, संस्कृत, पुरस्कार-उपाधि 1949 ई.- साहित्य अकादमी पुरस्कार

प्रसिद्धि स्वतंत्रता सेनानी

नागरिकता भारतीय, माखन लाल चतुर्वेदी सरल भाषा और ओजपूर्ण भावनाओं के अनूठे हिन्दी रचनाकार थे। इन्होंने हिन्दी एवं संस्कृत का अध्ययन किया। ये 'कर्मवीर' राष्ट्रीय दैनिक के संपादक थे। इन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। इनका उपनाम एक भारतीय आत्मा है। राष्ट्रीयता माखन लाल चतुर्वेदी के काव्य का कलेवर है तथा रहस्यात्मक प्रेम उसकी आत्मा है।

उनकी प्रसिद्ध रचना

चाह नहीं मैं सुरबाला के, गहनों में गूँथा जाऊँ चाह नहीं, प्रेमी-माला में, बिंध प्यारी को ललचाऊँ चाह नहीं, सम्राटों के शव, पर हे हरि, डाला जाऊँ

चाह नहीं, देवों के सिर पर, चढ़ू भाग्य पर इठलाऊँ मुझे तोड़ लेना वनमाली, उस पथ पर देना तुम फेंक मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जावें वीर अनेक

चाणक्य के द्वारा बताए गए अपने से बलशाली और नीच मनोवृति के शत्रु से लड़ने (मुकाबले) के व्यावहारिक उपाय !

निर्दयी, बर्बर और आतंकी मनोवृति वाले नीच शत्रु भले ही वह तुम्हारे परिवार का अंतरंग सदस्य ही क्यों ना हो, उससे लड़ने और विजयी होने के लिए तुम्हें उस शत्रु से भी ज्यादा नीच, निर्दयी और बर्बर बनना पड़ेगा !यदि तुम ऐसा कर सकते हो तभी तुम्हारी विजयश्री निश्चित है अन्यथा नहीं और यही एकमात्र रास्ता है उसपर विजय प्राप्त करने का ! महाभारत के महायुद्ध में श्रीकृष्ण की कूटनीति और छलनीति की भूमिका याद करो जिसके कारण ही महाभारत युद्ध में संख्या बल में काफी अधिक होते हुए भी कौरवों की हार और संख्याबल में कम होते हुए भी पांडवों की जीत हुई थी। और यदि तुम ऐसा नहीं कर सकते तो तुम्हारी हार निश्चित है ! अब तुम्हें तय करना है कि तुम क्या चुनते हो जीत या हार। यह कथन अत्याचारी निरंकुश सम्राट नंदवंश के घनानंद के विशाल साम्राज्य को जड़ मूल से विनष्ट कर एक अत्यंत पिछड़ी जाति के परंतु अत्यंत वीर, बलशाली और बुद्धिमान बालक मुरा नामक विधवा शूद्र दासी के पुत्र चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा स्थापित मौर्य साम्राज्य को सुदृढ़ करनेवाले भारत और विश्व के महानतम व्यावहारिक नीतिकार आचार्य चाणक्य, पाटलिपुत्र, मगध, भारत (वर्ष 500 ईसापूर्व) के ₹कौटिल्य (आचार्य चाणक्य का दूसरा नाम) अर्थशास्त्र₹ से लिया गया है और आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कि उसकी रचना के समय था !

अब यही नीति वैदिक आर्य सनातन हिन्दू अपनाते हैं तो वे विजयी होंगे

आयरन की कमी के लक्षण और स्रोत

मानव शरीर के लिये आयरन अत्यंत जरूरी है जिसे लौह तत्व कहा जाता है। आयरन इसलिये जरूरी है क्योंकि यह जीवन के लिये जरूरी ऑक्सीजन को फेफड़ों से शरीर के अन्य अंगों तक पहुँचाती है। शरीर में कभी-कभार रक्त की कमी हो जाती है जिसे चिकित्सीय भाषा में अनीमिया कहते हैं। इतना ही नहीं आयरन हमारी माँसपेशियों में ऑक्सीजन का प्रयोग और उसे शरीर में सहेज कर रखने में भी मदद भी करता है। यह भी जरूरी है कि शरीर के लिये जरूरी आयरन को संतुलित मात्रा में लेना चाहिये। ऐसा इसलिये क्योंकि शरीर में इसकी कमी और अधिकता दोनों ही नुकसान पहँचा सकती है। आयरन महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हेमोग्लोबिन बनाने के लिए ज़रूरी है। आहार से पर्याप्त आयरन न मिलने से एनीमिया हो सकता है। इसे आयरन की कमी वाला एनीमिया कहा जाता है। इसलिये शरीर में आयरन की कमी का पूर्वानुमान व निदान आवश्यक होता है।

आयरन या लौह तत्व की कमी के लक्षण व संकेत

आयरन की कमी के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि व्यक्ति इससे किस हद तक प्रभावित है।

अगर यह कमी गंभीर नहीं है, तो यह कम परेशान करती है, लेकिन शरीर में आयरन की मात्रा अधिक घट जाने से परेशानियाँ बढ़ जाती है जैसे

1. आयरन की कमी की वजह से आंखों के सामने बैठे बैठे अंधेरा छा जाता है और चक्कर आ जाता है।

2. दिनभर बिना काम किये थकान महसूस होती है।

3. 6 से 8 घंटे की नींद पूरी करने के बाद भी अगर आपको थकान का एहसास हो तो समझिये कि आयरन की कमी के संकेत हो सकते हैं।

4. आयरन की कमी सीधे चेहरे पर दिखती है क्यों

कि खून की कमी से त्वचा में पीलापन आ जाता है।

5. जब शरीर में आयरन की कमी हो जाती है तब दिमाग में खून की पूर्ति नहीं हो पाती जिससे हमेशा सिरदर्द होता रहता है।

6. सबसे पहले नाखून पीले दिखने लगेंगे। उसके बाद कमजोर हो कर यह टूटने लगते हैं।

कैसे निपटे इस कमी से ?

शरीर में आयरन की कमी का निदान करने के लिए खून बढ़ाने वाले आहार लेने चाहिये।

1. पौष्टिक आहार खाकर आयरन की कमी से बचा जा सकता है।

2. डॉक्टर से सलाह लेकर आयरन टैबलेट ले सकते हैं।

3. भोजन में आटा, काबुली चना, राजमा, सोयाबीन, मेथी और सरसों का साग, बादाम, सूखे मेवे, मसूर की दाल, पालक, अंगूर, अमरूद, संतरे आदि का सेवन करना चाहिये।

4. अंकुरित दाल का सेवन खून की मात्रा बढ़ाने में सहायक होती है।

गर्भवती महिलाओं के लिए

1. गर्भवती महिलाओं और उसके अजन्मे बच्चे के लिए आयरन एक महत्वपूर्ण खनिज है।

2. आयरन हीमोग्लोबिन का एक घटक है।

3. अगर शरीर में आयरन और हीमोग्लोबिन की कमी हो तो गर्भवती महिलाओं में रक्ताल्पता या एनीमिया होने का खतरा बढ़ जाता है।

व्हीटग्रास जूस ,गेंहू के जवारे पृथ्वी की संजीवनी

व्हीटग्रास जूस अर्थात गेहूँ के जवारे अर्थात गेहूँ के छोटे-छोटे पौधों की हरी-हरी पत्ती, जिसमे है शुद्ध रक्त बनाने की अद्भुत शक्ति. तभी तो इन ज्वारो के रस को "ग्रीन ब्लड" कहा गया है। इसे ग्रीन ब्लड कहने का एक कारण यह भी है कि रासायनिक संरचना पर ध्यानाकर्षण किया जाए तो गेहूँ के ज्वारे के रस और मानव मानव रुधिर दोनों का ही पी.एच. फैक्टर 7.4 ही है, जिसके कारण इसके रस का सेवन करने से इसका रक्त में अभिशोषण शीघ्र हो जाता है, जिस से रक्ताल्पता(एनीमिया) और पीलिया(जांडिस) रोगी के लिए यह ईश्वर प्रदत्त अमृत हो जाता है। गेहूँ के ज्वारे के रस का नियमित सेवन और नाड़ी शोधन प्रणायाम से मानव शारीर के समस्त नाड़ियों का शोधन होकर मनुष्य समस्त प्रकार के रक्तविकारों से मुक्त हो जाता है। गेहूँ के ज्वारे में पर्याप्त मात्रा में क्लोरोफिल पाया जाता है जो तेजी से रक्त बनता है इसीलिए तो इसे प्राकृतिक परमाणु की संज्ञा भी दी गयी है।

आपकी जानकारी के लिए बता दें

1. गेहूँ के पत्तियों के रस में विटामिन बी.सी. और ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

2. Wheat Grass Juice अगर आप भयंकर से भयंकर बीमारी से ग्रस्त हैं, और आपको लगता हैं के ये बीमारिया आपकी जान ले कर ही छोड़ेंगी, और आप दवा ले ले कर थक चुके हो। तो एक बार गेंहू के जवारे का रस WheatGrass Juice को ज़रूर आज़माये।

3. Wheat Grass Juice कैंसर किलर हैं, कैंसर के मरीजों को ये नियमित लेना चाहिए।

4. Wheat Grass Juice मधुमेह के रोगियों के लिए वरदान हैं।

5. Wheat Grass Juice खून की कमी को चमत्कारिक रूप से पूरा करता हैं।

6. Wheat Grass Juice हृदय रोगियों के लिए वरदान हैं।

7. Wheat Grass Juice गर्भिणी महिलाओ के लिए वरदान हैं।

8. Wheat Grass Juice शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकलता हैं।

9. Wheat Grass Juice मोटापे के रोगियों के लिए वरदान हैं।

10. Wheat Grass Juice शरीर की ऊर्जा को बढ़ा देता हैं, खिलाड़ियों के लिए ये वरदान हैं।

11. त्वचा सम्बंधित रोगो में वरदान हैं।

12. Wheat Grass Juice शरीरी की दुर्गन्ध को दूर करता हैं।

13. Wheat Grass Juice बुढ़ापे को रोकता हैं। वीर्य की कमी को पूरा करता हैं।

ऐसे ढेरो गुण समाये हैं Wheat grass Juice में

1. Wheat Grass Juice गेहूँ घास के सेवन से कोष्ठबद्धता, एसिडिटी , गठिया, भगंदर, मधुमेह, बवासीर, खासी, दमा, नेत्ररोग,म्यूकस, उच्चरक्तचाप, वायु विकार इत्यादि में भी अप्रत्याशित लाभ होता है।

2. इसके रस के सेवन से अपार शारीरिक शक्ति कि वृद्धि होती है तथा मूत्राशय कि पथरी के लिए तो यह रामबाण है।

अल्पसंख्यकों की उम्मीदें रंग लाऐगी, तरक्की मुस्कुराऐगी- ईमरान मसूद

सुषमा रानी

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से सांसद ईमरान मसूद ने घोषणा पत्र में अल्पसंख्यकों हेतू योजनाओं के संदर्भ में विस्तारपूर्वक चर्चा करने के लिए दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित किया।

संवाददाता सम्मेलन में सांसद ईमरान मसूद के साथ कांग्रेस प्रवक्ता अभय दूबे, कम्युनिकेशन विभाग के ज्योति सिंह, रश्मि सिंह मिगलानी, आस्मा तस्लीम और डा0 अरुण अग्रवाल भी मौजूद थे।

ईमरान मसूद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सबकी पार्टी है जो देश के नागरिकों के अधिकारो, सुरक्षा, सम्मान और उत्थान के लिए कटिबद्ध है, अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों, हितों और सुरक्षा के लिए कटिबद्ध है। हमारे नेता जन नायक राहुल गांधी अल्पसंख्यकों के अधिकारों, हितों और सुरक्षा के लिए पूरे देश में सड़क से संसद तक लड़ाई लड़ रहे है।

ईमरान मसूद ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस सरकार बनाने पर कांग्रेस कांग्रेस एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक और विकलांग वित्तीय एवं विकास निगम को मजबूत करेंगे, ताकि इनको व्यवसाय शुरु करने के लिए कम दरों पर कर्ज ऋण मिल सके। उर्दू, पंजाबी और भोजपुरी के शिक्षकों के खाली पड़े पदों को प्राथमिकता से भरा जाएगा। पंजाब अकादमी को पुर्नजीवित करेंगे। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में पंजाबी चेयर की स्थापना के लिए वित्तपोषण करेंगे। गुरु तेग बहादुर के नाम पर एक विश्वविद्यालय की स्थापना करेंगे, जिसमें एक संग्रहालय और एक डिजीटल लाइब्रेरी भी होगी। हम जैन वेलफेयर बोर्ड स्थापित करेंगे जैसे राजस्थान में किया था।

इमरान मसूद ने कहा कि दिल्ली के मदरसों का विकास चरणबद्ध तरीके से करेंगे। वक्फ बोर्ड को गठन करके इमाम और मुअजिनों को मिलने वाले भत्तों का समयबद्ध निस्तारण करेंगे। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार कांग्रेस यूपीए सरकार के 15 सूत्री कार्यक्रम पर विशेष तौर पर ध्यान दिया जाएगा।

कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से ही देश में अंतिम पंक्ति में खड़े लोगां, अल्पसंख्यकों और मुस्लिम समुदाय के लोगों की बेहतरी के लिए काम किए है।

9 मार्च 2005 को कांग्रेस की यूपीए सरकार ने मुस्लिम समुदाय के आर्थिक सामाजिक और शैक्षणिक संदर्भों के लिए एक हाई लेवल की सचर कमेटी का गठन किया था। जिसकी 76 सिफारिशों में से 72 को तुरंत स्वीकार करते हुए 43 फैसले लिए गए। जिनके आधार पर 72 सिफारिशों को लागू किया गया। (4 सिफारिशें न्यायालय में लंबित थी) और तुरंत मुस्लिम बाहुल्य 90 जिले चिन्हित किए गए तथा 710 अल्पसंख्यक ब्लाकों तथा 66 अल्पसंख्यक बाहुल्य कस्बों तक सचर कमेटी की सिफारिशों को लागू किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में स्कॉलरशिप और फेलोशिप स्कीम के तहत 3.02 करोड़ बच्चों को स्कॉलरशिप दी जिस पर 5609 करोड़ खर्च, स्कूल कॉलेज को इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार किया। मुस्लिमों की बैंकों तक पहुच, मुस्लिम बहुल्य इलाकों में राष्ट्रीकृत बैंको का खोला जाना। प्रायरिटी सेक्टर लैंडिग- 16.09 प्रतिशत तक बढ़ाया गया। 25.46 करोड़ रुपये 75966 लोगों को लाभ मिला। स्कील डेवलपमेंट- सीखों और कमाओ योजना शुरु की। 118 आईटीआई और 45 पॉलिटेक्नीक कॉलेज अल्पसंख्यक क्षेत्रों में दिए। मुस्लिम बहुल्य क्षेत्रों में आईटीआई/आईटीसीएस में मुस्लिमों के लिए 234203 अतिरिक्त सीटें दी। मल्टी सेक्टरल डेवलमेंट प्लान के तहत 6291.62 करोड़ मुस्लिम क्षेत्रों में दिए। और वक्फ अमेंडमेंट बिल दोनो सदनों से पास कराकर ऐसे कई फैंसले मुस्लिमों के उत्थान के लिए किए।

ईमरान मसूद ने कहा कि दिल्ली में सरकार बनने पर अल्पसंख्यकों के आर्थिक कार्यकलापों और रोजगार में समुचित हिस्सेदारी देने के लिए स्वरोजगार देने की पहल करेंगे। अल्पसंख्यकों के जीवन स्तर की दशा में सुधार लाऐंगे। मसूदे ने भाजपा द्वारा दिल्ली दंगों की बनाई गई फिल्म 2 फरवरी को रिलीज होने पर कांग्रेस द्वारा चुनाव से आपत्ति जताई थी, जिस पर चुनाव आयोग द्वारा कोई संज्ञान नही लेने पर मसूद ने आपत्ति जताई।

ईमरान मसूद ने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी अल्पसंख्यक समुदाय को सिर्फ वोट लेने की वक्त ही याद करती है। इन्होंने अल्पसंख्यकों की स्कॉलरशिप बंद कर दी, बजट घटा रहे है पिछले 11 वर्षों में देश और दिल्ली में अल्पसंख्यक वर्ग की पूरी तरह अनदेखी की गई है। ग्रंथियों को वेतन देने की बात करने वाले इमामों और मुअज्जिनों का वेतन रोक देते है जबकि मुस्लिम और सिक्ख दोनों अल्पसंख्यक है। अरविन्द केजरीवाल पूरी तरह बेनकाब हो चुके है। भाजपा की अल्पसंख्यक वर्ग के प्रति सोच नफरत की रही जिसे पूरा देश जानता और समझता है।

वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने एसपी भारद्वाज को पटका व टोपी पहनाकर ''आप'' की सदस्यता दिलाई

सुषमा रानी

नई दिल्ली, 30 जनवरी दिल्ली विधानसभा चुनाव से चंद रोज पहले गुरुवार को कांग्रेस को बड़ा झटका लगा। कांग्रेस के किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एसपी भारद्वाज आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय पर एसपी भारद्वाज को पटका व टोपी पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान संजय सिंह ने कहा कि एसपी भारद्वाज ने नजफगढ़ से पर्चा दाखिल किया था। उन्होंने आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी तरूण यादव को अपना समर्थन देकर अपना नाम वापस ले लिया है। इनके आने से आम आदमी पार्टी को मजबूती मिलेगी।

संजय सिंह ने कहा कि आज बहुत खुशी का दिन है कि आम आदमी पार्टी में कांग्रेस के किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एसपी भारद्वाज शामिल हो रहे हैं। यह कांग्रेस से पहले भाजपा के कई पदों पर भी रह चुके हैं। इस बार इन्होंने दिल्ली विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए नजफगढ़ से पर्चा भी भरा था लेकिन इन्होंने आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी तरुण यादव के समर्थन में अपना पर्चा वापस ले लिया। एसपी भारद्वाज ने फैसला लिया है कि वह अरविंद केजरीवाल की नीतियों से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी के लिए काम करेंगे और नजफगढ़ और आस पास के इलाकों में पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे। मैं उनका आम आदमी पार्टी में स्वागत करता हूं।

इस दौरान एसपी भारद्वाज ने कहा कि मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं 12 साल बाद अपने परिवार में वापसी कर रहा हूं। अरविंद केजरीवाल जिस तरह से दिल्ली के लोगों की सेवा कर रहे हैं और दिल्ली की तरक्की के लिए काम कर रहे हैं, मैं उससे प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहा हूं। मैं पूरी तत्परता के साथ पार्टी और लोगों की भलाई के लिए काम करूंगा।

हरियाणा के सीएम नायब सैनी पल्ला जाकर एक घूंट पानी नहीं पी सके और दिल्ली के लोगों को यही ज़हरीला पानी पिलाना चाहते हैं- केजरीवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली, 30 जनवरी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा से दिल्ली में आ रहे जहरीले पानी को लेकर भाजपा और कांग्रेस को बड़ी चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि हम हरियाणा से दिल्ली में आ रहे 7 पीपीएम अमोनिया वाले जहरीले पानी की एक-एक बोतल अमित शाह, वीरेंद्र सचदेवा, नायब सिंह सैनी और राहुल गांधी के घर भेज रहे हैं। अगर इनके अंदर हिम्मत है तो यह पानी पीकर दिखाएं, नहीं तो दिल्ली की जनता से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि भाजपा ने यमुना के पानी में मिलावट कर उसको ज़हर बना दिया। इस पर आवाज़ उठाने पर भाजपा और कांग्रेस मेरे ऊपर केस करना चाहती हैं। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी पल्ला जाकर एक घूंट पानी नहीं पी सके और दिल्लीवालों को यही ज़हरीला पानी पिलाना चाहते हैं। इन लोगों को जो करना है, कर लें, लेकिन जब तक मैं जिंदा हूं, दिल्लीवालों को जहरीला पानी नहीं पीने दूं

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर कहा कि दिल्ली में हरियाणा की तरफ से यमुना और उत्तर प्रदेश के जरिए गंगा का पानी आता है। इस पानी को कच्चा पानी कहते हैं। इसके बाद यह पानी वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में जाता है और वहां इस पानी की सफाई होती है। फिर यह पानी दिल्ली के घरों में पीने के लिए भेजा जाता है। हरियाणा से यमुना के जरिए आने वाला पानी कुछ दिनों से जहरीला आ रहा है। इस समय पानी में 7 पीपीएम तक अमोनिया का स्तर पहुंच गया है। 7 पीपीएम अमोनिया सेहत के लिए बहुत खतरनाक है। इससे शरीर के अंगों को बहुत नुसकान पहुंचाता है। यह जानलेना है और इससे किसी की मौत भी हो सकती है। हमने कुछ दिन पहले यह मुद्दा उठाया। क्योंकि हमारे पास और कोई रास्ता नहीं था।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि किछ दिन पहले जब यमुना में अमोनिया का स्तर धीरे-धीरे बढ़ने लगा। तब दिल्ली की सीएम आतिशी ने हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी को फोन किया। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री को कई बार फोन किया और उनसे निवेदन किया कि नदी में अमोनिया का स्तर बहुत बढ़ रहा है इसे कम करवाइए। यह दिल्ली के लोगों के लिए जान का खतरा बन सकता है। यह लोगों के लिए घातक है। अगर अमोनिया का स्तर 1 पीपीएम से ज्यादा हो जाए तो वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट उसे ट्रीट नहीं कर सकता। हमें प्लांट को बंद करना पड़ता है और उस पानी वो वापस डायवर्ट करना पड़ता है। अगर पानी में 1 पीपीएम से ज्यादा अमोनिया हो जाएगा तो हमें धीरे-धीरे सारे वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद करने पड़ेंगे और दिल्ली के अंदर पानी के लिए हाहाकार मच जाएगी। और अगर इस पानी को सीधे जनता के लिए दे दिया तो यह उनके लिए जानलेवा है।

अरविंद केजरीवाल ने बताया कि हरियाणा के सीएम नायब सैनी बार-बार जब भी फोन पर आए। उन्होंने कहा कि वह इसके लिए कुछ करेंगे। लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। उसके बाद उन्होंने सीएम आतिशी के फोन उठाने बंद कर दिए। अब दिल्ली के लोगों के लिए हम क्या करते? इसका मतलब राजनीति चल रही थी। हरियाणा के सीएम ने दिल्ली की सीएम के फोन उठाना क्यों बंद कर दिए? उन्होंने एक तरफ फोन उठाना बंद कर दिया और दूसरी तरफ अमोनिया का स्तर बढ़ते-बढ़ते 7 पीपीएम तक पहुंच गया। जब पानी में अमोनिया का स्तर 7 पीपीएम तक पहुंच गया, तब सीएम आतिशी को सबके सामने आकर इस बात की जानकारी देनी पड़ी कि दिल्ली में जहरीला पानी भेजा जा रहा है। दिल्ली के अंदर यमुना के जरिए अधिक मात्रा वाले अमोनिया का पानी भेजा जा रहा है। वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी का क्लोरीनेशन होता है जिसके तहत पानी के अंदर क्लोरीन मिक्स किया जाता है। अगर अमोनिया और क्लोरीन मिल जाएं तो इससे घातक कुछ नहीं है। अगर यह पानी दिल्ली के घरों में आ जाए तो पता नहीं यहां क्या होगा?

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि हमें इसका समाधान मिले। इसलिए सीएम आतिशी ने कई दिनों तक हरियाणा के सीएम को फोन किया लेकिन उन्होंने कोई समाधान नहीं दिया। मजेदार बात यह है कि जबसे हमने यह मुद्दा उठाया कि पानी में 7 पीपीएम अमोनिया है, उसके बाद से अमोनिया की मात्रा कम होनी शुरु हो गई। आज अमोनिया का स्तर 3 पीपीएम पर आ गया है। इसका मतलब यही लोग सब कर रहे थे। पहले इन्होंने ही उसे ज्यादा किया और अब इन्होंने ही उसे ज्यादा कर दिया। सवाल उठता है कि अचानक शोर करने से इसकी मात्रा कैसे कम हो गई। यह कौन कर रहा था?

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये केस करने की धमकी दे रहे हैं। ये जो मर्जी कर लें। ये दिल्ली के लोगों को जहरीला पानी भेजकर उनकी सेहत और जिंदगी के साथ खिलवाड़ करना चाहते हैं। हाई अमोनिया का पानी छोटे बच्चों में अपरिवर्तनीय क्षति कर सकता है और ये कुछ करने के लिए बजाए हमें धमकी दे रहे हैं कि केजरीवाल को जेल में डाल देंगे। मुझे जेल में डाल दो। अभी-अभी जेल से होकर आ रहा हूं। इन्हें केस करना है तो कर दें। लेकिन मैं जब तक जिंदा हूं, अपने दिल्ली के लोगों को जहरीला पानी नहीं पिलाएंगे। मैं दिल्ली के लोगों के साथ खड़ा हूं। ये मुझे खुलेआम धमकी दे रहे हैं। मैं इनकी धमकियों से डरने वाला नहीं हूं। ये किसी से नोटिस तो किसी से चिट्ठी भिजवा रहे हैं। इन्हें इनकी चिट्ठी और नोटिस इनको मुबारक। इन्हें जो करना हैं कर लें लेकिन दिल्ली के अंदर जहरीला पानी नहीं आने देंगे। इसके लिए जो कुछ भी करना पड़े, हम करेंगे।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बुधवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक नौटंकी की और उसमें खुद ही फंस गए। सच, सच होता है। जब आप सच के रास्ते पर चलते हैं तो ऊपर वाला साथ देता है। बुधवार को ऊपरवाले ने साथ दिया। नायाब सिंह सैनी ने कहा कि मैं पल्ला जाकर सबके सामने पानी पीउंगा। उन्होंने पानी पिया और उसे फेंक दिया। पानी में या तो बहुत ज्यादा बदबू थी या पानी बहुत गंदा था। इन्होंने जिस तरह से पानी फेंका ऐसा लगा कि इन्हें उल्टी आ गई। नायाब सिंह सैनी खुद जिस पानी का एक घूंट नहीं पी सकते हैं, ये दिल्ली की जनता को वही पानी पिलाना चाहते हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस वाले दोनों मिल गए हैं। दोनों मिलकर दिल्ली के लोगों की जान और सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने मीडिया को पानी की बोलते दिखाते हुए कहा कि ये 7 पीपीएम का पानी है और इसमें क्लोरीन मिक्स कर दिया गया है। इस पानी की एक बोतल हम अमित शाह, एक बोतल वीरेंद्र सचदेवा, एक बोतल नायब सिंह सैनी और एक राहुल गांधी को भेज रहे हैं। चारों लोग ये पानी की बोतल प्रेस कॉन्फ्रेंस में पी कर दिखा दें तो हम मान जाएंगे कि हमने गलत बोला था। अगर इनके अंदर हिम्मत है और ये कह रहे हैं कि सच्चाई इनके साथ है तो ये पानी पीकर दिखा दें।

बसपा प्रत्याशी वक़ार चौधरी ने पानी के मुद्दे पर आप व भाजपा की खोली पोल

सुषमा रानी

नई दिल्ली, बहुजन समाज पार्टी को आज एक और मजबूती मिली जब श्री श्याम वेलफेयर ट्रस्ट ने अपने दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूजा राय, सचिन शर्मा, मनोज शर्मा, शिवम शर्मा, महेश यादव सहित कई प्रमुख पदाधिकारी बसपा में शामिल हुए। उन्होंने लक्ष्मी नगर विधान सभा से बसपा प्रत्याशी मोहम्मद वकार चौधरी को अपना संपूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया।

प्रेस वार्ता में ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि आप सरकार जनता को पीने का साफ पानी तक देने में विफल रही है और अब अपनी नाकामी छुपाने के लिए दूसरों पर दोष डाल रही है। भाजपा सरकार भी इस समस्या का समाधान करने में असफल रही, जिससे जनता को गंदे और दूषित पानी के कारण स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

बसपा प्रत्याशी मोहम्मद वकार चौधरी ने ट्रस्ट के समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने कहा कि गंदे पानी की समस्या सिर्फ एक प्रशासनिक असफलता नहीं, बल्कि सरकार की लापरवाही का परिणाम है। अगर वे चुने जाते हैं, तो क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति को अपनी प्राथमिकता बनाकर इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान करेंगे।

उन्होंने जनता से अपील की कि वे झूठे वादों और दिखावटी राजनीति से बचें और बसपा को समर्थन देकर एक न्यायपूर्ण और विकासशील सरकार बनाने में सहयोग करें।

मुझे पता है ये लोग मुझे दो दिन के अंदर जेल में डालेंगे, डाल दें- केजरीवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली। 30 जनवरी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। अरविंद केजरीवाल ने चुनौती देते हुए कहा कि हम चुनाव आयोग को भी 7 पीपीएम अमोनिया वाले पानी की बोतल भेज देंगे। तीनों चुनाव आयुक्त प्रेस कांफ्रेंस कर इस पानी को पीकर दिखा दें, तो हम मान जाएंगे कि हमने गलती की है। मुझे यह भी पता है कि ये लोग मुझे दो दिन के अंदर जेल में डालेंगे, डाल दें। उन्होंने कहा कि सीईसी राजीव कुमार को रिटायरमेंट के बाद नौकरी चाहिए, तभी उन्हें खुलेआम पैसे-चादरें बांट रहे भाजपा नेता नहीं दिख रहे हैं। अगर राजीव कुमार राजनीति करना चाहते है तो दिल्ली की किसी विधानसभा सीट से चुनाव लड़कर दिखाएं।

मीडिया से बातचीत के दौरान ''आप'' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं ईसीआई को पूरे सम्मान के साथ कहना चाहता हूं कि उन्हें दिल्ली के अंदर खुलेआम पैसे और चादर बंटते हुए नहीं दिखाई देते। बुधवार को शाम को भी चादरें बंटी और अभी भी बंट रही है। हमने उन्हें बताया कि पैसे किसके घर में रखे हैं, उन्हें वह भी दिखाई नहीं देता। चुनाव आयोग राजनीति कर रहा है। क्योंकि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को रिटायरमेंट के बाद नौकरी चाहिए। राजीव कुमार 28 फरवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को इतिहास माफ नहीं करेगा। राजीव कुमार ने चुनाव आयोग का जितना कबाड़ा किया है, उतना भारत के इतिहास में कभी नहीं हुआ है। मुझे पता है कि ये मुझे 2 दिन के अंदर जेल में डालेंगे। मुझे जेल के अंदर डाल दें। चुनाव आयोग ने आज जिस तरह की भाषा लिखी है, यह चुनाव आयोग का काम नहीं है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को राजनीति करनी है तो वह दिल्ली की किसी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ लें। दिल्ली के अंदर खुलेआम गुंडागर्दी मची हुई है। खुलेआम पैसे और चादरें बांटी जा रही है। इस देश की जनता ने इस किस्म का चुनाव कभी देखा ही नहीं था। मैं हाई अमोनिया वाले पानी की तीन बोतलें चुनाव आयोग के लिए भी भेज दूंगा। हमारे पास 20 बोलते हैं। कल रात में लैब में बनवाई है। राजीव कुमार समेत तीनों चुनाव आयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह पानी पीकर दिखा दें तो हम मान जाएंगे कि हमने गलती की है।

"आप" के सांसद इनकी आवाज संसद में भी उठाएंगे, ताकि केंद्र सरकार के अधीन आने वाले काम कराए जा सकें- केजरीवाल

सुषमा रानी

नई दिल्ली। 30 जनवरी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सरकारी अफसरों, सांसदों और मंत्रियों के यहां काम करने वाले स्टाफ के लिए 7 गारंटी दी है। उन्होंने कहा कि हम सरकार में आने पर सरकारी स्टाफ के लिए सर्वेंट रजिस्टेशन पोर्टल बनाएंगे, जहां ये नौकरी तलाश सकेंगे। स्टाफ हॉस्टल बनाएंगे ताकि जब कोई अफसर, सांसद या मंत्री आवास छोड़ता है और उनका पूरा स्टाफ सड़क पर आ जाता है तो वह नौकरी मिलने तक हॉस्टल में रह सके। इनके काम के घंटे और सैलरी पर कानून बनाएंगे। दिल्ली सरकार के ईडब्ल्यूएस के मकान और मोबाइल मोहल्ला क्लीनिक उपलब्ध कराए जाएंगे। ऑटो चालकों की तरह इन्हें भी 10 लाख का लाइफ व 5 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस, बेटी की शादी के लिए एक लाख और बच्चों को स्कॉलरशिप देंगे। साथ ही ''आप'' सांसद इनकी आवाज संसद में भी उठाएंगे, ताकि केंद्र सरकार के अधीन आने वाले काम कराए जा सकें।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि सरकारी आवासों में काम करने वाले सर्वेंट की बहुत सारी समस्याएं हैं। किसी भी सरकारी अफसर, एमपी और मंत्री को बंगला दिया जाता है तो उसके साथ सर्वेंट क्वाटर होता है। सर्वेंट क्वार्टर में उन लोगों को रखा जाता है जो सरकारी अफसर, एमपी और मंत्री के घर में काम करते हैं। जाहिर तौर पर उनके घर पर काम करने वाले स्टाफ को तनख्वाह मिलनी चाहिए। लेकिन 70-80 फीसदी स्टाफ को तनख्वाह नहीं दी जाती है। उन्हें सर्वेंट क्वार्टर देकर फ्री में काम करने के लिए कहा जाता है। वह स्टाफ एक तरह से बंधुआ मजदूर बन जाता है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कई अफसरों, एमपी और मंत्रियों ने सर्वेंट क्वार्टर किराए पर चढ़ाए हुए हैं जोकि एक अपराध है और इसके लिए जेल हो सकती है। एक एमपी और ऑफिसर जब ट्रांसफर हो जाता है तो उसके यहां काम करने वाला स्टाफ बेघर हो जाता है। क्योंकि जब तब वह घर किसी और को अलॉट नहीं होता, तब तक उस स्टाफ को निकाल दिया जाता है। जब कोई नया अधिकारी, सांसद या मंत्री वहां आता है, तो जरूरी नहीं है कि वह उनको ही रखे। इससे वह स्टाफ सड़क पर आ जाता है। यह बहुत अस्थाई सी व्यवस्था है। 2-3 साल तक उनके दिमाग यह डर बना रहता है कि आगे उनको रखा जाएगा या नहीं। जब वो सड़क पर आ जाते हैं तो उनके बच्चों का क्या होगा?

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं आज इन लोगों के लिए आम आदमी पार्टी की तरफ से 7 गारंटियां एलान कर रहा हूं। पहला, सर्वेंट रजिस्ट्रेशन पोर्टल बनाएंगे। इसमें जो लोग अपनी सर्विसेज उपलब्ध कराना चाहते हैं, वह अपने आप को रजिस्टर कर सकते हैं। साथ ही, सरकारी आवास में ऑफिसर या मंत्री को नया स्टाफ चाहिए तो वे भी अपने आप को इस पोर्टल पर रजिस्टर कर सकते हैं। इससे जो स्टाफ काम ढूंढ रहा है और जिन्हें स्टाफ की जरूरत है, वे इस पोर्टल के जरिए एक-दूसरे से संपर्क कर सकते हैं। इससे बहुत सारे लोगों की समस्याएं दूर हो सकती हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कि हमने जैसे एक श्रमिक कार्ड बनाया है, वैसे ही एक सरकारी पर्सनल स्टाफ कार्ड बनाया जाएगा। श्रमिक कार्ड के ऊपर कई योजनाओं की सुविधाएं मिलती हैं वैसे ही सरकारी पर्सनल स्टाफ को भी सारी सुविधाएं दी जाएंगी। एक सर्वेंट हॉस्टल बनाया जाएगा। किसी व्यक्ति को अगर निकाल दिया जाता है या उनके ऑफिसर और मंत्री का ट्रांसफर हो जाता है तो स्टाफ सड़क पर आ जाता है। ऐसे में कुछ साल के लिए वे अस्थायी तौर पर उस होस्टल में रह सकते हैं, जब तक उन्हें नौकरी नहीं मिल जाती है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार के ईडब्ल्यूएस मकान हैं, जो सस्ते और आसान किस्तों पर दिए जाते हैं। यह मकान सर्वेंट या स्टाफ को भी मुहैया कराएं जाएंगे ताकि उन्हें इसका फायदा मिल सके। पर्सनल स्टाफ के स्वास्थ्य के लिए मोबाइल मोहल्ला क्लीनिक लगाए जाएंगे। इनके काम के घंटे, तनख्वाह और वर्किंग कंडीशन पर नियम कानून कायदे बनाए जाएंगे। हमने अभी ऑटो चालक, ई रिक्शा, टैक्सी ड्राइवरों के लिए 10 लाख रुपए लाइफ इंश्योरेंस, 5 लाख रुपए का हेल्थ इंश्योरेंस, उनकी बेटी की शादी के लिए 1-1 लाख रुपए की सहायता राशि और बच्चों की पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप की सुविधाओं का ऐलान किया था। ये चारों सुविधाएं सरकारी सर्वेंट को भी दी जाएंगी।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि "आप" सांसद संजय सिंह और राघव चड्ढा बड़े पुरजोर तरीके से इनकी आवाज को संसद के अंदर भी उठाएंगे और इस बारे में केंद्र सरकार से भी बात करेंगे। क्योंकि ये लोग अधिकतक केंद्र सरकार के दायरे में आने वाले अफसरों और मंत्रियों के यहां काम करते हैं। हमने जितने भी एलान किए हैं ये दिल्ली सरकार के अंडर आते हैं, ये काम हम करा देंगे। जो काम केंद्र सरकार के अंडर आते हैं, उनके लिए हम केंद्र सरकार के सामने इनके मुद्दे उठाएंगे।

इस दौरान "आप" सांसद संजय सिंह ने कहा कि ऑल पार्टी मीटिंग में इन लोगों का मुद्दा उठा था लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। संसद का सत्र शुरू हो रहा है, वहां "आप" का हर सांसद मजबूती के साथ इनके मुद्दे को उठाएगा। मैं पूरी तरह से अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की तरफ से आश्वस्त करता हूं।

"आप" सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि 31 जनवरी से भारत की संसद का सत्र शुरू होने जा रहा है। आम आदमी पार्टी के हर सांसद सर्वेंट के मुद्दे बुलंद तरीके से सदन में रखेंगे, सरकार के कानों तक पहुंचाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि इन पर जल्द से जल्द सकारात्मक कार्रवाई हो।

इस दौरान सरकारी स्टाफ यूनियन के पदाधिकारी जगमोहन ने कहा कि केवल अरविंद केजरीवाल हैं जिन्होंने हमारे बारे में इतना सोचा। इन्होंने हमारी समस्याएं सुनीं, इसके लिए मैं इनका बहुत आभारी हूं।

UPSIDA CEO के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, उपभोक्ता आयोग ने कानपुर पुलिस कमिश्नर को दिए आदेश

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मयूर माहेश्वरी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। जिला उपभोक्ता आयोग ने यह आदेश उपभोक्ता आयोग के आदेश का क्रियान्वयन न होने पर जारी किया है। मामले में अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी। लेख के माध्यम से जानिए क्या है पूरा मामला।

ग्रेटर नोएडा। UPSIDA News: जिला उपभोक्ता आयोग ने उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मयूर माहेश्वरी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। उपभोक्ता आयोग के आदेश का क्रियान्वयन न होने पर सीईओ के खिलाफ यह आदेश जारी हुआ है। इस मामले में अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी।

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (पूर्व में यूपीएसआईडीसी) ने दिल्ली की पुष्पा आडवाणी को 2001 में साइट सी में औद्योगिक भूखंड संख्या 77 आवंटित किया था। शिकायतकर्ता के अधिवक्ता प्रवेश नागर ने बताया कि समय से किस्तों का भुगतान न करने व अन्य कारण से उनका भूखंड का आवंटन रद कर दिया गया था। इसके खिलाफ आवंटी ने जिला उपभोक्ता फोरम में अपील की।

प्राधिकरण पर 12 हजार रुपये का लगाया जुर्माना

जिला उपभोक्ता फोरम ने 22 अक्टूबर 2003 में आवंटी के पक्ष में फैसला देते हुए यूपीसीडा को बिना किसी शुल्क लिए रद भूखंड को पुनर्स्थापित करने का आदेश दिया। इसके साथ प्राधिकरण पर 12 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। यूपीसीडा ने राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में जिला उपभोक्ता फोरम के आदेश को चुनौती दी।

तीन जुलाई 2019 में राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने जिला उपभोक्ता फोरम के आदेश को बरकरार रखा। इसके खिलाफ यूपीसीडा ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में अपील की।

भूखंड पुनर्स्थापित करने और जुर्माना जमा कराने के दिए आदेश

यहां से भी यूपीसीडा को निराशा मिली। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने अगस्त 2023 में जिला उपभोक्ता फोरम के आदेश को बरकरार रखते हुए एक माह में भूखंड पुनर्स्थापित करने और 12 हजार रुपये जुर्माना जमा कराने के आदेश दिए, लेकिन इस आदेश का क्रियान्वयन नहीं हुआ। शिकायतकर्ता ने जिला उपभोक्ता आयोग में जनवरी 2024 में अपील की।

इसकी सुनवाई करते हुए आयोग ने कानपुर पुलिस कमिश्नर (Kanpur Police Commissioner) को सीईओ को आयोग के सामने पेश करने का आदेश दिया है। सीईओ को जमानत के लिए पचास हजार रुपये का निजी तौर पर बेल बांड भरने का भी आदेश देते हुए अगली सुनवाई 28 फरवरी से पहले आयोग के सामने पेश होने को निर्देशित किया है।

बाल-बाल बची 36 लोगों की जान, महाकुंभ जा रही बस का एक्सल टूटा; बड़ा हादसा टला

यमुना एक्सप्रेसवे पर प्रयागराज कुंभ स्नान के लिए जा रही श्रद्धालुओं से भरी बस का एक्सल टूट गया। हादसा रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में हुआ। बस में सवार सभी 36 श्रद्धालु गुजरात से प्रयागराज जा रहे थे। एक्सल टूटने के बाद बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर को तोड़ते हुए एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में एक युवक मामूली रूप से घायल हुआ है।

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते महाकुंभ स्नान करने प्रयागराज जा रहे श्रद्धालुओं से भरी बस का बृहस्पतिवार दोपहर को अचानक एक्सल टूट गया। हादसा परी चौक के जीरो प्वाइंट से 26 किलोमीटर की दूरी पर रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में हुआ।

जिस समय हादसा हुआ बस में 36 लोग सवार थे। बस में सवार सभी श्रद्धालु एक्सप्रेसवे के रास्ते गुजरात से प्रयागराज जा रहे थे। एक्सल टूटने के बाद बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर को तोड़ते हुए एक पेड़ से जा टकराई।

हादसे में एक युवक मितुल मामूली रूप से चोटिल हुआ है। सूचना पर एसीपी-चार सार्थक सेंगर व कोतवाली प्रभारी सुजीत उपाध्याय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। यात्रियों को जलपान कराने के बाद दूसरी बस की व्यवस्था कर गंतव्य को रवाना किया गया।

हो सकता था बड़ा हादसा

जिस समय हादसा हुआ पीछे से कोई वाहन नहीं आ रहा था अन्यथा बड़ा हादसा घटित हो सकता था। एक्सल टूटने के बाद बस चालक ने तत्परता दिखाते हुए बस को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन बस का संतुलन बिगड़ गया और बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर को तोड़ते हुए एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है।

पुलिस की माने तो बस की रफ्तार 50-60 के करीब थी। यह भी गनीमत रही कि जिस समय हादसा हुआ हुआ पीछे से कोई वाहन नहीं आ रहा था अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

गुजरात से प्रयागराज जा रही थी बस

बस में सवार श्रद्धालुओं में पुरुषों के साथ महिला श्रद्धालु भी शामिल थी। जिस समय हादसा हुआ महिला श्रद्धालु भजन कीर्तन कर रही थी। पुरुष श्रद्धालु भी भजनों में लीन थे। बस का एक्सल टूटते ही श्रद्धालुओं में चीखपुकार मच गई। रबूपुरा कोतवाली प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि बस में सवार सभी श्रद्धालु गुजरात से एक्सप्रेसवे के रास्ते प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने जा रहे थे।

बस में 36 श्रद्धालु सवार थे। सभी सुरक्षित है। एक युवक हादसे के बाद थोड़ा घबरा गया था। उसे चिकित्सा उपलब्ध करवाई गई। पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं को भोजन, फल और पानी का वितरण किया। पुलिस ने घायल व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध करवाई। दुर्घटनाग्रस्त बस के यात्रियों को दूसरी बस से गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया है।

90 दिनों के भीतर करा लें ये काम, नहीं तो ट्रैफिक पुलिस धड़ाधड़ करेगी गाड़ी जब्त

गुरुग्राम। कई बार देखा गया है कि वाहन चालक चालान कटने के महीनों बाद भी जुर्माने की राशि नहीं भरते। एक-एक वाहन पर कई-कई चालान हो जाते हैं। इसको देखते हुए डीसीपी ट्रैफिक ने निर्देश जारी किए हैं कि वाहन चालक चालान का जुर्माना 90 दिनों के भीतर अदा कर दें। नहीं देने पर 90 दिनों बाद वाहन दिखने पर उसे रोक लिया जाएगा।

यातायात जोनल अधिकारियों को मिले दिशा-निर्देश

पुलिस उपायुक्त यातायात विरेंद्र विज ने यातायात (Gurugram Traffic Police) में तैनात सभी यातायात निरीक्षकों, यातायात जोनल अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि सभी अपने-अपने क्षेत्राधिकार में लोगों को जागरूकता अभियानों के साथ-साथ इस बारे भी जागरूक करें।

पुलिस उपायुक्त यातायात विरेंद्र विज

जिन भी वाहन चालकों के नियमों की अवहेलना करने पर चालान किए गए हैं, उन चालानों का भुगतान 90 दिनों के अंदर अंदर करना जरूरी है। ऐसा न करने वाले वाहन चालकों के दोबारा वाहन चेकिंग के दौरान यदि 90 दिनों की समय अवधि के बाद भी चालान का भुगतान बकाया मिलता है तो उस वाहन को मोटर व्हीकल एक्ट के तहत रोक लिया जाएगा।

बिजली विभाग की विजिलेंस टीम के नाम पर दस हजार रुपये ठगे

वहीं पर एक दूसरे मामले में साइबर ठगों ने अपने आप को बिजली विभाग की विजिलेंस टीम का सब इंस्पेक्टर बताकर अवैध बिजली कनेक्शन की धमकी देकर गुरुग्राम के एक व्यक्ति से 10 हजार रुपये की ठगी कर ली। रुपये ट्रांसफर होने के बाद धोखाधड़ी का पता चलने पर पीड़ित ने साइबर थाना साउथ में केस दर्ज कराया। सेक्टर 67 वर्धमान सोसायटी निवासी सौरभ सिंह ने मामले की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि बीते दिनों उनके पिता रमेश कुमार के पास अंजान नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से बिजली विभाग से बोल रहा है।

उनके नाम से अवैध कनेक्शन चल रहा है। इसलिए उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। कार्रवाई से बचने के लिए आरोपितों ने दस हजार रुपये की डिमांड की। डर के कारण रमेश कुमार ने रुपये ट्रांसफर कर दिए। थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उद्योगों के विकास को बढ़ावा देने वाला लगेगा व्यापार मेला, इस दिन 80 से ज्यादा देश होंगे शामिल

भारत एक्सपो का निर्माण करें 2025
बिल्ड भारत एक्सपो 2025 में ग्रीन एनर्जी बिल्डिंग एंड कंस्ट्रक्शन मेटेरियल इलेक्ट्रिक एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एग्रो एंड फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री के उद्यमी अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। यह एक्सपो 19 से 21 मार्च तक दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होगा। इसमें देश-विदेश के 80 देशों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। लेख के माध्यम से पढ़िए पूरी खबर।

गाजियाबाद। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आइआइए) दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में बिल्ड भारत एक्सपो का मार्च माह में आयोजन करेगा।

इसमें ग्रीन एंड क्लीन एनर्जी, बिल्डिंग एंड कंस्ट्रक्शन मेटेरियल, इलेक्ट्रिक एंड इलेक्ट्रानिक्स, एग्रो एंड फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री के उद्यमी स्टॉल पर अपने उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे, जिसमें देश व प्रदेश के अलावा करीब 80 देश के प्रतिनिधियों को एक्सपो के लिए बुलावा भेजा गया है।

बिल्ड भारत एक्सपो 2025 को भारत मंडपम दिल्ली में होगा आयोजित

पत्रकारों से वार्ता करते हुए आइआइए के मंडलीय चेयरमैन राकेश अनेजा ने बताया कि अभी तक आइआइए की ओर से लखनऊ में उत्पादों को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया जाता रहा, लेकिन इस बार आइआइए चार श्रेणी के उत्पादों को बिल्ड भारत एक्सपो 2025 को भारत मंडपम दिल्ली में आयोजित कर रहा है।

देश-विदेश में मिलेगी नई पहचान

उन्होंने बताया बिल्ड भारत एक्सपो 19 से 21 मार्च 2025 तक चलेगा, जो उत्तर प्रदेश ओडीओपी और एमएसएमई मंत्रालय भारत सरकार और एक्सपोर्ट काउंसिल की ओर से प्रमाणित है। इसमें गाजियाबाद के 50 और देश भर के 400 से अधिक उद्यमी चार श्रेणियों में अपने उत्पादों को देश दुनिया सामने प्रदर्शित करेंगे।

उन्होंने बताया कि इसके लिए उद्यमियों में उत्साह है, जिससे उनके उत्पादों को देश-विदेश में नई पहचान मिलेगी। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव जेपी कौशिक, गाजियाबाद चेप्टर चेयरमैन संजय अग्रवाल, मनोज कुमार, प्रदीप गुप्ता, एसके शर्मा, संजय गर्ग और उमेश अग्रवाल उपस्थित रहे।

स्टॉल पर 75 प्रतिशत व माल की आवाजाही पर 25 हजार सब्सिडी

उद्यमियों के लिए भारत सरकार की ओर से बिल्ड भारत एक्सपो में प्रतिभाग करने के लिए छूट दी गई है, जिसमें स्टाल के लिए 75 प्रतिशत की सब्सिडी और एक्सपो में माल की आवाजाही खर्च के लिए जमा किए गए रुपयों में से 25 हजार रुपये वापस दिए जाएंगे।

भ्रष्टाचारी लाख करे चतुराई, कर्म का लेख मिटे ना रे भाई

सर्विस टाइम में किया भ्रष्टाचार, रिटायरमेंट बाद जिंदगी लाचार
भ्रष्टाचारी कमाई का बीज़ शरीर में फलकर वर्तमान और रिटायरमेंट के बाद,ब्याज सहित वसूली करके ही जीव को छोड़ता है
–एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वर्ष 1957 में प्रदर्शित फिल्म चंडीपूजा का रामचंद्र नारायणजी द्विवेदी उर्फ कवि प्रदीप द्वारा लिखा गीत, कोई लाख करे चतुराई कर्म का लेख मिटे ना रे भाई, जरा समझो इसकी सच्चाई रे, कर्म का लेख मिटे ना रे भाई यह गीत आज हर शासकीय कर्मचारी, युवा वर्ग और भ्रष्टाचार रूपी मीठी मिठाई खाने वालों को जरूर सुनना चाहिए, क्योंकि भ्रष्टाचार एक ऐसा बीज़ है, जो हमेशा उसे बोने के लिए ललचाता है, खुद हर किसी के शरीर में जाकर पनपने को लालायित रहता है ताकि अपनी जड़ें जमा कर अपने शिकार को वर्तमान सहित उसके रिटायरमेंट के बाद अधिक सुविधा और शुद्धता से अपना निवाला बना सके !उसकी जिंदगी नर्क करे। परंतु हम मनीषजीव उसकी इस चाल को समझ नहीं पाते और आधुनिक सुख- सुविधाओं, अपने क्षमताओं से अधिक सुख भोगने, समाज में दिखावा करके, एंजॉयमेंट रसों लोगों का स्वाद चखने, अपनीं अपनीं जिंदगी जरूरत से अधिक सुगम बनाने के लिए भ्रष्टाचार रूपी खतरनाक बीज के झांसे में आकर उसे अपनाते है अपने शरीर में उससे खरीदी वस्तुओं का उपभोग कर अपने खून में उसे घोलतें है, जिससे उस बीज को शरीर में फलने फूलने का आश्रय और विकास करने की क्षमता प्रदान करतें है, जिसका भुगतान भ्रष्टाचारी को ख़ुद और अपने परिवार सहित अपने कुल को चक्रवर्ती ब्याज सहित भुगतान करना पड़ता है,जिसे हम सब अपने आसपास और समाज में देखते भी हैं कि किस तरह ऐसे लोग हमेशा विवादों में तकलीफों में बीमारियों के घेरे में रहते हैं, उनके परिवार हमेशा विपत्तियों के घेरे में रहते हैं और उम्र के अंतिम पड़ाव में नोटों के पहाड़ डहने लगते हैं जिसका उदाहरण हम तीन दिन पूर्व ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को जानकारी दी कि उसने मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के सेवानिवृत्त कांस्टेबल सौरभ शर्मा और अन्य से जुड़े बैंक खातों में 30 लाख रुपये की शेष राशि को फ्रीज कर दिया है। इसके अलावा, एजेंसी ने 12 लाख रुपये की अघोषित नकदी, 9.9 किलोग्राम चांदी (जिसकी कीमत लगभग 9.17 लाख रुपये है), डिजिटल उपकरण और संपत्ति से जुड़े दस्तावेज भी जब्त किए हैं। पिछले कुछ दिनों में ईडी सीबीआई और अन्य एजेंसियों के रेड में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में देख सुन रहे हैं करीब- करीब रोज टीवी चैनलों पर चमकती हुई नोटों की हरी गुलाबी गडियां दिखाई जाती है जिन्हें गिनने मशीनें भी कम पड़ जाती है। इसलिए बड़े बुजुर्गों की कहावत सही है जब संभलो सवेरा तभी शुरू होता है, सुबह का भूला शाम को लौटे तो भुला नहीं कहते इसलिए कवि प्रदीप का उपरोक्त गीत सुनकर समझने की कोशिश करें,ऐसा मेरा मानना है,इसके साथ ही मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मेरा उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचानां नहीं है अपितु भ्रष्टाचार रूपी असुर दानव को भारत माता की गोद से कोसों दूर भगाना है जो दीमक की तरह देश को चट कर रहा है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार निवारण में समाज की भूमिका की करें तो, समाज ही सभी अच्छाईयों व बुराईओं का स्त्रोत व उत्तरदायी हैं। समाज द्वारा चुने लोग ही सरकार में भेजे जाते हैं। हमारे समाज के लोग ही सरकारी नौकरियों व पदों पर रखे जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि समाज के अन्दर ही भ्रष्टाचार का बीज विद्यमान हैं। हमें अपने समाज में सुधार करने की आवश्यकता हैं। इसके लिए आवश्यक हैं कि हमे ऐसे लोगो को प्रमुख जिम्मेदारी देनी चाहिए जो विद्वान, योग्य हो और समाज हित व देश हित की मंशा रखते हैं। हमें सबसे पहले शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को शुरू से ही अच्छे कार्य करने की शिक्षा देनी चाहिए। उन्हे गलत कार्यों व लालच से दूर रहने की सलाह देनी चाहिए। यह जिम्मेदारी प्रत्येक माता पिता, बुजुर्ग, शिक्षक व अन्य सभी प्रमुख व्यक्तियों की है कि, वे भ्रष्टाचार मुक्त समाज व राष्ट्र का निर्माण करने में सहायक बने और दूसरों को भ्रष्टाचार करने से रोकें व उन्हें शिक्षित करें। साथियों बात अगर हम केंद्र सरकार को मिलने वाली भ्रष्टाचार की शिकायतों की प्रक्रिया की करें तो, शिकायतें केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के जरिये मिलती है, जो एक ऑनलाइन पोर्टल है, जो नागरिकों को सरकारी विभागों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की सुविधा देता है।प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा विकसित और निगरानी रखी जाने वाली केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली हर दिन 24 घंटे उपलब्ध एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म है जो केंद्र और राज्यों के सभी मंत्रालयों और विभागों के साथ जुड़ा हुआ है।लोग वेब पोर्टल गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध मोबाइल एप या उमंग एप के द्वारा शिकायत दर्ज कर सकते हैं। प्रत्येकशिकायत पर विशिष्ट पंजीकरण आईडी मिलती है जिससे उपयोगकर्ता अपनी शिकायत निवारण प्रगति का पता कर सकते हैं। इसके अलावा 'माई ग्रीवांस' एप शिकायत दर्ज करने और इसकी प्रगति की जांच के लिए एक स्वतंत्र प्लेटफ़ॉर्म के तौर पर भी काम करता है। यदि कोई व्यक्ति शिकायत समाधान से असंतुष्ट है, तो वह शिकायत निपटान बंद होने के बाद फिर से अपील दायर कर सकता है। यदि प्रतिपुष्टि खराब की श्रेणी में चिह्नित कियाजाए,तो अपील का विकल्प सक्रिय हो जाता है। शिकायत पंजीकरण संख्या के उपयोग से अपील की स्थिति की जानकारी मिल सकती है। इसके अलावा शिकायत निवारण की समय सीमा 30 दिन सेघटाकर 21 दिन कर दी गई है।

साथियों बात अगर हम प्रभावी शिकायत निवारण के लिए दिशानिर्देशों की करें तो, केंद्रीयकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) अब 92 केंद्रीय मंत्रालयों विभागों और संगठनों को 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़ी है जो 73, हज़ार से अधिक सक्रिय अधीनस्थ उपयोगकर्ताओं द्वारा एक सुगम शिकायत निपटान मंच प्रदान करती है।इसके साथ 96,295 संगठनों के पंजीकृत होने से नागरिक जुड़ाव और सेवा वितरण में उल्लेखनीय सुधार हुआ है वर्ष 2022 से 2024 तक, इस प्रणाली से 70,03,533 शिकायतों का समाधान किया गया और 31अक्टूबर 2024 तक 1,03,183 शिकायत निवारण अधिकारियों का डेटा या सूचना दृश्य प्रतिनिधित्व दर्शाया दिसंबर 2024 में चौथें सुशासन सप्ताह और प्रशासन गांव की ओर अभियान शिकायत निवारण में उत्प्रेरक रहा जिसका उद्देश्य पूरे देश में सार्वजनिक शिकायतों को सुलझाना और सेवा प्रदान व्यवस्था में सुधार लाना था। प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग शिकायत निवारण में सुधार के लिए उन्नत नेक्स्टजेन सीपीजी आरएएमएस प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है।सातवें सीपीजी आरएएम एस पर आधारित यह प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप/चैटबॉट वॉयस-टू-टेक्स्ट लॉगिंग, तत्काल अलर्ट और ऑटो- एस्केलेशन जैसी सुविधाओं से युक्त है। शिकायत निवारण

अधिकारियों को मशीन लर्निंग- आधारित ऑटो-रिप्लाई और ऑटो- पॉपुलेटेड रिपोर्ट से लाभ होगा। शिकायतों को सुलझाने पर नजर रखने वाले निकाय समूह, क्षेत्र और मंत्रालय वार शिकायतों पर नजर रख सकते हैं। नेक्स्टजेन सीपीजीआरएएमएस 1 जुलाई 2025 से आरंभ होने वाला है जिससे शिकायत समाधान प्रक्रिया और बेहतर बन जाएगी।केंद्रीकृत लोक शिकायतनिवारण और निगरानी प्रणाली सरकार द्वारा नागरिकों के मुद्दों के बेहतर समाधान का महत्वपूर्ण साधन बन गया है। शिकायत प्रक्रिया सरल बनाने और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने से इसने लोगों और जनता के बीच संबंध सुदृढ़ बनाया है। सेवा प्रदान करने में अहम सुधार और इसकी प्रभावशीलता से वैश्विक मान्यता के साथ सीपीजीआर एएमएस भारत को अधिक उत्तरदायी और जन-केंद्रित सरकार की दिशा बढ़ने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

साथियों बात अगर हम सरकार के पारदर्शिता, दक्षता और उत्तरदायित्व के साथ शिकायत निवारण व्यवस्था में सुधार के स्पष्ट दिशा-निर्देशों की करें तो ये दिशा-निर्देश शिकायतों का त्वरित और निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करते है। वर्ष 2024 के नीति दिशानिर्देश, शिकायतों को प्रभावी ढंग से सुलझाने की सरकार की प्रतिबद्धता के साथ ही 10 चरण की सुधार प्रक्रिया द्वारा किए गए सुधारों को प्रदर्शित करते हैं।एकीकृत प्लेटफॉर्मःसीपीजीआरएएमएस शिकायत दर्ज करने के लिए केंद्रीय प्लेटफॉर्म है जो उपयोग में काफी सुगम है।नोडल अधिकारीः प्रत्येक मंत्रालय/विभाग ने समयबद्ध और प्रभावी शिकायत समाधान के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। नोडल अधिकारी शिकायतों का वर्गीकरण, लंबित मामलों की निगरानी, प्रतिपुष्टि विश्लेषण और निवारण अधिकारियों का अधिवीक्षण करेंगे। शिकायत प्रकोष्ठः प्रत्येक मंत्रालय/विभाग के समर्पित शिकायत प्रकोष्ठों में बेहतर सेवा के लिए जानकार कार्मिक तैनात किए गए हैं।शिकायत निवारण समय में कमीः शिकायतनिवारण 21 दिनों के भीतर पूरी होनी चाहिए यदि अधिक समय की आवश्यकता हो तो अंतरिम उत्तर दी जानी चाहिए।शिकायत निवारण प्रक्रिया में तेजीः मंत्रालयों/विभागों में शिकायतों के निवारण के अधिवीक्षण के लिए अपीलीय अधिकारी और उप-नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोणः एकीकृत दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि सभी सरकारी विभागों में शिकायतों को प्रभावी ढंग से सुलझाया जाए।प्रतिपुष्टि व्यवस्थाः फीडबैक या प्रतिपुष्टि एसएमएस /ईमेल के माध्यम से भेजा जाती है जिससे समाधान से असंतुष्टी की स्थिति में लोग अपील दायर कर सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त उपकरण ट्री डैशबोर्ड जैसे उपकरण प्रक्रिया में सुधार के लिए फीडबैक का विश्लेषण करते हैं।शिकायत निवारण सूचकांकः शिकायत सुलझाने की प्रभावशीलता के आधार पर मंत्रालयों/विभागों की मासिक प्रदर्शन रैंकिंग दी जाती है।प्रशिक्षण और क्षमता वर्धनः शिकायत अधिकारियों को राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों में सेवोत्तम योजना (संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के माध्यम से सेवा उत्कृष्टता) के अंतर्गत प्रशिक्षित किया जाता है।नियमित समीक्षाः वरिष्ठ अधिकारी नियमित तौर पर शिकायत सुलझाने के कार्यों की समीक्षा और लोगों को जागरूक बनाना सुनिश्चित करते हैं।इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य शिकायत निवारण प्रणाली बेहतर बनाना शिकायतों का त्वरित समाधान और इसमें बेहतर नागरिक सहभागिता सुनिश्चित करना है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के अनुमानि चिन्हित उदाहरणों की करें तो, यहाँ कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण चिन्हित किये गये है, ड्यूटीके समय दफ्तर के कार्य छोड़कर अन्य निजी कार्य करना।अध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों को ना पढ़ाना, अपितु इधर उधर की बातों में समय नष्ट करना।दुकानदारों द्वारा ग्राहक को सामान बेचते समय वस्तुओं के मूल्य(दाम) व मात्रा में गड़बड़ी करना। पैसे लेकर अथवा देकर दस्तावेजों में जालसाजी व अमान्य गड़बड़ करना।कोर्ट कचहरी, बैंक, नगर निगम, पुलिस व अन्य प्रशासनिक ईकाओं द्वारा रिश्वत(पैसा) लेकर कार्य सिद्ध करना।डॉक्टरों द्वारा मरीज को मूर्ख बनाकर ऑपरेशन करना, गलत सलाह देना व मूल्य से अधिक दाम पर दवा बेचना।निजी संस्थान अथवा कंपनियों द्वारा ग्राहक को झूठी व गलत जानकारी देकर फ्रॉड करना। सरकार में मंत्रियों, सांसदों, विधायकों द्वारा सरकारी पैसों का दुरुपयोग कर स्वयं के लिए निजी संपत्ति(प्रॉपर्टी) खरीदना।प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा नकली शराब वितरण में, जानवरों की तस्करी में, भू माफियाओं द्वारा भूमि अधिग्रहण आदि अन्य गैरकानूनी कार्यो में सहायता प्रदान करना।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सर्विस टाइम में किया भ्रष्टाचार रिटायरमेंट बाद जिंदगी लाचार। भ्रष्टाचारी लाख करे चतुराई कर्म का लेख मिटे ना रे भाई। भ्रष्टाचारी कमाई का बीज शरीर में फलकर वर्तमान और रिटायरमेंट के बाद ब्याज सहित वसूली करके ही जीव को छोड़ता है।

किआ सिरोस के बेस वेरिएंट एचटीकेमें किस तरह के मिलते हैं विशेषताएँ, कितना दमदार मिलेगा इंजन, पढ़ें पूरी खबर

परिवहन विशेष न्यूज

वाहन निर्माता Kia की ओर से भारतीय बाजार में हाल में ही नई गाड़ी के तौर पर Kia Syros को लाया गया है। इस गाड़ी के बेस वेरिएंट के तौर पर HTK को ऑफर किया जा रहा है। इस वेरिएंट में किस तरह के फीचर्स (Kia Syros HTK Features) को दिया गया है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में साउथ कोरिया की वाहन निर्माता Kia की ओर से सबसे नई गाड़ी के तौर पर Kia Syros को लाया गया है। इस Compact SUV के बेस वेरिएंट Kia Syros HTK में किस तरह के फीचर्स को दिया गया है। कितना दमदार इंजन मिलता है। किस तरह का ट्रांसमिशन मिलता है। क्या इस वेरिएंट को खरीदना आपके लिए अच्छी डील साबित हो सकती है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Kia Syros के बेस वेरिएंट के तौर पर HTK को किया जाता है ऑफर

किआ की ओर से सब फोर मीटर कॉम्पैक्ट एसयूवी के तौर पर सबसे नई गाड़ी Syros को कई वेरिएंट्स में लाया गया है। इसके बेस वेरिएंट के तौर पर कंपनी की ओर से HTK को ऑफर किया गया है। बेस वेरिएंट में भी कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया गया है।

कितना दमदार इंजन

Kia Syros HTK वेरिएंट में कंपनी की ओर से सिर्फ एक ही इंजन के विकल्प को दिया गया है। इसमें एक लीटर की क्षमता वाले टर्बो इंजन Smartstream G1.0 T-GDi 6MT को ऑफर किया गया है। इस इंजन से एसयूवी को

Kia Syros HTK Features

किआ सिरोस के बेस वेरिएंट HTK में डिजिटल टाइगर फेस फ्रंट ग्रिल, स्ट्रीमलाइन डोर हैंडल, आइसक्यूब हेलोजन लैंप, हेलोजन टेल लैंप, हाई माउंट स्टॉप लैंप, 15 इंच स्टील व्हील्स के साथ कवर, फ्रंट और रियर में सिल्वर सक्ड प्लेट, शॉर्क फिन एंटीना, इंटीग्रेटिड स्पॉयलर, साइड डोर गार्निश के साथ सिल्वर एसेंट, सिल्वर ब्रेक कैलिपर, ब्लैक के साथ ग्रे ड्यूल टोन इंटीरियर, ब्लैक-ग्रे सेमी लेदरेट सीट्स, डबल डी-कट स्टेयरिंग व्हील, प्रीमियम ग्रे रूफ लाइनिंग, रूम मैप और लैंप, पावर स्टेयरिंग, टिल्ट स्टेयरिंग, सभी दरवाजों पर पावर विंडो, सेंटर कंसोल आर्मरेस्ट, बेंच टाइप सीटिंग, इलेक्ट्रिक एडजस्टेबल आउटसाइड रियर व्यू मिरर, मैनुअल एसी, रिसर एसी वेंट्स, ऑटो लाइट कंट्रोल, सनग्लास होल्डर, रियर डोर सनशेड कर्टेन, रिमोट की, 4.2 कलर्ड टीएफटी एमआईडी, 12.3 इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ चार स्पीकर, वायरलेस एंड्राइड ऑटो, एपल कार प्ले, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, स्टेयरिंग व्हील माउंटिड कंट्रोल्स, रियर व्यू कैमरा, टाइप सी चार्जिंग पोर्ट, 12 वोल्ट सॉकेट जैसे फीचर्स मिलते हैं। इसके साथ ही इसमें आठ मोनोटोन रंगों के विकल्प को भी दिया गया है।

Kia Syros HTK Safety Features

किआ की ओर से सिरोस में कई सेफ्टी फीचर्स को ऑफर किया जाता है। लेकिन इसके बेस वेरिएंट HTK में फ्रंट ड्यूल एयरबैग, फ्रंट सीट साइड एयरबैग, साइड कर्टेन एयरबैग, हाइलाइन टायर प्रैशर मॉनिटरिंग सिस्टम, एबीएस, ईबीडी, ब्रेक फोर्स असिस्ट सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, हिल स्टार्ट असिस्ट, इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल, चाइल्ड लॉक, चार फ्रंट पार्किंग सेंसर, चार रियर पार्किंग सेंसर, स्पीड सेंसिंग ऑटो डोर लॉक, सभी सीटों के लिए थ्री पाइंट सीट बेल्ट के साथ रिमाइंडर, आइसोफिक्स चाइल्ड एंकरेज, फ्रंट पैसेंजर एयरबैग ऑन/ऑफ स्विच जैसे सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं।

Kia Syros HTK Price

किआ की ओर से अभी सिरोस की कीमतों की घोषणा नहीं की गई है। लेकिन इसके बेस वेरिएंट की संभावित एक्स शोरूम कीमत नौ लाख रुपये के आस-पास हो सकती है।

अप्रिलिया एसआर 125 और एसआर 160 भारत में जल्द होंगे लॉन्च, इन एडवांस फीचर्स से हो सकती है लैस

परिवहन विशेष न्यूज

नई Aprilia SR 125 और Aprilia SR 160 को भारत में जल्द लॉन्च किया जा सकता है। दरअसल इन दोनों स्कूटर को हाल ही में Aprilia Tuono 457 को साथ टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है जो फरवरी के तीसरे सप्ताह में लॉन्च होने जा रही है। इन दोनों स्कूटर में नया कंसोल के साथ ही नए फीचर्स देखने के लिए मिल सकते हैं।

नई दिल्ली। नई Aprilia SR 125 और Aprilia SR 160 को हाल में भारत की सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है। इन दोनों स्कूटर को भारत में जल्द लॉन्च होने जा रही Aprilia Tuono 457 को साथ स्पॉट किया गया था। Tuono 457 नेकेड स्ट्रीट फाइटर के साथ टेस्टिंग मॉडल के स्पॉट होने के बाद से उम्मीद लगाई जा रही है कि इन दोनों स्कूटर्स को इसके साथ भारत में लॉन्च किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि Aprilia SR 125 और Aprilia SR 160 किन नए फीचर्स के साथ आ सकती है।

नया कंसोल और फीचर्स

नई Aprilia SR 125 और Aprilia SR 160 में अपडेटेड कंसोल देखने के लिए मिल सकता है। इन कंसोल में कई बेहतरीन फीचर्स देखने के लिए मिल सकते हैं। इन दोनों स्कूटर में स्मार्टफोन कनेक्टिविटी और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन जैसे एडवांस फीचर्स भी देखने के लिए मिल सकते हैं।

दोनों स्कूटर के मौजूदा मॉडल में LCD कंसोल काफी सादे दिए गए हैं। नया कंसोल मिलने के बाद भारतीय बाजार में इनकी प्रतिस्पर्धी और भी बढ़ सकती है।

इंजन

अप्रिलिया की तरफ से उम्मीद की जा रही है कि दोनों स्कूटर में अपडेटेड इंजन देखने के लिए मिल सकता है, जो OBD-2B अनुपालन वाला होगा। इसके अलावा दोनों स्कूटर के इंजन में कोई बदलाव नहीं देखने के लिए मिल सकता है। Aprilia SR 125 में वही पुराना 124.45cc, एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया जा सकता है, जो 10.11 PS की पावर और 10.33 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। साथ ही Aprilia SR 160 में 160.03cc, एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन हो सकता है, जो 11.27 PS की पावर और 13.44 Nm का टॉर्क जनरेट करेगा।

कीमत

अगर ऊपर बताए गए अपडेट देखने के लिए मिलते हैं तो दोनों स्कूटरों की कीमत मौजूदा से 5,000 से 10,000 रुपये ज्यादा हो सकती है। उम्मीद है कि इन दोनों स्कूटर को 17 फरवरी 2025 को लॉन्च होने जा रही Aprilia Tuono 457 के साथ लॉन्च किया जा सकता है। फिलहाल, Aprilia SR 125 की एक्स-शोरूम कीमत 1,21,480 रुपये, जबकि Aprilia SR 160 की एक्स-शोरूम कीमत 1,30,378 रुपये है।

प्रतिद्वंद्वी

हाल के समय में Aprilia SR 125 की तुलना में इसका प्रतिद्वंद्वी TVS NTorq ज्यादा फीचर्स के साथ आता है। वहीं, Aprilia SR 160 का प्रतिद्वंद्वी Hero Zoom 160 ऑटो एक्सपो 2025 में लॉन्च होने के बाद कई बेहतरीन फीचर्स से लैस हो गया है।

हमें उम्मीद है कि दोनों ही स्कूटर डिजाइन के मामले में एक जैसे ही रहने वाले हैं। दोनों में ही एक जैसा स्पोर्टी डिजाइन मिल सकता है। साथ ही इनमें एक जैसा ही टेलिस्कोपिक फोर्क और मोनोशॉक सस्पेंशन सेटअप भी दिया जा सकता है।

भारत में बनी 5-डोर मारुति जिम्नी जापान में हुई पेश, 100 देशों में की जाती है निर्यात

परिवहन विशेष न्यूज

मारुति जीएम 5 डोर जापान हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मारुति सुजुकी के मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी में पूरी तरह से तैयार की गई Maruti Jimny 5-Door को जापान में पेश किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में फ्रोंक्स के बाद अब Jimny सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के घरेलू बाजार में भेजी जाने वाली दूसरी SUV बन गई है। साल 2024 में भारत के कुल यात्री वाहन निर्यात में कंपनी की हिस्सेदारी 43 .5% रही।

नई दिल्ली। भारत में बनी हुई Jimny 5-Door ने सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के घरेलू बाजार में आज कदम रख दिया है। इसे भारत में ऑटो एक्सपो 2023 में पहली बार पेश किया गया था। वहीं, यह वित्त वर्ष 2024-25 मारुति सुजुकी का दूसरा सबसे ज्यादा निर्यात किया जाने वाली मॉडल बन गई है। इसे हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मारुति सुजुकी की निर्माण इकाई (मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी) में पूरी तरह से तैयार किया गया है। आइए जानते हैं कि जापान में पेश हुई भारत में बनी हुई Maruti Jimny 5-Door किन फीचर्स के साथ पेश की गई है।

Maruti Jimny 5-Door के फीचर्स

Jimny में 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन (K15B) का इस्तेमाल किया गया है। यह इंजन 105 PS की पावर और 134 Nm का पीक टॉर्क करता है। इसके इंजन को दो ट्रांसमिशन ऑप्शन 5-स्पीड मैन्युअल (MT) और 4-स्पीड ऑटोमेटिक (AT) के साथ पेश किया जाता है। इसका लैडर फ्रेम चेसिस पर बेस्ड है। इसमें ALLGRIP PRO 4WD तकनीक दी गई है, जिसे स्टैंडर्ड रूप से लो-रेंज ट्रांसफर गियर (4L मोड) से लैस किया गया है।

100 से भी ज्यादा देशों में होती है निर्यात

Maruti Jimny 5-Door को दुनिया भर में 199 देशों और क्षेत्रों में Jimny की 35 लाख से भी ज्यादा यूनिट को बेचा जा चुका है। इसका 3-Door वर्जन जापानी बाज़ार में पहले से ही बिक्री के लिए पेश की जाती है। वहीं, अब इसके 5-Door वाला वर्ज़न जापान में उतारा गया है। कंपनी का मानना है कि इससे जापान में Jimny की लोकप्रियता और भी बढ़ेगी। Jimny को लगभग 100 देशों में निर्यात किया जाता है। वहीं, वित्त वर्ष 2024-25 में फ्रोंक्स के बाद अब Jimny सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के घरेलू बाजार में भेजी जाने वाली दूसरी SUV बन गई है।

2024 में कितना हुआ मारुति सुजुकी का निर्यात

मारुति सुजुकी ने कैलेंडर वर्ष 2024 में लगभग 100 देशों को 3.23 लाख से अधिक गाड़ियों का निर्यात किया गया है। वहीं, साल 2024 में भारत के कुल यात्री वाहन निर्यात में कंपनी की हिस्सेदारी 43.5% रही। मारुति सुजुकी ने अगस्त 2024 में जापान को Maruti Fronx का निर्यात शुरू किया था। इसकी जापान के बाजार में शानदार प्रतिक्रिया मिली है।

टीवीएस एक्स इलेक्ट्रिक स्कूटर की डिलीवरी हुई शुरू, चार और शहरों में भी जल्द मिलेगा स्कूटर

परिवहन विशेष न्यूज

टीवीएस एक्स इलेक्ट्रिक स्कूटर डिलीवरी भारत की प्रमुख दो पहिया निर्माता TVS Motors ने Premium Electric Scooter के तौर पर ऑफर किए जाने वाले TVS X की ओर से जनवरी 2025 से Delivery को शुरू कर दिया गया है। किस शहर से स्कूटर की डिलीवरी को शुरू किया गया है और किन शहरों में इसकी डिलीवरी कब से शुरू हो सकती है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख दो पहिया वाहन निर्माता टीवीएस की ओर से प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर के तौर पर पेश किए गए TVS X की डिलीवरी को शुरू कर दिया गया है। सबसे पहले किस शहर से इसकी Delivery को शुरू किया गया है। इसके बाद और किन शहरों में कब से इसकी डिलीवरी को शुरू किया जा सकता है। इसमें किस तरह के Feature, Range, Battery को दिया जाता है। किस कीमत पर इसे खरीदा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

TVS X की Delivery हुई शुरु

भारतीय बाजार में कम बजट वाले Electric Scooters के साथ ही Premium Electric Scooter सेगमेंट में भी कई विकल्प उपलब्ध करवाए जाते हैं। टीवीएस की ओर से भी प्रीमियम सेगमेंट में TVS X को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। कंपनी की ओर से इस स्कूटर की डिलीवरी को जनवरी 2025 से शुरू (TVS X Electric Scooter Delivery) कर दिया गया है।

कहां शुरू हुई डिलीवरी

मिली जानकारी के मुताबिक इस स्कूटर की डिलीवरी को सबसे पहले कर्नाटक के बेंगलुरू शहर से शुरू किया गया है। January 2025 में ही इस स्कूटर की डिलीवरी शुरू की गई है। इसके बाद देश के चार अन्य शहरों में भी इसकी डिलीवरी को शुरू किया जाएगा। जिनमें उत्तर भारत के दो शहर शामिल हो सकते हैं, जिनमें दिल्ली के साथ ही चंडीगढ़ को शामिल किया जा सकता है। उम्मीद है कि अगले तीन महीनों में अन्य शहरों में भी इसकी डिलीवरी को शुरू किया जा सकता है।

TVS X Electric Scooter features

टीवीएस की ओर से स्कूटर में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से इसमें 10.2 इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, एलईडी लाइट्स, रियर मोनोशॉक सस्पेंशन, स्मार्ट हिल होल्ड तकनीक, नेविगेशन सिस्टम, मोबाइल कनेक्टिविटी, हिल होल्ड तकनीक जैसे फीचर्स को दिया जाता है।

TVS X Battery Range and Motor

टीवीएस की ओर से एक्स इलेक्ट्रिक स्कूटर में दी गई बैटरी को फुल चार्ज करने के बाद 140 किलोमीटर तक की रेंज मिलती है। इसमें लगी पीएमएसएम मोटर से इसे 11 किलोवाट की पावर मिलती है। इसकी टॉप स्पीड 105 किलोमीटर प्रति घंटे तक है और इसे सिर्फ 2.6 सेकेंड में ही 0-40 किलोमीटर प्रति घंटे तक की स्पीड से चलाया जा सकता है। रेंज बढ़ाने के लिए इसमें रीजनरेशन मोड को भी दिया जाता है। राइडिंग के लिए इसमें Xtealth, Xtride, Xonic जैसे मोड्स को दिया गया है। इसकी बैटरी को 0-80 फीसदी चार्ज करने में 950 वाट चार्जर को 4.30 घंटे का समय लगता है।

TVS X Electric Scooter price

टीवीएस की ओर से एक्स स्कूटर की बेंगलुरू में एक्स शोरूम कीमत 2.47 लाख रुपये है। दिल्ली में इसे 2.50 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है।

इंजन, फीचर्स और कीमत के मामले में कौन-सी मोटरसाइकिल बेहतर

परिवहन विशेष न्यूज

हाल ही में हीरो मोटोकॉर्प ने Hero XPulse 210 को भारत में लॉन्च की है। इससे पहले कावासाकी ने दिसंबर 2024 में KLX 230 को लॉन्च किया था। यह दोनों ही बाइक 200-250cc ड्यूल-स्पोर्ट बाइक सेगमेंट में एक-दूसरे से मुकाबला करती हुई दिखाई देगी। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको Kawasaki KLX 230 vs Hero XPulse 210 दोनों की तुलना करके बता रहे हैं कि कौन बेहतर है।

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प ने हाल ही में ऑटो एक्सपो 2025 में नई XPulse 210 को भारत में लॉन्च किया है। इसे भारत में एक्स-शोरूम कीमत 1,75,800 रुपये में लाया गया है। यह बाइक 200-250cc ड्यूल-स्पोर्ट बाइक सेगमेंट में Kawasaki KLX 230 के साथ मुकाबला करते हुई दिखाई देगी। KLX 230 की कीमत 3,30,000 रुपये है। हम यहां पर आपको दोनों मोटरसाइकिल की तुलना करके आपको बता रहे हैं कि कौन-सी बाइक ऑफ-रोडिंग के लिए बेहतर रहने वाली है।

डिजाइन

Hero XPulse 210

इसे दमदार ड्यूल-स्पोर्ट स्टांस के साथ पेश किया गया है। इसमें XPulse 200 4V जैसा सिल्हूट दिया गया है, लेकिन हल्के बदलाव भी किए गए हैं। इसमें H-आकृति वाली LED डेटाइम रनिंग लाइट, लंबी विंडस्क्रीन, और फ्लैट सीट दी गई है। इसके साथ ही नए साइड पैनल्स, एक स्लिम टेल सेक्शन और लंबा टेल रैक को भी शामिल किया गया है। XPulse 210 चार कलर में लेकर आया गया है, जो Glacier White, Wild Red, Azure Blue, और Alpine Silver है।

Kawasaki KLX 230

इसका डिजाइन पूरी तरह से डर्ट बाइक से प्रेरित है। इसमें सिंगल-पीस हेडलाइट, फ्लैट सीट, डर्ट-बाइक जैसे फेंडर और स्लिम बॉडी वर्क दिया गया है, जिसकी वजह से यह ऑफ-रोड ट्रेल्स पर काफी आसानी से चल सकती है। इसे देखकर आपको एक असली एडवेंचर बाइक का एहसास होता है। KLX 230 केवल दो कलर में आती है, जो Lime Green और Battle Grey है।

इंजन

Hero XPulse 210

इसमें 210cc, लिक्विड-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो 24.6 PS की पावर और 20.7 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ एक स्लिप-एंड-असिस्ट क्लच के साथ जोड़ा गया है। यह राइडिंग को और भी आरामदायक बना देता है।

Kawasaki KLX 230

कावासाकी इस बाइक में 233cc, एयर-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया गया है। यह इंजन 19 PS की पावर और 19.8 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को भी 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है, लेकिन इसमें स्लिप-एंड-असिस्ट क्लच नहीं दिया गया है।

तुलना- XPulse 210 ज्यादा पावरफुल मोटरसाइकिल है, क्योंकि यह KLX 230 से 5.6PS ज्यादा पावर और 0.9Nm ज्यादा टॉर्क जनरेट करती है।

फीचर्स

Hero XPulse 210

इसमें 4.2-inch LCD/TFT इंस्ट्रूमेंट कंसोल दिया गया है, जिसमें स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, कॉल और SMS अलर्ट्स, और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन जैसे फीचर्स दी गई है। इसमें USB चार्जिंग पोर्ट भी शामिल किया गया है। इसके अलावा, मोटरसाइकिल को राइड-बाय-वायर थ्रॉटल, स्विचेबल रियर ABS और तीन राइडिंग मोड्स (रोड, ऑफ-रोड, और रैली) से भी लैस किया गया है।

Kawasaki KLX 230

इसमें एक साधारण LCD इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है, जिसमें स्मार्टफोन कनेक्टिविटी और कॉल & SMS अलर्ट्स जैसे फीचर्स को शामिल किया गया है।

तुलना- KLX 230 में टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन का फीचर नहीं दिया गया है, जो XPulse 210 में मिलता है। वहीं, XPulse 210 में कावासाकी की इस बाइक से ज्यादा फीचर्स भी मिलते हैं।

सस्पेंशन और ब्रेकिंग

Hero XPulse 210

इसमें 210mm सस्पेंशन ट्रैवल के साथ टेलीस्कोपिक फोर्क और 205mm ट्रैवल वाली 10-स्टेप प्रीलोड-एडजस्टेबल मोनोशॉक सस्पेंशन को दिया गया है। ब्रेकिंग के लिए XPulse 210 में 276mm फ्रंट और 220mm रियर पेटल डिस्क ब्रेक दिया गया है। इसमें ड्यूल-चैनल ABS भी दिया गया है।

Kawasaki KLX 230

इसमें 240mm फ्रंट सस्पेंशन ट्रैवल के साथ टेलीस्कोपिक फोर्क और 250mm ट्रैवल वाली मोनोशॉक सस्पेंशन दी घई है। KLX 230 में ब्रेकिंग के लिए 265mm फ्रंट और 220mm रियर डिस्क ब्रेक्स दिए गए है। साथ ही इसमें स्विचेबल रियर ABS भी दिया गया है।

तुलना- सस्पेंशन और ब्रेकिंग के मामले में KLX 230 से ज्यादा बेहतर XPulse 210 है, क्योंकि इसमें ज्यादा ब्रेकिंग पावर और एडजस्टेबल सस्पेंशन को दिया गया है।

साल 2025 में किआ भारत में लॉन्च करेगी ये 5 नई कार, ईवी और आईसीई दोनों गाड़ियां

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। साल 2025 में KIA अपने लाइनअप को बढ़ाने की तैयारी में लगी हुई। किआ इंडिया ने ऑटो एक्सपो 2025 में KIA Syros और Kia EV6 facelift से पर्दा उठाया था। इस साल कंपनी अपने लाइनअप में इन दो गाड़ियों को अलावा इलेक्ट्रिक कार और ICE मॉडल को शामिल करने जा रही है। कंपनी अपनी कुछ गाड़ियों के फेसलिफ्ट वर्जन भी ला सकती है। आइए जानते हैं कि साल 2025 में KIA अपनी कौन-सी EV और ICE कारों (Kia New Car Launch 2025) को भारतीय बाजार में उतारने जा रही है।

Kia Syros

किआ सिरोस एक सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी है, जिसे कंपनी 1 फरवरी 2025 को लॉन्च करने जा रही है। इसे 6 वेरिएंट में पेश किया गया है, जो HTK, HTK (O), HTK Plus, HTX, HTX Plus और HTX Plus (O) है। इसे फ्यूचरिस्टिक लुक और बॉक्सी डिजाइन दिया गया है। इसमें फ्रंट और रियर वेंटिलेटेड सीट्स दी गई है। इसे 1-लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल इंजन ऑप्शन दोनों के साथ लॉन्च किया जा रहा है। इसकी भारतीय बाजार में शुरुआती कीमत 9.70 लाख रुपये तक हो सकती है।

Kia EV6 facelift

इसे कंपनी ने ऑटो एक्सपो 2025 में पेश किया था। इसके डिजाइन से लेकर एक्सटीरियर, इंटीरियर और फीचर्स को अपडेट किया गया है। इसमें लंबी रेंज का साथ बढ़ी हुई बैटरी के साथ पेश किया गया है। इसकी कीमतों का खुलासा मार्च 2025 में किया जाएगा, लेकिन इसकी बुकिंग शुरू हो चुकी है। Kia EV6 facelift में 84 kWh बैटरी पैक दिया गया है, जो सिंगल चार्ज में 650 किमी तक की रेंज देगा।

Kia Carens Facelift

इसे अभी तक कई बार भारतीय सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया जा चुका है, जिसे देखते उम्मीद की जा रही है कि किआ की MPV कैरेंस नए लुक और अपग्रेडेड इंटीरियर के साथ भारत में जल्द ही लॉन्च हो सकती है। इसे भारत में साल 2025 मध्य तक लॉन्च किया जा सकता है। इसमें 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन, 1.5-लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल इंजन ऑप्शन देखने के लिए मिल सकता है।

Kia Carens EV

Kia Carens Facelift के साथ ही Carens EV को भी लॉन्च किया जा सकता है। इसमें 42 kWh और 51.4 kWh बैटरी पैक ऑप्शन देखने के लिए मिल सकता है। इसके जरिए किआ इंडिया उन लोगों को टारगेट कर सकती है, जो MPV सेगमेंट में एक बेहतरीन इलेक्ट्रिक कार की तलाश कर रहे हैं। इसे भी साल 2025 के मध्य में लॉन्च किया जा सकता है।

जैसा की हमने आपको ऊपर बताया कि Syros के ICE वर्जन को 1 फरवरी 2025 को लॉन्च किया जाएगा। वहीं, अब कहा जा रहा है कि सिरोस के इलेक्ट्रिक वर्जन को साल 2025 के अगस्त में लॉन्च किया जा सकता है। इलेक्ट्रिक वर्जन का डिजाइन ICE वर्जन से थोड़ा अलग हो सकता है और इसमें ईवी स्पेसिफिकेशन मिलेंगे। Syros EV में 42kWh और 49kWh का बैटरी ऑप्शन देखने के लिए मिल सकता है।

भारतीय विवाह त्योहार से कम नहीं हैं

विजय गर्ग

उन्हें विभिन्न धार्मिक और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के अनुसार मनाया जाता है। लेकिन उनमें से अधिकांश महंगी सजावट, संगीत, नृत्य, भोजन और वेशभूषा के साथ मनाया जाता है। विवाह के मौसम के दौरान यह देखा जाता है कि लोग अपने अहंकार को संतुष्ट करने के लिए केवल बहुत पैसा खर्च करते हैं। इस प्रकार बर्बाद किए गए सभी धन को कुछ रचनात्मक उपयोग में रखा जा सकता है। हर साल भारत में लगभग 10 मिलियन शादियां होती हैं। बस इन विवाह व्यवस्थाओं में हर साल औसत पर खर्च की जाने वाली राशि की कल्पना करें। विवाह का ध्यान अनुष्ठानों से एक शो ऑफ व्यवसाय में स्थानांतरित हो गया है। वर्तमान परिदृश्य में, जब दहेज अभी भी भारत में एक बड़ी समस्या बनी हुई है, तो लोग अनावश्यक व्यवस्था और सजावट में अपने जीवन की बचत का बहुत उपयोग करते हैं जो सिर्फ एक दिन का मामला है। वे सोचते हैं कि असाधारण व्यवस्था करके वे अपने दोस्तों और रिश्तेदारों पर एक छाप पैदा करेंगे और लंबे समय तक याद किया जाएगा। लोग उन दूसरों की नकल करने की भी कोशिश करते हैं जिनमें सोशल मीडिया एक प्रमुख भूमिका निभाता है क्योंकि यह लोगों के दिमाग को बहुत आसानी से प्रभावित करता है। इस चूहे की दौड़ से लोगों को बाहर लाना और उन्हें सरल विवाह की अवधारणा सिखाना बहुत महत्वपूर्ण है। एक साधारण विवाह को एक असाधारण के रूप में समान रूप से यादगार बनाया जा सकता है। लोगों को यह महसूस करने की आवश्यकता है कि यह उन लोगों की उपस्थिति है जो शादी को भव्य बनाते हैं न कि सजावट या भोजन। सीमित व्यंजनों, सरल सजावट और कपड़े और आभूषणों के सीमित खर्च को रखकर विवाह को सरल रखा जाना चाहिए। एक साधारण शादी से बचाया जाने वाला धन बैंक खाते में बचत जैसे कई अन्य रचनात्मक उपयोगों में रखा जा सकता है, स्वास्थ्य देखभाल आदि के लिए उपयोग किए जाने वाले फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में जमा किया जाता है। लोगों को यह महसूस करने की आवश्यकता है कि यह लोगों की उपस्थिति है जो एक बनाता है शादी का भव्य और सजावट या भोजन नहीं। एक 'भव्य' शादी की अवधारणा खराब नहीं है, लेकिन एक अवसर के पीछे जो धनराशि होती है, वह अनावश्यक है। शादी के मौसम के दौरान आपने लोगों को अपने लॉट ओ खर्च करते देखा है ... सिंपल मैरिजेजः ए वाइज चॉइस मैरिज किसी के जीवन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो प्यार, साहचर्य और प्रतिबद्धता से भरे एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। हालांकि, हाल के दिनों में, असाधारण शादियों की बढ़ती प्रवृत्ति हुई है जो उत्सव के वास्तविक सार के बजाय धन को दिखाने और अहंकार को संतुष्ट करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है। यह अत्यधिक खर्च अक्सर वित्तीय तनाव और संसाधनों के अपव्यय की ओर जाता है। इसके बजाय, सरल विवाह के लिए चयन न केवल पैसे बचा सकता है, बल्कि एक साथ जीवन शुरू करने के अधिक सार्थक और टिकाऊ तरीके को भी बढ़ावा दे सकता है। वित्तीय विवेक - सरल विवाह अनावश्यक खर्चों को कम करके वित्तीय विवेक को प्रोत्साहित करते हैं जो अक्सर जोड़ों और उनके परिवारों को बोझ देते हैं। - पैसे बचाने के साथ, जोड़े अपने भविष्य में निवेश कर सकते हैं, जैसे कि घर के लिए डाउन पेमेंट हासिल करना या व्यवसाय शुरू करना। - असाधारण शादियों से बचने से, जोड़े ऋण के चक्र से बच सकते हैं और अपने विवाहित जीवन के लिए एक मजबूत आधार बनाने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। प्यार और एकजुटता पर जोर - सरल विवाह भौतिकवादी प्रदर्शन से उत्सव के सार पर ध्यान केंद्रित करते हैं - दो व्यक्तियों के बीच प्यार और प्रतिबद्धता। - एक छोटी, अंतरंग शादी जोड़ों को अपने प्रियजनों के साथ अधिक गुणवत्ता का समय बिताने, गहरे कनेक्शन और पोषित यादों को बढ़ावा देने की अनुमति देती है। - प्यार और एकजुटता पर जोर एक अधिक सार्थक शादी का अनुभव बनाता है जिसे जीवन भर के लिए याद किया जाएगा।पर्यावरणीय स्थिरता - असाधारण शादियां अक्सर अत्यधिक अपशिष्ट का उत्पादन करती हैं, विस्तृत सजावट से लेकर अत्यधिक भोजन और पैकेजिंग तक। - एक साधारण विवाह का चयन करने का मतलब है, टिकाऊ प्रथाओं के लिए चयन करना, जैसे कि पर्यावरण के अनुकूल सजावट का उपयोग करना, स्थानीय विक्रेताओं का समर्थन करना, और भोजन के कचरे को कम करना। - पर्यावरणीय रूप से जागरूक विकल्प बनाकर, जोड़े अपने संघ का जश्न मनाते हुए हमारे ग्रह के संरक्षण में योगदान कर सकते हैं। एक उदाहरण सेट करना - सरल विवाह दूसरों के लिए एक प्रेरणा के रूप में काम कर सकते हैं, सामाजिक मानदंडों और अपेक्षाओं को चुनौती देते हैं। - यह प्रदर्शित करके कि प्रेम और प्रतिबद्धता को किसी की शादी के आकार से नहीं मापा जाता है, जोड़े दूसरों को भौतिकवादी प्रदर्शनों पर सार्थक कनेक्शन को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। - सादगी और विवेक का एक उदाहरण स्थापित करने से शादियों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में एक सकारात्मक बदलाव हो सकता है। अंत में, सरल विवाह असाधारण शादियों पर कई लाभ प्रदान करते हैं। वित्तीय विवेक, प्रेम और एकजुटता, पर्यावरणीय स्थिरता को प्राथमिकता देने और एक सकारात्मक उदाहरण निर्धारित करके, जोड़े एक शादी का अनुभव बना सकते हैं जो न केवल सार्थक है, बल्कि उनके भविष्य की खुशी और कल्याण में भी योगदान देता है। आइए हम सरल विवाह की अवधारणा को गले लगाएं और प्यार का सच्चा सार मनाएं

तरक्की के कोलाहल में सुस्त रफ्तार

विजय गर्ग

कहा जा रहा है कि हम अगले वर्ष यानी 2026 में दुनिया की चौथी बड़ी शक्ति बन जाएंगे और उससे अगले वर्ष 2027 में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति 'फिक्की' का कहना है कि भारत की वृद्धि दर का अनुमान घटकर 6.4 फीसद होगा। मगर प्रमुख अर्थशास्त्रियों का निष्कर्ष है कि 2025 में वृद्धि तेज बनी रहेगी। दुनिया में सबसे तेजी से भारत बढ़ेगा और इसके दम पर दक्षिण एशिया की जीडीपी भी बढ़ जाएगी। चाहे विश्व आर्थिक मंच ने भारत के बुनियादी ढांचे में अपेक्षित निवेश न होने की ओर इंगित किया था, लेकिन चूंकि इन अर्थशास्त्रियों ने चीन में भी अर्थव्यवस्था के धीमी होने का अनुमान लगाया, इसलिए उसकी तुलना में अपने आप HTM आगे पाकर हम एक ठंडी दिलासा ले सकते हैं। ठंडी दिलासा इसलिए कि असली बात तो यह है कि चाहे विकास दर सबसे ऊंची रहे, आम आदमी का हाल क्या है ? भारत औसत प्रति व्यक्ति आय को देखते दुनिया को छोड़िए, एशिया । के पिछड़े हुए देशों के समकक्ष आ जाती है। अपनी तारीफ में चाहे आप कह लें कि दुनिया भर में अमेरिका के बाद सबसे कुशल भारतीय पेशेवर हैं, भारतीय युवा एआइ, डिजिटल और हरित ऊर्जा क्षेत्रों में सबसे कुशल हैं। मगर याद रखिए कि तीसरी आर्थिक ताकत बनने का सपना देखने वाला भारत दुनिया में 'ओवरआल रैंकिंग' में पच्चीसवां रहा है। यह रैंकिंग 'स्किल फिट एकेडेमिक रेडिनेस फ्यूचर आफ वर्क' और आर्थिक बदलाव पर आधारित है। कहने की बात नहीं कि यहां हम तैयारी और परिवर्तनशीलता के अभाव में अभी तक फिसड्डी हैं।

भारत अपनी नई उपलब्धियों की घोषणा करते थक नहीं रहा। कहा जा रहा है है कि इस साल भारत ने अंतरिक्ष में इतिहास रच दिया, जब उसने दो उपग्रहों को जोड़ दिया। ऐसा करने वाला यह दुनिया का चौथा देश बन गया है। यही नहीं, धरती पर भारत की डिजिटल ताकत वृद्धि का अंत नहीं। नया आंकड़ा आया। इस साल हमारे देश के इंटरनेट उपयोग कर्ताओं संख्या नब्बे करोड़ के पार पहुंच जाएगी। 2024 में यह 88.6 करोड़ थी। ग्रामीण भारत भी इंटरनेट के इस्तेमाल में आगे बढ़ रहा है। कुल आबादी में इसकी हिस्सेदारी 55 फीसद हो गई है। दूसरी ओर, तरक्की का यह आलम कि सोना दो महीने बाद 81 हजार रुपए से पार चला गया चांदी 94 हजार रुपए प्रति किलो पर पहुंची। नव धनकुबेरों ने बहुत महंगे फ्लैटों और बड़ी कारों की बिक्री शिखर पर पहुंचा दी। चाहे इस धूम धड़ाके में उन गरीबों की सुध न लेने की उम्मीद पहली फरवरी को पेश होने वाले बजट पर छोड़ दी गई है, जहां उन्हें कुछ और रियायतें देकर शायद उनका जीवन सहज किया जाए आम आदमी की उम्मीद तो यही है कि भूख से मरने न देने की गारंटी तो दे दी, अब शिक्षा के अनुसार रोजगार देने की गारंटी भी दे दो। पर उसके लिए नई उद्यम नीति बनाने की जरूरत है। निवेशकों का उत्साह गिरने न देने की जरूरत है। मगर हमारे शेयर बाजार के सूचकांक क्यों

धराशायी होते नजर आ रहे हैं? क्यों प्रत्यक्ष विदेशी निवेश फेडरल दरों से आकर्षित होकर भगोड़ा हो रहा है? और क्यों देश की स्थायी तरक्की में ये आंकड़े परेशान कर रहे हैं कि पूरी कमाई पर्यटन, होटल और सेवा क्षेत्र के इर्द-गिर्द घूमने लगी है। खेतिहर बेहतर आर्थिक स्थिति में नहीं आया। विनिर्माण क्षेत्र में सुस्ती है। इसके साथ शेयर सूचकांक लगातार गिरावट दिखा रहे हैं। फिक्की से लेकर अन्य अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन

संस्थान तो कहते हैं कि गिरावट के बावजद भारत गति पकड़ लेगा और हम अपनी आर्थिक वृद्धि का स्तर बनाए रखेंगे।

इस नए युग आर्थिक विकास दर में हम बाहुबली देशों से आगे रहेंगे। मगर प्रश्न है कि चीन तो अपनी आर्थिक नीतियों की रुग्णावस्था के कारण पिछड़ने लगा, पर 'चीन प्लस' का यह अतिरिक्त निवेश भारत की ओर क्यों नहीं आया? क्यों वैश्विक दक्षिण के दूसरे देशों की ओर मुड़ गया? क्या इसका कारण यह नहीं है कि हम दफ्तरशाही और लालफीताशाही की नाक में नकेल नहीं दे सके ? भ्रष्टाचार 6 ? को शून्य स्तर पर पहुंचाने की घोषणाओं के बावजूद हम भ्रष्टाचार के सूचकांक में फिर उसी पायदान पर अटके हैं।। वैसे, में भारत में गर्व करने योग्य बहुत-सी बातें हैं। पहली । पहली बात तो यही है कि भारत ने देश में एक युवा वर्ष लाने का वादा किया है। इस साल प्रधानमंत्री के पहले वक्तव्य और पहले संदेश को किसानों, युवाओं और कर्मचारियों के के नाम कर दिया गया है। कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी गई है। इससे केंद्रीय कर्मचारियों और राज्य कर्मचारियों की कमाई के बीच एक असंतुलन और असंतुष्ट विभाजन का खतरा भी पैदा हो गया है। पंजाब को ही अगर देखा जाए तो केंद्रीय कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग की घोषणा हो गई, लेकिन पंजाब अपने छठवें वेतन आयोग की कमियां ही पूरी नहीं कर पा रहा।

जहां तक समतावाद का संबंध है, केंद्र सरकार ने गरीबों का भला करने का संकल्प इस वर्ष की शुरुआत में लिया है। उसने गरीबी उन्मूलन का संदेश भी दिया है और युवाओं को नए युग के। लिए तैयार करने के लिए दिल्ली में 600 करोड़ की नई शैक्षणिक योजनाएं शुरू करने की घोषणा कर दी है। किसी इलाके में चुनाव घोषित होते हैं, तो वहां नई विकास योजनाओं की घोषणाओं की बाढ़ आ जाती है, लेकिन विस्फारित नेत्रों वाली आम जनता यह पूछती है कि ये परियोजनाएं पूरी कब होंगी? औसत मूल्यांकन यह है कि जितनी परियोजनाओं की घोषणा होती है, उनमें से तीन चौथाई अपने निर्धारित समय से पिछड़ जाती हैं। इस तरह उनकी लागत और बढ़ जाती है। यह बढ़ी हुई लागत अंततः बजट घाटे को बढ़ाती, रुपए का विनिमय मूल्य गिराती है और महंगे आयात देश में मुद्रास्फीति बढ़ाते हैं। इस चक्रव्यूह से निकलने का रास्ता क्या है? नए युग की घोषणा करने से पहले यह भी सोच लिया जाए। एक और दिशा में चिंतन कर लें। इस युग में हम भारत को आयात अर्थव्यवस्था वस्था नहीं, बल्कि निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनाना चाहते हैं, लेकिन नए आंकड़े कहते हैं कि हमारी आयात जरूरतें कम नहीं हुईं। आत्मनिर्भरता के नारों के बावजूद हम आत्मनिर्भर नहीं हुए, लेकिन हमारा निर्यात अवश्य एक फीसद कम हो गया। अमेरिका और चीन पर हमारी आयात निर्भरता उसी तरह खड़ी है। अगर भारत डालर पर निर्भरता को कम करके किसी वैकल्पिक मुद्रा से विनिमय का सपना देखता है, तो अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप उसे बढ़े हुए शुल्क का भय दिखाने लगते हैं। इस सब तरक्की के नारों के बावजूद देश की आबादी का बड़ा हिस्सा अपने आप को तरक्की के हाशिये से बाहर क्यों पाता है? इन कल्याणकारी नीतियों में मुफ्तखोरी की झलक मेहनत की आदत के ऊपर क्यों हावी होने लगी है ?

बच्चों का स्कूल से दूर होना ठीक नहीं

विजय गर्ग

हमारे देश के आधे से अधिक स्कूलों में कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा तक नहीं है। शिक्षा को लोकतंत्र का आधार बताया जाता है, लेकिन उसी लोकतंत्र में हर साल लाखों बच्चे स्कूल छोड़ने को मजबूर हैं। जब बच्चे ही शिक्षा से वंचित रहेंगे, तो देश का भविष्य कैसे संवरेगा ? संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट हो या हमारे अपने शिक्षा मंत्रालय के आंकड़े, हर जगह यह साफ झलकता है कि शिक्षा के क्षेत्र में हमारी स्थिति कितनी दयनीय है। दुनिया के 25 करोड़ बच्चे आज भी स्कूली शिक्षा से वंचित हैं, और इनमें से एक बड़ी संख्या दक्षिण एशिया से है। भारत में तो हालात और भी खराब हैं।

यूनिफाइड डिसट्रिक्ट इन्फार्मेशन सिस्टम फार एजुकेशन की रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 से 2023-24 के बीच देश के स्कूलों में पंजीकरण संख्या में भारी गिरावट आई है। मिडिल स्कूल तक पहुंचते-पहुंचते ड्रापआउट रेट 5.2 प्रतिशत और सेकेंडरी स्तर पर 10.9 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। यह सब तब हो रहा है, जब हमारी सरकार नई शिक्षा नीति लागू करने और शिक्षा को सुलभ बनाने का प्रयास कर रही है। 2022-23 में जहां स्कूलों में 25.17 करोड़ बच्चे दर्ज थे, वहीं 2023-24 में यह संख्या घटकर 24.80 करोड़ रह गई। यह गिरावट महज संख्या नहीं, बल्कि उन सपनों की टूटन है जो इन बच्चों ने देखे होंगे। सरकारें मुफ्त शिक्षा, मिड-डे मील, और यूनिफार्म जैसी योजनाएं चला रही हैं, लेकिन ये योजनाएं वंचित वर्ग के सभी बच्चों को स्कूल तक खींचने में कारगर नहीं हो पाई हैं। एक तरफ डिजिटल इंडिया का नारा बुलंद किया जाता है और दूसरी तरफ देश के 57 फीसद स्कूलों में ही कंप्यूटर की सुविधा उपलब्ध है। इंटरनेट तो केवल 53 फीसद स्कूलों तक ही पहुंच पाया है। ऐसे में बच्चों को आधुनिक शिक्षा देने की बात करना मजाक जैसा लगता है। क्या हम यह उम्मीद कर सकते हैं कि इन परिस्थितियों में हमारे बच्चे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिक पाएंगे ?

स्कूलों से ड्रापआउट का सबसे बड़ा कारण गरीबी है। जब बच्चे बाल श्रम करने को मजबूर हों, तो स्कूल जाने का सवाल ही कहां उठता है ? बुनियादी ढांचे की कमी, अपर्याप्त शिक्षण स्टाफ और शिक्षा के प्रति जागरूकता का अभाव स्थिति को और बदतर बना देता है। आजादी 77 साल बाद भी स्कूलों में पर्याप्त सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव होना हमारे विकास पर सवालिया निशान लगाता है। सरकारें प्रयास तो कर रही हैं। मिड-डे मील योजना हो या मुफ्त पाठ्य पुस्तकें, इनसे कुछ हद तक राहत मिली है, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं। यह समझना होगा कि शिक्षा केवल बच्चों का भविष्य नहीं, बल्कि पूरे देश की नींव है। यदि हम इसे प्राथमिकता नहीं देंगे, तो आने वाले समय में विकास के तमाम वादे सिर्फ ढकोसला बनकर रह जाएंगे।यह लोककथा हमें नित्य कर्मरत रहने की प्रेरणा देती है । अमीर हो या गरीब, राजा हो या रंक, सबके पास समय एक बराबर है। किसी के पास न ज्यादा है और न कम । अगर नियमबद्ध काम करने की आदत डाल लें तो हम शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगे । अक्सर हम नियमित रूप से कोई काम नहीं कर ' पाते और जब उसमें असफल हो जाते हैं, तब नियति को कोसने लगते हैं। अधिकांश विद्यार्थियों का भी यही स्वभाव होता है । वे नित्य पढ़ाई नहीं करते । परीक्षा सिर पर आती है, तब दिन और रात पढ़ते हैं, जिससे वे मानसिक उद्वेलन के शिकार होते हैं। एकाग्र भाव पढ़ नहीं पाते। परीक्षा की घबराहट उनकी स्मरण शक्ति को भी प्रभावित करने लगती है, जिससे वे वांछित सफलता से दूर रह जाते हैं।

महात्मा गांधी को जाने हमारी युवा पीढ़ी

गांधीवादी विचारधारा में सत्याग्रह के सिद्धांत को अपनाया गया है। सत्याग्रह आंदोलन की उनकी शैली से अंग्रेज सरकार भी झुकने को मजबूर हो गई थी। महात्मा गांधी ने सादा जीवन जीने और स्वरोजगार द्वारा आत्मनिर्भरता की राह चुनने पर बल दिया था। गोपाल कृष्ण गोखले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सर्वेंट्स ऑफ इंडियन सोसाइटी के संस्थापक थे और उन्हें महात्मा गांधी के गुरु के रूप में जाना जाता है

आज भारत सहित दुनिया भर में शहीदी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। यह दिवस भारतीय स्वाधीनता के लिए महात्मा गांधी के अभूतपूर्व रणनीतिक प्रयासों, आंदोलनों के माध्यम से भारतीय जनमानस को एकजुट होने और उनके बलिदान की स्मृति में श्रद्धांजलि देने के दिन के रूप में भी अत्यधिक महत्व रखता है। आज का दिन अहिंसा, सत्य और न्याय के प्रति उन मूल्यों के महत्व को रेखांकित करता है, जिनका बापू जी ने मृत्यु पर्यन्त पालन किया था। इसके साथ ही 30 जनवरी का दिन उन शहीदों के सम्मान के रूप में भी मनाया जाता है जिन्होंने नए भारत के निर्माण के लिए अपना बलिदान दिया था। नवीन भारत के अस्तित्व को साकार रूप देने में गांधी जी की भूमिका और वैश्विक मंच पर उनका प्रभाव उन्हें भारतीय इतिहास में एक महान व्यक्तित्व बनाता है, जो अहिंसा, न्याय और स्वतंत्रता की खोज में नैतिक साहस और अहिंसक प्रतिरोध की शक्ति का प्रतीक भी है। भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में वे एक प्रमुख शख्सियत थे, जिन्होंने प्रतिरोध के शक्तिशाली साधनों के रूप में अहिंसा और सविनय अवज्ञा की न केवल वकालत की थी, अपितु उसे मूर्त रूप भी दिया।

इतिहास गवाह है कि 1910 के दशक के प्रारंभ से 1947 तक का गांधीवादी कालखंड भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में एक महत्वपूर्ण समय था। यह मोहनदास करमचंद गांधी के नेतृत्व और सिद्धांतों की विशेषता थी, जिस वजह से उन्हें महात्मा गांधी के नाम से जाना जाता है। यद्यपि मोहनदास करमचंद गांधी को 'महात्मा' की उपाधि बंगाली कवि, लेखक और दार्शनिक रवींद्रनाथ टैगोर ने दी थी। बापू जी ने जीवन भर जिन सिद्धांतों का पालन किया और सिखाया, उनमें अहिंसा, सत्य, ब्रह्मचर्य, अस्तेय, अपरिग्रह, शरीराश्रम, अस्वदा, अभय, सर्व-धर्म-समानत्व, स्वदेशी और अस्पृश्यता निवारण प्रमुख हैं। जब बात गांधीवाद की आती है तो महात्मा गांधी के आदर्शों, विश्वासों एवं दर्शन से निकले विचारों के संग्रह को ही गांधीवाद के नाम से जाना जाता है। गांधीजी एक उदारवादी व्यक्ति थे और सत्य बोलना, चोरी नहीं करना, दूसरे के दुःख में शामिल होना, दूसरों की सहायता एवं भलाई करना आदि मानवीय मूल्यों पर विश्वास करते थे। गांधीजी ने अपने पूरे जीवन में निस्वार्थ भावना, विनम्रता, सेवा, अहिंसा और सत्यता के शाश्वत मूल्यों को अपनाया और उन्हें जिया। गांधी जी की नेतृत्व शैली का मतलब सत्ता पर काबिज होना नहीं था, बल्कि दूसरों को सशक्त बनाना और आगे बढ़ाना था। वे सर्वोदय में विश्वास रखते थे, जिसका अभिप्राय सभी का उत्थान था और अक्सर वे समुदाय की भलाई को अपनी भलाई से ऊपर रखते थे। इसका एक उदाहरण 1947 में कलकत्ता में सांप्रदायिक हिंसा को रोकने के लिए किया गया उनका उपवास है। उनका दृढ़ विश्वास था कि अहिंसा सबसे बड़ा हथियार है और हमें अहिंसा की भावना को अवश्य समझना चाहिए और जहां तक संभव हो, हिंसा से दूर रहकर मानवता का पालन करना चाहिए। विद्यार्थियों के लिए उनकी सबसे बड़ी सीख थी कि 'जिएं इस तरह से जैसे कि आपको कल ही मर जाना है और सीखें इस तरह से जैसे आपको सदा जीवित रहना है।' गांधी जी ने अहिंसा को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत माना और उनका मानना था कि अहिंसक व्यक्ति किसी को मानसिक या शारीरिक पीड़ा नहीं पहुंचा सकता है। जहां तक गांधीवाद, गांधी दर्शन अथवा गांधीवादी विचारधारा की बात है तो उसमें स्वराज, सांप्रदायिक सद्भाव और आत्मनिर्भरता को बहुत महत्व दिया गया है। गांधीवाद में राजनीतिक और आर्थिक शक्ति का विकेंद्रीकरण करना जरूरी माना गया है।

इसी तरह से गांधीवाद में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जरूरत के मुताबिक उपभोग पर जोर दिया गया है। गांधी दर्शन में स्वदेशी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने को प्राथमिकता दी गई है। गांधीवादी विचारधारा में सत्याग्रह के सिद्धांत को अपनाया गया है। सत्याग्रह आंदोलन की उनकी शैली से अंग्रेज सरकार भी झुकने को मजबूर हो गई थी। महात्मा गांधी ने सादा जीवन जीने और स्वरोजगार द्वारा आत्मनिर्भरता की राह चुनने पर बल दिया था। गोपाल कृष्ण गोखले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सर्वेंट्स ऑफ इंडियन सोसाइटी के संस्थापक थे और उन्हें महात्मा गांधी के गुरु के रूप में जाना जाता है। सैद्धांतिक रूप से गांधीजी भारत के विभाजन के खिलाफ थे क्योंकि इससे उनकी धार्मिक एकता की भावना के सिद्धांत को चोट पहुंचती थी। उन्होंने भारत के विभाजन के बारे में 6 अक्टूबर 1946 को अपने पत्र हरिजन में लिखा भी था कि मुस्लिम लीग द्वारा पाकिस्तान की मांग करना पूर्ण रूप से गैर-इस्लामी है एवं मुझे इसे पापपूर्ण मांग कहते हुए भी कोई संकोच नहीं है क्योंकि इस्लाम पूरी मानवता के भाईचारे एवं एकता का पक्षधर रहा है।

इसलिए जो भारत के टुकड़े करके दो धर्मों के लोगों को आपस में लड़ाना चाहते हैं, वे सही मायनों में न सिर्फ भारत, बल्कि इस्लाम के भी दुश्मन हैं। चाहे वे मेरे टुकड़े टुकड़े ही क्यों न कर दें, लेकिन वे मुझे किसी गलत चीज को सही मानने के लिए मजबूर नहीं कर सकते हैं। बापू जी भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार आज भी हमारे दिलो-दिमाग में बसे हुए हैं। हमारी युवा पीढ़ी को भी चाहिए कि वे महात्मा गांधी के विचारों और उनके नेतृत्व गुणों के बारे में स्वयं अध्ययन करें और फिर उनके बारे में अपने जहन में कोई राय बनाएं, न कि व्हाट्सएप की दुनिया की सुनी सुनाई झूठी बातों के प्रभाव में आकर दुष्प्रचार का हिस्सा बनें। जरूरत इस बात की भी है कि प्रत्येक भारतवासी उनके बताए मार्ग एवं सिद्धांतों का अनुसरण करे, अनुपालन करे और सदैव उनके बलिदान को याद रखे।

जीवन के 20 मिनट छीन रही एक सिगरेट

विजय गर्ग

आप जानते हैं कि महज एक सिगरेट, धूम्रपान करने वालों के जीवन के 20 मिनट छीन सकती है? बात हैरान करने वाली, लेकिन सच है। यूनिवर्सिटी कालेज लंदन से जुड़े वैज्ञानिकों ने शोध में पाया है कि एक सिगरेट धूम्रपान करने वाले व्यक्ति के जीवनकाल को करीब 20 मिनट तक कम कर सकती है। इस अध्ययन के नतीजे जर्नल एडिक्शन में प्रकाशित हुए हैं। इस अध्ययन में शोधकताओं ने यूके में धूम्रपान करने वालों के जीवनकाल की जांच की है।

शोध में सामने आया है कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा है। हालांकि यह एक ऐसा खतरा है जिसे टाला जा सकता है, लेकिन इसके बावजूद हर साल दुनिया में लाखों लोगों की जान धूम्रपान की वजह से जा रही है। वैश्विक स्तर पर देखें तो तंबाकू हर चार सेकंड में एक जिंदगी को लील रहा है। इसका मतलब की हर साल होने वाली 87 लाख मौतों के लिए कहीं न कहीं तंबाकू जिम्मेदार है। विडंबना देखिए कि इनमें से 13 लाख लोग वे है जो न चाहते हुए भी दूसरों द्वारा किए धूम्रपान के कारण पैदा हुए धुंए का शिकार बन जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मुताबिक दुनिया भर में 130 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। इनमें से 80 फीसदी निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रह रहे हैं। सिर्फ ब्रिटेन से जुड़े आंकड़ों पर नजर डालें तो वहां 65 लाख से अधिक लोग अभी भी धूम्रपान करते हैं। ऐसे में इस नए अध्ययन में यूनिवर्सिटी कालेज लंदन से जुड़े शोधकताओं ने लोगों को धूम्रपान छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते एक सिगरेट से होने वाले नुकसान को उजागर किया है। अपने अध्ययन में शोधकताओं ने पुरुषों के लिए ब्रिटिश डाक्टर्स स्टडी और महिलाओं के लिए मिलियन वूमन स्टडी के आंकड़ों का उपयोग किया है ताकि यह समझा जा सके कि धूम्रपान से उम्र पर क्या प्रभाव पड़ता है।

इस अध्ययन के जो नतीजे सामने आए हैं, उनसे पता चला है कि लंबे समय तक धूम्रपान करने वाले पुरुषों में महज एक सिगरेट पीने से जीवन प्रत्याशा 17 मिनट घट जाती है। वहीं महिलाओं में इसकी वजह से जीवन के 22 मिनट कम हो जाते हैं।

उन्होंने यह भी पाया है कि दोनों स्रोतों से प्राप्त आंकड़े पिछले निष्कर्षों की भी पुष्टि करते हैं। गौरतलब है कि इन निष्कर्षों में दशार्या गया है कि धूम्रपान से होने वाला नुकसान समय के साथ बढ़ जाता है। वहीं धूम्रपान छोड़ने से होने वाले लाभ स्वास्थ्य की मौजूदा स्थिति, आयु और एक व्यक्ति हर दिन कितनी सिगरेट पीता है, जैसे कारकों पर निर्भर करते हैं।

एक अन्य अध्ययन से पता चला है कि धूम्रपान करने से मस्तिष्क सिकुड़ सकता है। अध्ययन के मुताबिक धूम्रपान की लत दिमाग को समय से पहले बूढ़ा बना सकती है। इसी तरह एक दूसरे अध्ययन से पता चला है कि धूम्रपान न करने वालों की तुलना में इसकी लत का शिकार लोगों को अपनी याददाश्त, सोचने-समझने, बोलने, सीखने और निर्णय लेने जैसे दिमागी कौशल में 85 फीसदी से अधिक की गिरावट का सामना करना पड़ सकता है।

रेल और आम बजट को क्यों किया गया मर्ज, इससे क्या फायदा हुआ?

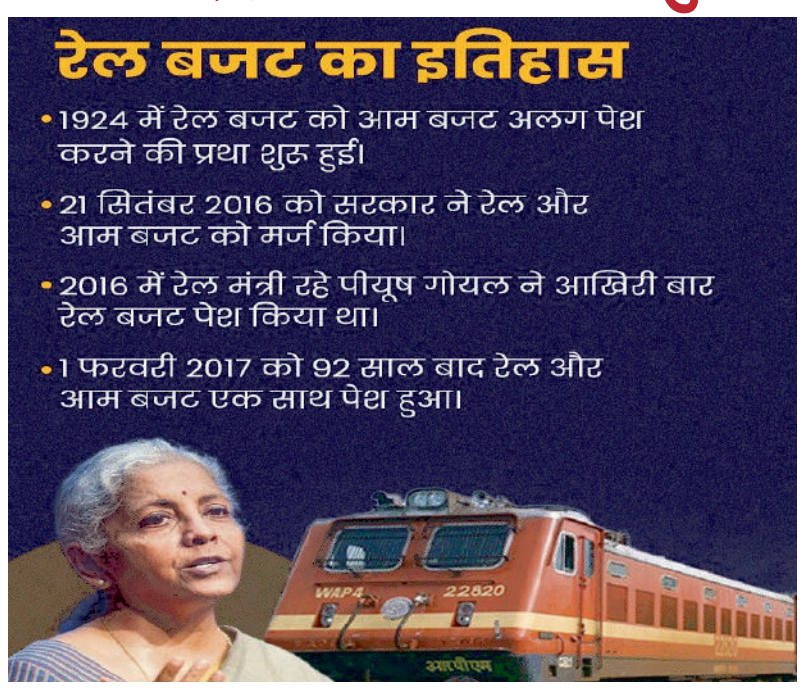

परिवहन विशेष न्यूज

रेल बजट का विलय 2017 से पहले रेल बजट और आम बजट को अलग-अलग पेश करने की परंपरा थी। यह सिलसिला 1924 से चला आ रहा था। लेकिन सरकार को समय के साथ रेलवे से फायदा की जगह नुकसान होने लगा। ऐसे में रेल बजट को अलग से पेश करने की परंपरा खत्म करने जरूरत महसूस हुई। सरकार ने 2017 में रेल बजट को आम बजट में मर्ज भी कर दिया।

नई दिल्ली। एक वक्त था, जब आम बजट और रेल बजट अलग-अलग पेश होते थे। रेल बजट की अहमियत भी काफी ज्यादा थी, क्योंकि रेलवे सरकार के लिए राजस्व का बड़ा स्रोत थी। इसमें नई ट्रेन चलाने और पटरियां बिछाने जैसे एलान होते थे। अगर रेल किराये में कमी या इजाफा करना होता था, तो उसकी घोषणा भी रेल बजट में भी होती थी। लेकिन, साल 2017 से यूनियन बजट और रेल बजट को एक ही में मर्ज (Railway Budget Merged) कर दिया गया।

1924 में शुरू हुआ था रेल बजट

ईस्ट इंडिया रेलवे कमेटी के चेयरमैन सर विलियम एक्वर्थ 1921 में रेलवे के लिए बेहतर मैनेजमेंट सिस्टम पेश किया था। उनकी एकवर्थ कमेटी ने रेल बजट को अलग से पेश करने की सिफारिश की थी। ब्रिटिश हुकूमत ने रेल बजट की शुरुआत 1924 में की। तब से लेकर साल 2016 तक रेल बजट अलग से पेश होता था। आजादी के बाद पहला रेल बजट 1947 में देश के पहले रेल मंत्री जॉन मथाई ने पेश किया था। 2016 में रेल मंत्री रहे पीयूष गोयल ने आखिरी बार रेल बजट पेश किया था।

रेल बजट को खत्म क्यों किया गया?

ब्रिटिश सरकार ने जब रेल बजट को अलग पेश करने का फैसला किया था, तो उस वक्त रेलवे उसकी आमदनी का सबसे बड़ा जरिया था। तब आज की तरह सड़कों का जाल नहीं था। हवाई जहाज और बस-कार जैसे यात्रा के दूसरे सुलभ साधन भी नहीं थे। जब ये साधन बढ़े, तो सरकार की रेलवे से कमाई घटने लगी। यहां तक कि उसे रेलवे के संचालन से नुकसान तक भी होने लगा।

1970 के दशक तक रेलवे बजट का कुल राजस्व में योगदान 30 फीसदी तक था। लेकिन, 2015-16 तक यह घटकर 11.5 प्रतिशत पर आ गया। ऐसे में कई एक्सपर्ट के साथ सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग ने भी रेल बजट को अलग से पेश करने की परंपरा खत्म करने का सुझाव दिया, जिसे सरकार ने 2016 में मान भी लिया।

रेल और आम बजट का विलय कब हुआ?

केंद्र सरकार ने 21 सितंबर 2016 को रेल बजट को आम बजट के साथ मर्ज करने की मंजूरी दे दी। दिवंगत अरुण जेटली उस समय वित्त मंत्री थे। उन्होंने 1 फरवरी, 2017 को आजाद भारत का पहला संयुक्त बजट पेश किया, जिसमें रेल और आम बजट एक साथ शामिल थे। इस तरह रेल बजट को अलग पेश करने की 92 साल पुरानी प्रथा खत्म हो गई।

रेल बजट को आम बजट में मर्ज करने से सरकार का काफी समय बचने लगा, जो इसकी तैयारी और संसद में चर्चा पर लगता था। इससे रेलवे को भी फायदा हुआ, क्योंकि उसे सरकार को डिविडेंड देने की जरूरत खत्म हो गई। इस बदलाव के बाद रेलवे अपनी जरूरतों को ज्यादा बेहतर तरीके से मैनेज करने लगी। साथ ही, रेल बजट में लोकलुभावन योजनाओं का एलान भी रुक गया, जो कई बार अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह होता था।

मोदी सरकार ने हेवी मोलासीस का खरीद मूल्य बढ़ाया, क्या किसानों को होगा फायदा?

परिवहन विशेष न्यूज

सरकार ने पिछले इथेनॉल सप्लाई वर्ष में इथेनॉल की खरीद के लिए किसानों को 40 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया है। इथेनॉल मिश्रण करने से देश को वर्ष 2014-15 से वर्ष 2023-24 तक 113000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत की गई है। इससे देश के पर्यावरण में 578 लाख मैट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन को रोकने में मदद मिली है।

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बुधवार को अपनी बैठक में पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने के लिए खरीद की जाने वाली हेवी मोलासीस की खरीद मूल्य को 56.58 रुपये प्रति लीटर से बढ़ा कर 57.97 रुपये प्रति लीटर कर दिया है।

हेवी मोलासीस (Heavy Molasses) की दो श्रेणी हैं, सी और बी। खरीद कीमत सिर्फ सी श्रेणी की मोलासीस की बढ़ाई गई है। बी श्रेणी की हेवी मोलासीस और गन्ने के जूस, चीनी या शुगर सिरप की खरीद की कीमत क्रमशः 60.73 रुपये प्रति लीटर और 65.61 रुपये प्रति लीटर रहने दिया गया है। यह कीमत 31 अक्टूबर, 2025 तक के लिए लागू है।

20 फीसदी इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य जल्दी पूरा होगा

पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने पेट्रोल में 20 फीसद इथेनॉल मिलाने की योजना के लक्ष्य को 2030-31 से घटा कर 2025-26 कर दिया है। अभी पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 18 फीसद इथेनॉल का मिश्रण पेट्रोल में किया जा रहा है।

किसानों को 40 हजार करोड़ रुपये का भुगतान मिला

सरकार का कहना है कि पिछले इथेनॉल सप्लाई वर्ष में इथेनॉल की खरीद के लिए किसानों को 40 हजार करोड़ रुपये की अदाएगी की गई है। इथेनॉल मिश्रण करने से देश को वर्ष 2014-15 से वर्ष 2023-24 तक 1,13,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत की गई है। इससे देश के पर्यावरण में 578 लाख मैट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन को रोकने में मदद मिली है।

सरकार के पास 1 लाख करोड़ की राहत देने का मौका; इनकम टैक्स छूट मिलेगी या रोजगार पर होगा फोकस?

वित्तीय जानकारों के मुताबिक राजकोषीय घाटे के साथ पूंजीगत खर्च में कमी से सरकार के पास एक लाख करोड़ रुपये तक की वित्तीय गुंजाइश है। इससे सरकार इनकम टैक्स की नई व्यवस्था के तहत स्टैंडर्ड डिडक्शन की छूट की सीमा बढ़ा सकती है। गरीब व किसान से जुड़ी पीएम-किसान मनरेगा जैसी स्कीम के तहत भी आवंटन में बढ़ोतरी की जा सकती है ताकि खपत बढ़ाई जा सके।

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटे में कमी और अनुमान से कम पूंजीगत खर्च के रहने से आगामी बजट में सरकार के पास लोगों को एक लाख करोड़ तक की राहत देने की गुंजाइश दिख रही है। यह राहत इनकम टैक्स में छूट से लेकर रोजगार से जुड़ी स्कीम में दी जा सकती है। एक फरवरी को आगामी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करेंगी।

चालू वित्त वर्ष में पूंजीगत खर्च के मद में बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया गया था, लेकिन इस साल अप्रैल से नवंबर तक इस आवंटन का 46 प्रतिशत ही खर्च किया गया है। पूंजीगत खर्च कम रहने और राजस्व संग्रह में बढ़ोतरी से चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा बजट अनुमान से कम रह सकता है। बजट में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था, लेकिन अब राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.7 प्रतिशत रह सकता है।

सरकार के पास हैं 1 लाख करोड़ रुपये

एचडीएफसी बैंक की प्रमुख अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता के मुताबिक राजकोषीय घाटे के साथ पूंजीगत खर्च में कमी से सरकार के पास एक लाख करोड़ रुपए तक की वित्तीय गुंजाइश है। उन्होंने बताया कि सरकार इनकम टैक्स की नई व्यवस्था के तहत स्टैंडर्ड डिडक्शन की छूट की सीमा बढ़ा सकती है। गरीब व किसान से जुड़ी पीएम-किसान, मनरेगा जैसी स्कीम के तहत भी आवंटन में बढ़ोतरी की जा सकती है ताकि खपत बढ़ाई जा सके।

चालू वित्त वर्ष में राजस्व प्राप्ति में बढ़ोतरी से भी टैक्स छूट से लेकर अन्य स्कीम के माध्यम से लोगों की खर्च क्षमता बढ़ाने में सरकार को मदद मिलेगी। राजस्व उगाही के लिए विनिवेश के मोर्चे पर निराशा के बावजूद चालू वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह में मजबूती से 32 लाख करोड़ की राजस्व प्राप्ति का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष में टैक्स का संग्रह जीडीपी के अनुपात में 11.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है जबकि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह अनुपात 11.7 प्रतिशत का था।

कर्ज और ब्याज भुगतान में भी हो रही है कमी

आर्थिक जानकारों के मुताबिक जीडीपी के मुकाबले भारत के कर्ज का अनुपात भी कम हो रहा है। कोरोना काल में सरकार का कुल कर्ज जीडीपी का 88.4 प्रतिशत तक पहुंच गया था जो पिछले वित्त वर्ष में 83 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया है। कोरोना महामारी के बावजूद वर्ष 2015-23 के दौरान देश की सरकार पर कर्ज की बढ़ोतरी दर 2.1 प्रतिशत है जबकि चीन की सरकार पर पिछले आठ सालों में कर्ज के बोझ में नौ प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

राजस्व प्राप्ति में ब्याज भुगतान की हिस्सेदारी भी कम हो रही है। कोरोना काल के दौरान वित्त वर्ष 2020-21 में राजस्व प्राप्ति का 41.6 प्रतिशत हिस्सा ब्याज भुगतान में चला जाता था जो चालू वित्त वर्ष में 37.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

प्रयागराज के लिए अब मिलेगा सस्ता हवाई टिकट? सरकार बोली- किराया घटाएं एयरलाइंस

परिवहन विशेष न्यूज

प्रयागराज के लिए हवाई टिकटों की मांग काफी ज्यादा बढ़ गई है क्योंकि अधिक से अधिक श्रद्धालु महाकुंभ का हिस्सा बनना चाहते हैं। हालांकि अभी एयरलाइंस के पास डिमांड के मुकाबले काफी कम फ्लाइट और सीटें उपलब्ध हैं। इसलिए विमानन कंपनियों ने हवाई किराया बढ़ा दिया है। इस पर सरकार ने चिंता जताई है। उसने विमानन रेगुलेटर DGCA से किराया कम कराने के लिए कहा है।

नई दिल्ली। महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या काफी ज्यादा बढ़ गई है। इनमें से बहुत-से श्रद्धालु हवाई रास्ते से जा रहे हैं। इस बढ़ी डिमांड का फायदा उठाने के लिए विमानन कंपनियों ने हवाई किराये में इजाफा कर दिया है। इस पर सरकार ने चिंता जताई है। प्रयागराज में 26 फरवरी तक महाकुंभ मेला रहेगा।

उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रयागराज के लिए 'अत्यधिक' हवाई किराये पर चिंता जताई है। उन्होंने किराये में कमी करने की मांग करते हुए विमानन नियामक डीजीसीए को पत्र लिखा है। जोशी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ₹प्रयागराज के लिए हवाई किराया काफी अधिक है। इससे श्रद्घालुओं के लिए महाकुंभ में भाग लेना मुश्किल हो रहा है।'

प्रयागराज के लिए कितना बढ़ा हवाई किराया?

इस महीने की शुरुआत में ट्रैवल पोर्टल ixigo ने कहा कि प्रयागराज के लिए उड़ानों की बुकिंग के साथ-साथ हवाई किराए में भी कई गुना वृद्धि हुई है। इसकी वजह महाकुंभ के लिए प्रयागराज का सफर करने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ी संख्या है। दिल्ली-प्रयागराज उड़ानों के लिए हवाई टिकट की कीमतें 21 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं।

नागरिक विमानन मंत्रालय का क्या कहना है?

नागरिक विमानन मंत्रालय ने प्रयागराज के लिए बढ़े हवाई किराये मामले में दखल दिया है। उसने सोमवार (27 जनवरी) को कहा था कि हवाई किराए को तर्कसंगत बनाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। डीजीसीए के अधिकारियों ने पिछले हफ्ते एयरलाइन प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग की थी। इसमें उनसे अधिक उड़ानें जोड़ने और टिकट की कीमतों को तर्कसंगत बनाने की अपील की गई थी।

कौन घटाता-बढ़ाता है हवाई किराया?

मौजूदा नियमों के तहत विमानन कंपनियां हवाई किराये को खुद तय करती हैं। इस पर सरकार नियंत्रण नहीं होता है। हालांकि, सरकार किराये में ज्यादा बढ़ोतरी होने पर विमान कंपनियों को किराया घटाने की सलाह दे देती है। पिछले साल दीवाली के समय भी एयरलाइंस ने हवाई किराया काफी बढ़ा दिया था। उस वक्त एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू ने कंपनियों से किराया घटाने को कहा था। हालांकि, कंपनियां सरकार की सलाह मानने के लिए बाध्य नहीं हैं।

प्रयागराज के लिए कितनी उड़ानें चल रही हैं?

प्रयागराज के लिए फिलहाल लगभग 80,000 मासिक सीटों के साथ 132 उड़ानें संचालित हो रही हैं। यह पिछले महीने आठ की तुलना में अब 17 शहरों से सीधे जुड़ा हुआ है। हालांकि, प्रयागराज के लिए हवाई टिकटों की मांग काफी ज्यादा बढ़ गई है, क्योंकि अधिक से अधिक श्रद्धालु महाकुंभ का हिस्सा बनना चाहते हैं। हालांकि, अभी एयरलाइंस के पास डिमांड के मुकाबले काफी कम फ्लाइट और सीटें उपलब्ध हैं।

विदेश में क्रिटिकल मिनरल माइंस की खरीद बढ़ाएंगी भारतीय कंपनियां, चीन के दबदबे को मिलेगी चुनौती

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्र सरकार ने पहले 24 तरह के खनिजों को क्रिटिकल मिनरल्स घोषित कर रखा है। इसमें ग्रेफाइट लिथियम निकल नाओबियम गैलियम कोबाल्ट कैडीमियम जैसे खनिज हैं। इनमें से कुछ खनिजों के भंडार भारत में है जबकि कई सिर्फ विदेशों में पाये जाते हैं। चीन कई वर्षो से अफ्रीका से लेकर दक्षिण अमेरिकी महादेश के देशों इस तरह के खनिज भंडारों का अधिग्रहण कर रहा है।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रौद्योगिक आधारित उद्योगों जैसे इलेक्ट्रिक वाहनों, सोलर पैनल्स, सेमीकंडक्टर, कंप्यूटिंग आदि में बहुमूल्य धातुओं (क्रिटिकल मिनरल्स) की जरूरत को देखते हुए 16,300 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनिरल्स मिशन (एनसीसीएम) को मंजूरी दी है। इस मिशन के गठन की घोषणा जुलाई, 2024 में आम बजट में की गई थी।

पीएम नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में मिशन के गठन का फैसला किया गया जिसका भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की कोशिश में अहम योगदान हो सकता है। यह मिशन देश की सरकारी व निजी कंपनियों को बहुमूल्य धातुओं से संपन्न देशों में इनके खानों को खरीदने या अधिग्रहण करने में आर्थिक व दूसरी मदद देगा। अभी इन धातुओं के खदानों के अधिग्रहण के मामले में चीन वैश्विक लीडर है। भारत इस बारे में अमेरिका, आस्ट्रेलिया समेत कई दूसरे देशों के साथ सहयोग स्थापित कर रहा है।

6 साल तक चलेगा मिशन

कैबिनेट के फैसले के बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एनसीसीएम की अवधि वर्ष 2025 से वर्ष 2031 तक के लिए होगी। इसे खनन मंत्रालय लागू करेगा। 16,300 करोड़ रुपये में बजटीय योगदान 2600 करोड़ रुपये की होगी जबकि शेष राशि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां करेंगी। इसके अलावा सरकारी कंपनियों की तरफ से क्रिटिकल मिनिरल्स क्षेत्र में 18,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश होने की संभावना है।

मिशन सिर्फ खानों व खनिजों की खरीद की ही नहीं बल्कि इसके लिए देश में आवश्यक प्रशिक्षित श्रम तैयार करने, वित्तीय इकोसिस्टम बनाने का भी काम करेगा। देश में कितनी खनिजों की जरूरत है और इसकी मांग में कितनी वृद्धि होगी, इसका आकलन करना और इसे पूरा करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर सलाह देने का भी काम करेगा।

24 तरह के खनिज क्रिटिकल मिनरल्स

सनद रहे कि केंद्र सरकार ने पहले 24 तरह के खनिजों को क्रिटिकल मिनरल्स घोषित कर रखा है। इसमें ग्रेफाइट, लिथियम, निकल, नाओबियम, गैलियम, कोबाल्ट, कैडीमियम जैसे खनिज हैं। इनमें से कुछ खनिजों के भंडार भारत में है जबकि कई सिर्फ विदेशों में पाये जाते हैं। चीन कई वर्षो से अफ्रीका से लेकर दक्षिण अमेरिकी महादेश के देशों इस तरह के खनिज भंडारों का अधिग्रहण कर रहा है।

यह भी बताते चलें कि पहले से ही भारत सरकार की मदद से 1200 खनन परियोजनाओं पर काम चल रहा है। क्रिटिकल माइंस की खोज घरेलू स्तर पर तेज की गई है और वर्ष 2030-31 तक 100 खनिज भंडारों की नीलामी करने का लक्ष्य रखा गया है। हाल ही लद्दाख क्षेत्र में कुछ बेहद उत्साहजनक रिपोर्टें भी आई हैं।

'जितना गिन सको, उतना ले जाओ', चीन की इस कंपनी ने गजब तरीके से बांटा बोनस

परिवहन विशेष न्यूज

चीनी फर्म चीन की हेनान माइनिंग क्रेन द्वारा अनूठी बोनस योजना ने अपने कर्मचारियों को साल के आखिर का बोनस दिया है। उसने मेज पर ढेर सारा कैश रखा और फिर कर्मचारियों से कहा गया कि वे जितना पैसे गिन लेंगे उतना घर ले जा सकेंगे। कंपनी ने कर्मचारियों को अधिकतम 15 मिनट का समय दिया। बोनस बांटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

नई दिल्ली। चीन की एक क्रेन कंपनी ने अपने कर्मचारियों को कथित तौर पर 11 मिलियन डॉलर (लगभग 70 करोड़ रुपये) का बोनस ऑफर किया। इसे पाने की बस एक ही शर्त थी, 'आप उतना ही घर ले जाएं, जितना आप गिन सकें।'

कौन है कंपनी, क्या है पूरा मामला?

चीन की Henan Mining Crane Co. Ltd ने हाल ही में अपने कर्मचारियों को साल के आखिर का बोनस दिया। उसने मेज पर ढेर सारा कैश रखा। फिर कर्मचारियों से कहा गया कि वे जितना पैसे गिन लेंगे, उतना घर ले जा सकेंगे। कंपनी ने बोनस का लाभ उठाने के लिए कर्मचारियों को अधिकतम 15 मिनट का समय दिया।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

इस अनोखे बोनस के वीडियो को सबसे पहले चीन की Douyin और Weibo जैसी सोशल मीडिया साइट्स पर शेयर किया गया। वहां वायरल होने के बाद यह ग्लोबल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी छा गया। इस वायरल क्लिप में एक बड़ी सी टेबल पर ढेर सारे पैसे रखे हुए थे। कर्मचारी जितना हो सके, उतना पैसा उठाते नजर आ रहे थे। एक कर्मचारी ने कथित तौर पर तय समय में 100,000 युआन यानी करीब 12.07 लाख रुपये जमा किए।

सोशल मीडिया यूजर के रिएक्शन

Henan Mining के बोनस बांटने के तरीके पर सोशल मीडिया यूजर अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ ने इस पर खुशी और हैरानी जताई। उन्होंने कंपनी की दरियादिली की भी तारीफ की। वहीं, कुछ अन्य इस कॉन्सेप्ट की आलोचना की और इसे अपमानजनक भी बताया।

एक यूजर ने लिखा, 'यह असल में कर्मचारियों का हौसला बढ़ाने वाली पहल है। इससे वे और बेहतर करने के लिए प्रेरित होंगे।' एक अन्य ने कहा, 'मेरी हमेशा से ऐसे ही बोनस पाने की हसरत थी, लेकिन अफसोस यह किसी और कंपनी में सच हो रही है।'

एक यूजर ने बोनस बांटने के तरीके की आलोचना की। उसने लिखा, 'यह अपमानजनक है। आपने बोनस बांटने को एकदम सर्कस बना दिया। इससे अच्छा होता कि आप पैसों को सीधे वर्कर्स के अकाउंट में जमा करते।' एक यूजर ने कमेंट किया, ₹क्या ये स्क्विड गेम है?₹ स्क्विड गेम एक चर्चित साउथ कोरियाई वेब सीरीज है। इसकी कहानी पैसे को लेकर चलने वाले एक गेम के इर्द-गिर्द घूमती है।

बोनस के लिए मशहूर है हेनान

यह पहली बार नहीं था, जब हेनान माइनिंग क्रेन कंपनी ने अपने दरियादिल बोनस के लिए सुर्खियों में आई है। कंपनी ने 2023 में भी अपने सालाना डिनर के दौरान अपने कर्मचारियों को बड़ी मात्रा में कैश दिया था। इससे कर्मचारियों को शानदार तरीके से इनाम देने वाली कंपनी के रूप में इसकी प्रतिष्ठा मजबूत हो रही है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है गौवंश !

हाल ही में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेला के दौरान मौनी अमावस्या के दिन मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई। वहीं, इस दर्दनाक हादसे में 90 लोग घायल हो गए। दरअसल,संगम तट से पहले बने द्वार के पास रात करीब 1 बजे भगदड़ की स्थिति बनी। वास्तव में, कई श्रद्धालुओं की मौत और घायल होने से यकायक मेला स्थल पर अफरातफरी मच गई। हालांकि,पुलिस, प्रशासन, आपदा प्रबंधन की टीम ने तत्परता दिखाते हुए राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया और स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन जो हुआ है वह बहुत ही दुखद है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि हाल ही में 28 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया के सियोल के इटावन में हैलोवीन कार्यक्रम के दौरान 150 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और 2 अक्टूबर को इंडोनेशिया के मलंग में एक फुटबॉल मैच के बाद 130 से अधिक लोगों की मौत का कारण बनी भगदड़ से पता चलता है कि भगदड़ कितनी खतरनाक होती है। वास्तव में किसी भगदड़ में मौत का सबसे आम कारण कंप्रेसिव एस्फिक्सिया को माना जाता है, जो एक खतरनाक स्थिति है, यह तब होती है जब शरीर पर बाहरी दबाव के कारण सांस लेना बंद हो जाता है। पाठकों को जानकारी के लिए बताता चलूं कि महाकुंभ में स्नान के लिए 45 घाट बनाए गए हैं, लेकिन लोग मुख्य संगम पर ही स्नान करने की जिद करने लगे, जिससे भीड़ एक दूसरे को धक्का देते हुए आगे बढ़ने लगी और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगे हुए बैरिकेटिंग टूटने लगे। बताया जा रहा है कुछ महिलाओं का दम घुटने लगा और वह नीचे गिरने लगी, जिससे भगदड़ और बढ़ गई और चीख पुकार मचने लगी। घटनास्थल का वह मंजर बड़ा ही भयावह था। वास्तव में,भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता या अभाव की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। अक्सर भगदड़ किसी अफवाह के कारण पैदा होती है और भगदड़ में लोग दिशाहीन होकर इधर-उधर भागने लगते हैं, जिसके परिणामस्वरूप दम घुटने व कुचलने से चोटिल होने एवं मृत्यु की घटनाएँ होती हैं। अक्सर भगदड़ मचने के पीछे जो कारण निहित होते हैं उनमें क्रमशः मनोरंजन कार्यक्रम,एस्केलेटर और मूविंग वॉकवे, खाद्य वितरण, जुलूस, प्राकृतिक आपदाएँ, धार्मिक आयोजन, धार्मिक / अन्य आयोजनों के दौरान आग लगने की घटनाएँ, दंगे, खेल आयोजन, मौसम संबंधी घटनाएँ आदि शामिल होते हैं। बैरिकेड्स, अवरोध, अस्थायी पुल, अस्थायी संरचनाएँ और पुल की रेलिंग का गिरना, दुर्गम क्षेत्र (पहाड़ियों की चोटी पर स्थित धार्मिक स्थल जहाँ पहुँचना मुश्किल है), फिसलन युक्त या कीचड़ युक्त मार्ग, संकरी गलियाँ एवं संकरी सीढ़ियाँ, खराब सुरक्षा रेलिंग, कम रोशनी वाली सीढ़ियाँ, बिना खिड़की वाली संरचना, संकीर्ण एवं बहुत कम प्रवेश या निकास स्थान, आपातकालीन निकास का अभाव भी बहुत बार भगदड़ के कारण बन सकते हैं। अप्रभावी भीड़ प्रबंधन तो भगदड़ मचने का कारण है ही। बहुत बार यह देखा जाता है कि किसी एक प्रमुख निकास मार्ग पर ही लोगों की निर्भरता होती है ,जो भगदड़ का कारण बन जाती है। आज अक्सर यह भी देखने को मिलता है कि किसी कार्यक्रम विशेष के लिए क्षमता से अधिक लोगों को अनुमति दे दी जाती है। बहुत से स्थानों पर उचित सार्वजनिक संबोधन प्रणाली का भी अभाव होता है, जिससे सूचना देने में दिक्कत आती है। भीड़ अनेक बार गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार अपनाती है और सुरक्षा नियमों का ठीक से पालन नहीं करती है। आग या बिजली का प्रसार भी अनेक बार भगदड़ मचने का कारण बन सकता है। इसलिए सुरक्षा और निगरानी के उपाय पुख्ता होने चाहिए। सुरक्षाकर्मियों की नियुक्ति से पूर्व रिहर्सल प्रैक्टिस भी की जानी चाहिए ताकि भगदड़ आदि के समय सुरक्षा उपायों को तुरंत किया जा सके। सीसीटीवी, आधुनिक तकनीक को भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है।पुलिस प्रशासन, अग्निशमन सेवा, चिकित्सा सेवा एजेंसियों और आयोजक प्रबंधन के बीच समन्वय होना भी बहुत ही जरूरी और आवश्यक है। संचार व्यवस्थाएं भी अच्छी और सुदृढ़ होनी चाहिए। भगदड़ से बचने के लिए भगदड़ वाले स्थानों पर आगमन एवं निकास की समुचित व्यवस्था (पुरूष एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग) यथा बैरिकेडिंग की व्यवस्था होनी चाहिए।चिकित्सा दल एवं एम्बुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था, बिजली के तारों एवं उपकरणों में सुरक्षा के पूर्ण उपायों की व्यवस्था, पार्किंग की समुचित एवं सुचारू व्यवस्था, नियंत्रण कक्ष, पर्याप्त रौशनी,वॉच टावर की व्यवस्था होनी चाहिए। इतना ही नहीं

उपहार, भोजन, प्रसाद, कबंल आदि मुफत वितरण के दौरान भगदड़ रोकने की व्यवस्था की जाए एवं अधिक भीड़ होने पर सामग्री के विवरण पर प्रतिबंध लगाने हेतु आयोजकों के पर्याप्त निर्देश दिए जाने चाहिए। किसी भी स्थान पर अनावश्यक रूप से एक स्थान पर भीड़ नहीं लगानी चाहिए।छोटे बच्चों, महिलाओं, बीमारों या वृद्धों को मेले में ले जाते समय उनकी जेब में (या गले में लॉकेट की तरह) घर का पता और फोन नम्बर साथ रखा जाना चाहिए।भगदड़ के समय संयम पूर्ण व्यवहार करना चाहिए और घबराना नहीं चाहिए।किसी भी आपात स्थिति में तत्काल नियंत्रण कक्ष में संपर्क स्थापित करने के प्रयास किए जाने चाहिए।भीड़ वाले स्थान पर किसी भी प्रकार के पटाखे/ज्वलनशील पदार्थ नहीं ले जाना चाहिए तथा धूमपान नहीं करना चाहिए।प्रशासन की ओर से की जाने वाली घोषणाओं को ध्यान से सुनना चाहिए और उसके अनुसार व्यवहार करना चाहिए। यदि भीड़ में फंस जाएं तो किनारा ढूंढना चाहिए और किसी दीवार और पोल के सहारे खड़े हो जाना चाहिए। ऐसी स्थिति में भीड़ में फंसने का डर कम रहता है। सीने और लंग्स को दबने से बचाना चाहिए। इमरजेंसी नंबर भी हर किसी के पास होने बहुत ही जरूरी हैं। यदि हम इन एहतियाती उपायों को अपनाएं तो भगदड़ से बचा जा सकता है।

-सुनील कुमार महला

प्रयागराज भगदड़: प्रशासनिक लापरवाही या भक्तों का उन्माद

एक पौराणिक शहर की सीमाओं पर विचार करना चाहिए, जिसे अपनी धार्मिक विरासत को बनाए रखते हुए आठ करोड़ लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। दस लोगों के लिए डिज़ाइन की गई जगह में सौ लोग कैसे रह सकते हैं? यह विचार करने के लिए एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। इसके अलावा, वीवीआईपी संस्कृति और सरकार के मुनाफे की खोज, जिसमें राजस्व के लिए हर उपलब्ध भूमि को पट्टे पर देना और बिचौलियों को शामिल करना शामिल है, के बीच का सम्बंध मामले को और जटिल बनाता है। यह धार्मिक भक्ति का मामला है, प्रतिस्पर्धा या उन्माद का नहीं।

-प्रियंका सौरभ

प्रयागराज में हुई भगदड़ के बारे में सुनना दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की जान चली गई। यह घटना निस्संदेह विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मों पर व्यापक चर्चाओं को जन्म देगी। विपक्ष आलोचना करेगा, जबकि सरकार अपने कार्यों को सही ठहराने का प्रयास करेगी, लेकिन जो लोग मर चुके हैं उन्हें वापस नहीं लाया जा सकता। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। प्रयागराज में संगम तट पर वर्ष 2013 के कुंभ मेले के दौरान 10 फरवरी दिन रविवार को मौनी अमावस्या का स्नान था। कुचलने और गिरने से 35 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि दर्जनों लोग घायल हुए थे। जिनका अस्पताल में कई दिनों तक इलाज़ चला था। 1954 में मौनी अमावस्या के दिन नेहरू जी ने संगम में स्नान किया, जो इस मेले का मुख्य आकर्षण था। इस कुंभ मेले के दौरान एक दर्दनाक हादसा भी हुआ। मौनी अमावस्या के स्नान के समय, एक हाथी नियंत्रण से बाहर हो गया और भगदड़ मच गई। इस दुर्घटना में करीब 500 लोग मारे गए।

भगदड़ के बाद भीड़ को नियंत्रित करने और सूचना देने के लिए लाउडस्पीकर्स का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा, रात के समय मेले में रोशनी के लिए 1000 से अधिक स्ट्रीट लाइट्स लगाई गई थीं। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इसके बाद, कुंभ मेले में हाथियों के उपयोग पर हमेशा के लिए रोक लगा दी गई। अपने घर में छोटा-सा कार्यक्रम करिए उसको सकुशल संपन्न कराने में हवा निकल जाती है यहाँ तो पूरा विश्व आया हुआ है करोड़ों की संख्या में। एक पौराणिक शहर की सीमाओं पर विचार करना चाहिए, जिसे अपनी धार्मिक विरासत को बनाए रखते हुए आठ करोड़ लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। दस लोगों के लिए डिज़ाइन की गई जगह में सौ लोग कैसे रह सकते हैं? यह विचार करने के लिए एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। इसके अलावा, वीवीआईपी संस्कृति और सरकार के मुनाफे की खोज, जिसमें राजस्व के लिए हर उपलब्ध भूमि को पट्टे पर देना और बिचौलियों को शामिल करना शामिल है, के बीच का सम्बंध मामले को और जटिल बनाता है। यह धार्मिक भक्ति का मामला है, प्रतिस्पर्धा या उन्माद का नहीं।

कुछ लोग इसे प्रशासन की नाकामी बता रहे हैं। लिखना और आलोचना करना बहुत आसान है लेकिन जहाँ पर लाखों, करोड़ों लोगों की भीड़ हो ओर उसमें भी बहुत बड़ी संख्या में बुजुर्ग हो। घाटों पर जहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान कर रहे हो, बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान करके बाहर निकल रहे हो और बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम स्नान करने जा रहे हों। हादसे की संभावना बनी रहती है और अफ़सोस हादसा हो ही गया। हमेशा याद रखें। प्रशासन एक-एक का हाथ पड़कर स्नान नहीं करवा सकता। हादसा कहीं भी हो सकता है। ना इसमें पूरा प्रशासन का दोष है और ना ही इसे विपक्ष की साज़िश कहा जा सकता है। यह महज़ एक हादसा है। हादसे के बाद पूरे संगम क्षेत्र में स्थिति बिलकुल सामान्य है लेकिन मीडिया अपने टीआरपी के लिए सनसनी पैदा कर रहा है। जबकि मीडिया की जिम्मेवारी है कि वह घटना (भगदड़) की वज़ह की रिपोर्टिंग पर करें।

इसके अतिरिक्त लोग महाकुम्भ में जिस श्रद्धा आस्था के साथ आएँ हैं, उसी श्रद्धा पूर्वक उन्हें कर्तव्यबोध भी रहे। सरकार के नियम, अनुशासन, चेतावनी का उसी आस्था से पालन करे। जब अयोध्या और काशी में आशातीत भीड़ हो गई है तो प्रयागराज में महाकुंभ में सम्मिलित श्रद्धालुओं की संख्या का अनुमान भी नहीं किया जा सकता। सभी लोग त्रिवेणी संगम में ही स्नान के लिए हठ न करें, चालीस किलोमीटर इधर और उधर, यानी अस्सी किलोमीटर तक फैला हुआ स्नान घाट बनाया गया है। वहीं स्नान कर कृपया व्यवस्था में सहयोग बनाएँ।

ऐसा लगता है कि सरकार ख़ुद को सर्वश्रेष्ठ आयोजक के रूप में दिखाने पर केंद्रित है, जबकि कुछ लोग सोशल मीडिया के माध्यम से सनातन को बढ़ावा देने में अधिक रुचि रखते हैं, आम भक्तों की भावनाओं की उपेक्षा करते हैं। ब्रह्म कल्प के दौरान लगभग 45 दिनों तक, शाही स्नान (शाही स्नान) प्रतिदिन होता है, फिर भी हमारे धार्मिक नेताओं ने इसे श्रद्धालुओं तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुँचाया है। इन नेताओं द्वारा कुंभ स्नान का वास्तविक महत्त्व जनता को पर्याप्त रूप से नहीं बताया गया है। यदि सनातन धर्म पर चर्चा करने के लिए अक्सर टेलीविजन पर आने वाले धार्मिक व्यक्ति कल्पवास के इन 45 दिनों के दौरान प्रत्येक प्रहर के दौरान स्नान के महत्त्व पर ज़ोर देते, तो भारी भीड़ को अलग-अलग दिनों में फैलाया जा सकता था, जिससे संभावित रूप से ऐसी त्रासदियों को रोका जा सकता था।

अत्यधिक प्रचार के कारण महाकुंभ में बेहिसाब भीड़ जमा हो गई। इसके अतिरिक्त वीआईपी यानी अति विशिष्ट को ज़रूरत से ज़्यादा महत्त्व और आमजन को अनेक रास्तों पर रोकना या वापस भेजना या मोक्ष मार्ग पर अति विशिष्ट के लिए अलग मार्ग भी एक कारण। भगदड़ के लिए बस एक छोटी—सी गलती की ज़रूरत होती है। एक बात और असरदार या धनी लोग द्वारा अपने पैसों के दम पर सामान्य तीर्थयात्रियों का हक़ मार लेना, उनको पीछे धकेल देना। क्या यह पाप नहीं है? क्या गंगाजी इस तरह के पापिओं के पाप धो पाएगी? दिवंगत आत्माओं को शांति मिले।

कांग्रेस ने अपने शासनकाल में कभी भी बाबा साहब के संविधान का आदर नहीं किया: लाल सिंह आर्य

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। संविधान गौरव अभियान के तहत बीजेपी एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने राजस्थान के सीकर में प्रबुद्ध जनों को संबोधित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक विधायक गोवर्धन वर्मा,विधायक सुभाष मिल,पूर्व विधायक रतन जलधारी,जिला अध्यक्ष कमल सिखवाल,मोर्चा प्रदेश महामंत्री मुकेश गर्ग,पूर्व जिला अध्यक्ष इंदिरा चौधरी के अलावा भारी संख्या में लोगों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने कहा कि जो कांग्रेस आज बाबा साहब के आदर्श एवं संविधान की दुहाई दे रही है उसके सैकड़ो प्रमाण है जिससे यह साबित होता है कि कांग्रेस ने ना तो बाबा साहब को कभी सम्मान दिया और नहीं उनके संविधान को महत्व दिया। श्री आर्य ने कहा कि 1949 में कांग्रेस ने

जम्मू कश्मीर में धारा 370 लागू कर बाबा साहब के संविधान को वहां लागू नहीं होने दिया। कांग्रेस शासन में 80 बार संविधान संशोधन किया गया, यह बाबा साहब के संविधान का घोर अपमान है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकाल में 51 बार अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग कर राष्ट्रपति शासन लगाया गया। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कभी भी संविधान को महान या पूजनीय नहीं माना। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जैसे आदर्श पुरुष को कांग्रेस ने भारत रत्न देने के योग्य भी नहीं समझा। लगभग 70 वर्षों के कांग्रेस शासन काल में जम्मू कश्मीर के हजारों वाल्मीकि समुदाय को वोट देने के अधिकार से वंचित रखा गया तथा जम्मू कश्मीर में दलित आदिवासियों को आरक्षण से वंचित रखा गया। महिलाओं को आरक्षण से कांग्रेस शासन में वंचित रखा गया। कभी भी कांग्रेस के नेता बाबा साहब की जन्मस्थली का दौरा करने नहीं गए तथा उनके जीवन से जुड़े स्थलों के विकास के बारे में कोई काम नहीं किया। आज तक किसी आदिवासी महिला को कांग्रेस ने राष्ट्रपति नहीं बनाया। इसके बावजूद भी अगर कांग्रेस संविधान और बाबा साहब की दुहाई देती है तो यह बेशर्मी की हद है।

राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला का कोयला खनिज लक्षण वर्णन में नवाचार पर सम्मेलन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सिंहभूम की धरती जो लोहा, मैंगनीज , सोना, तांबा याहां तक कि युरेनियम समेत अनेक वे कीमती धातु व अयस्क देता वही झारखंड में देश का 29% कोयला भू गर्भ में विद्यमान है । उसी झारखंड के सरायकेला जिले के आदित्यपुर औधोगिक क्षेत्र स्थित सी एस आई आर का राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला अपने मुख्यालय की तरफ से जनवरी माह के शेष दो दिन कोलकाता के न्यू टाउन स्थित फेयरफील्ड बाय मैरियट होटल में "संसाधनों के सतत उपयोग के लिए कोयला और खनिज लक्षण-वर्णन में नवाचार (आई सी एम्-सी एस 2025)" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आरंभ कर चुका है . यह सम्मेलन राष्ट्रीय धातु प्रयोगशाला के प्लेटिनम जयंती समारोह का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य खनिज संसाधनों के सतत उपयोग, नवाचार और ज्ञान साझाकरण को बढ़ावा देना है.

इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में सीएमपीडीआई, रांची के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज कुमार मुख्य अतिथि होंगे, जबकि जियोवेल सर्विसेज, कोलकाता के सीईओ एवं निदेशक बिप्लब चटर्जी विशिष्ट अतिथि रहेंगे. इसके अलावा, सीएसआईआर-एनएमएल, जमशेदपुर के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी, सम्मेलन की अध्यक्ष डॉ. संचिता चक्रवर्ती और संयोजक डॉ. राजेन कुंडू भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे.अच्युत घटक, निदेशक (तकनीकी), कोल इंडिया

लिमिटेड सुंदर रामम डीबी, उपाध्यक्ष (रॉ मैटेरियल), टाटा स्टील जॉय गोपाल घोष, एसोसिएट प्रिंसिपल (भूविज्ञान एवं अन्वेषण), जियोवेल सर्विसेज रहेगें ।

विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं का समागम होगा देशभर के 30 से अधिक संस्थानों के करीब 100 प्रतिनिधि और विशेषज्ञ इस सम्मेलन में भाग लेंगे. इसमें कुल छह तकनीकी सत्रों के दौरान 37 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे. इस आयोजन का उद्देश्य कोयला और खनिज लक्षण-वर्णन में नवाचार, चुनौतियों और अवसरों पर मंथन करना है.

प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे, जिनमें भी एच यू वाराणसी, आई आई टी खड़गपुर, ए एम डी जमशेदपुर, मिजोरम विश्वविद्यालय, सी एस आई आर एन एम एल जमशेदपुर, सी एम्-पी डी आई रांची, कोल इंडिया लिमिटेड, सी एस आई आर सी एम्-आई एफ आर धनबाद, टाटा स्टील,जी एस आई कोलकाता, JNARDDC जे एन जी आर डी सी नागपुर, CSIR-IMMT सी एस आई आर आई ऐम एम टी भुवनेश्वर, महानदी कोल लिमिटेड सहित अन्य प्रमुख संस्थान शामिल हैं.

आईसीएमसीएस-2025 में उन्नत प्रौद्योगिकियों, संसाधन अन्वेषण, विश्लेषणात्मक तकनीकों, सज्जीकरण और प्रमाणित संदर्भ सामग्री पर चर्चा होगी. सम्मेलन उद्योग जगत, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के लिए एक साझा मंच प्रदान करेगा, जिससे इष्टतम संसाधन उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा.

संवाद और सहयोग का बेहतरीन अवसर

इस दो दिवसीय आयोजन में तकनीकी सत्रों के साथ-साथ मौखिक प्रस्तुतियाँ और पोस्टर प्रदर्शन भी होंगे, जो कोयला एवं खनिज लक्षण-वर्णन के विभिन्न पहलुओं को कवर करेंगे. यह सम्मेलन नेटवर्किंग, नए सहयोग स्थापित करने और टिकाऊ खनन प्रथाओं के विकास के लिए उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगा.

भरणी नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वभाव, कैरियर, रोग और उपाय :

आकाश में भरणी नक्षत्र तीन तारों से बना एक त्रिकोण,जो कि स्त्री के प्रजनन अंग यानी योनि मंडल का प्रतीक के रूप में जान पड़ता है। कदाचित यह योनि सरीखे रूप वाला भरणी नक्षत्र विभिन्न लोको के आवागमन का प्रवेश द्वार जान पड़ता है। भरणी शब्द भरण पोषण से प्रयुक्त होता है। गर्भ धारण कर उसका भरण पोषण करना तथा सृष्टि बढ़ाने में सहयोग भरणी का कार्य जान पड़ता है। जन्म,मृत्य व पुनः उत्पत्ति का कारकत्व भरणी नक्षत्र के पास है । यहीं कारण है कि मृत्य के स्वामी यमराज को ही भरणी नक्षत्र का देवता माना गया है।

स्वभाव : भरणी नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वभाव सृजनात्मक प्रवृति का होता है । इनके नेत्र बड़े और काफी आकर्षक होते हैं। मनमोहक स्वरूप लिए भरणी के जातक अति उत्साही व ऊर्जावान होते है। यह ऊपर से काफी शांत लेकिन अंदर से लगातार विचारशील बने रहते है। इस नक्षत्र के जातक जिज्ञासु,सीखने की इच्छुक और दूसरो की सहायता के लिए सदैव तत्पर होते हैं।

भरणी नक्षत्र को स्त्री नक्षत्र माना गया है इसलिए इस नक्षत्र में जन्मे प्रायः सभी व्यक्तियों में ममता स्पष्ट रूप से देखने को मिलती है ।

भगवान राम के गुरु महर्षि वसिष्ठ से भरणी का संबंध है वसिष्ठ का अर्थ है धनी संपन्न यहीं कारण है कि इस नक्षत्र का जातक बहुधा धनी व संपन्न व्यक्ति होता है।

कैरियरः भरणी नक्षत्र का स्वामी शुक्र होने से, मनोरंजन से जुड़े सभी कार्य, सिनेमा, मॉडलिंग तथा रूप व सौंदर्य से जुड़े व्यवसाय काफी लाभप्रद होते हैं। इसके अलावा गोपनीय विभाग, माइनिंग, खाद व बीज का उद्योग, अग्निशमन अधिकारी,चाय, तंबाकू से जुड़े कार्य,शिशु पालन केंद्र,खिलौना उद्योग और फोटोग्राफी इत्यादि में सफलता प्राप्त करते हैं।

रोगः भरणी नक्षत्र के जातक को सिर ,पैर तथा त्वचा संबंधित रोग अक्सर परेशान करते हैं।

उपायः भरणी नक्षत्र में जन्मे लोगो को दुःख निवारण व सफलता प्राप्ति हेतु ॐ हीं मंत्र का जाप एक माला करना चाहिए । इसके अलावा मां काली की उपासना अत्यंत लाभ कारी होती है।

भाग्य वृद्धि के लिए लाल , सफेद और काले रंग के वस्त्रों का उपयोग करें।

ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश पौराणिक(इंजी .)

श्री आईजी सेवा संघ में माघ सुदी बीज प्रथम महोत्सव 31 को

हैदराबाद किसरा मंडल सीरवी समाज तेलंगाना बंडलागुडा व चिरीयाला जोन स्थित श्री आईजी सेवा संघ में समाज बन्धुओं के सानिध्य में माघ सुदी बीज प्रथम महोत्सव शुक्रवार 31 जनवरी 2025 को पुजा-अर्चनाकर भव्य रुप से आयोजित किया जाएगा।प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष भगाराम मुलेवा व सचिव चेलाराम भायल ने संयुक्त रुप से बताया कि हर वर्ष की भांति सायं :वेला में सायं 7.15 बजे पुजा-अर्चना व महाआरती के पश्चात्समाज बन्धु व भक्तगण आईमाता जी के चरणों में श्रीफल भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे।रात्रि 9.15 बजे से जागरण का आयोजन होगा। जिसमें चेरलापली एंड पार्टी आईमाता जी के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। पदाधिकारी व समाज बन्धु सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। महा प्रसादी रात्रि 7.15बजे से व्यवस्था रखी है। सचिव चेलाराम भायल , कोषाध्यक्ष बाबूलाल मुलेवा ने समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन किया कि सपरिवार समय पर पधारकर आईमाता जी के दर्शन, पुजा-अर्चनाकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पुनर्विकास: प्रवेश और निकास के लिए एलिवेटेड ड्राइववे के निर्माण की अनुमति दी गई

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

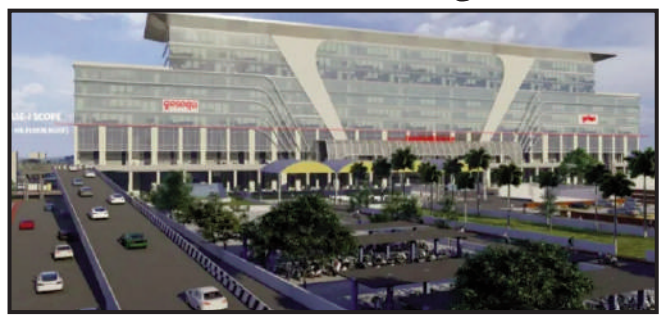

भुबनेश्वर, 29.1: राज्य सरकार ने भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन के मास्टर कैंटीन के पास एक एलिवेटेड ड्राइववे और प्रवेश और निकास सड़क के निर्माण की अनुमति दे दी है। यह स्टेशन के आधुनिकीकरण में एक महत्वपूर्ण कदम है। भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण (बीडीए) द्वारा आवंटित भूमि पर एलिवेटेड पहुंच और निकास सड़कों के निर्माण की अनुमति दी गई है।स्टेशन पुनर्विकास के भाग के रूप में, भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण के परामर्श से स्टेशन परिसर में पार्किंग और वाणिज्यिक स्थान विकसित किए जाएंगे। बीडीए दी गई भूमि पर एक व्यावसायिक क्षेत्र विकसित करने की भी योजना बना रहा है। जिससे रेलवे स्टेशन और बीडीए दोनों को फायदा होगा। भविष्य में एक आधुनिक स्टेशन परिसर बनाया जाएगा। निर्माण कार्य तुरंत शुरू हो जाएगा, तथा एलिवेटेड ड्राइववे के लिए नींव का काम भी शुरू हो जाएगा। स्टेशन पर नए प्रवेश और निकास द्वार, लिफ्ट, सभी प्लेटफार्मों पर एस्केलेटर और एक एयर-कॉन्कोर्स होगा। भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास भारतीय रेलवे की अमृत स्टेशन योजना के तहत एक प्रयास है। भारतीय रेलवे इस पुनर्विकास परियोजना में 419 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। इसके परिणामस्वरूप यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं सृजित होंगी। इसमें विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप आधुनिक भवन, हवाई अड्डे के टर्मिनलों की तरह डिजाइन किए गए यात्री संचलन क्षेत्र, अलग-अलग प्रवेश और निकास क्षेत्र, सभी प्लेटफार्मों को जोड़ने वाले एयर कॉनकोर्स, लिफ्ट, एस्केलेटर, सामान सुरक्षा जांच क्षेत्र, सूचना केंद्र, फूड प्लाजा और प्रतीक्षा क्षेत्र होंगे।

राज्य में 23 ट्रक टर्मिनल जल्द ही चालू हो जाएंगे

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वरः हाईवे पर अवैध पार्किंग की समस्या का समाधान होगा। राज्य में जल्द ही 23 ट्रक टर्मिनल चालू होने जा रहे हैं। ओडिशा एक्सीलेंस कॉन्क्लेव 2025 में राज्य सरकार के वाणिज्य एवं परिवहन विभाग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड के साथ इस संबंध में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।पहले चरण में इसे 18 जिलों में क्रियान्वित किया जाएगा, जबकि राज्य के सभी जिलों में महत्वपूर्ण राजमार्गों के किनारे ट्रक टर्मिनल स्थापित किए जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023